

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
 बी.ए./बी.एस-सी.: चतुर्थ सेमेस्टर - 2015-16 एवं 2016-17
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-सामान्य हिंदी Code UGFIHIN 9004
 अंक योजना पूर्णांक : 100
 मुख्य परीक्षा : 80
 आंतरिक गूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 पल्लवन, पारिशाधिक शब्दावली
- इकाई- 2 पत्र लेखन(निजी पत्र, व्यावहारिक पत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदन पत्र)
- इकाई- 3 पर्यायवाची, युग्म-शब्द, शब्द-शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम, तदभव शब्द, मुहावरे-लोकोवित।
- इकाई- 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।
- इकाई- 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

सहायक पुस्तकें :

- 1. भारतीयता के अमर रखर
- 2. प्रयोजन मूलक हिंदी
- 3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- 4. हिंदी संक्षिप्त लेखन
- 5. हिंदी शब्द सामर्थ्य
- 6. हिंदी व्याकरण एवं रचना

- डॉ. धनंजय वर्मा
- विनोद गोदरे
- विजय कुमार मल्होत्रा
- रामप्रसाद किचलू
- शिवनारायण चतुर्वेदी
- डॉ. प्रभा बौहार

--0--

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

- 1. डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
- 3. डॉ. बेटियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
- 4. श्री रामकुमार बंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

अनुभोदित

मिशनरी

Uske

27.09.14

BAMM

Ramkumar

विषय विशेषज्ञ :

- 1. डॉ. शील प्रभा मिश्र,
प्राचार्य,
शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरबा
- 2. डॉ. डी.एस.ठाकुर,
प्राध्यापक हिन्दी,
शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

- 1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

- 1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इरपात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14)

- 1. श्री मुरली चौहान M. Chauhan

27/09/14

अंक विभाजन - 04 वीर्य उत्तरीय/जिलेभाग प्रश्न - $4 \times 10 = 40$ अंक
 05 लक्ष्मी उत्तरीय/टिप्पणी - $5 \times 6 = 30$ अंक
 10 वस्तुगित/आनिलतु उत्तरीय - $10 \times 10 = 100$ अंक
 कुल 40 अंक

मिशनरी

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 (निबंध) 1. महात्मा गांधी 2. विनोबा भावे 3. आचार्य नरेन्द्रदेव -सत्य और अहिंसा
 -ग्रामसेवा
 -युवकों का समाज में स्थान
- इकाई- 2 (निबंध) 1. वासुदेवशरण अग्रवाल 2. भगवतशरण उपाध्याय 3. हरिठाकुर -नातृभूमि
 -हिमालय की व्युत्पत्ति
 -डॉ. खूबचंद बघेल

इकाई- 3 हिंदी भाषा और उस के विविध रूप -

~~सर्वज्ञात्मक भाषा, संसार भाषा, सञ्चार भाषा, प्रयोगी भाषा, पातृभाषा, कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (भौतीभीभाषा)~~

इकाई- 4 अनुवाद- अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया। हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।

इकाई- 5 समाचार-~~लेखन (स्पोर्ट्स)~~ हिन्दी की व्यावहारिक कौटियाँ -

~~समाचार के प्रकार, समाचार-लेखन के महत्वपूर्ण अंग, समाचारों के अधिकारी, संदर्भों के अभ्यास + संज्ञा, सर्वज्ञान, विशेषज्ञ, क्षिया विशेषज्ञ, संविधा समाचार एवं संश्लिष्टियाँ।~~

सहायक पुस्तकों :

1. हिंदी भाषा और संस्कृति
 2. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी
 3. अनुवाद कला
 4. हिंदी भाषा
 5. बोलचाल की हिंदी और संचार
- संपा. डॉ. राजेन्द्र मिश्र
 -डॉ. दिनेश गुप्ता
 -डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
 -महावीर प्रसाद द्विवेदी
 -मधु धवन

—0—

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य *Usha*
 3. डॉ. वेठियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य *Vethiyar*
 4. श्री रामकुमार वंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य *Ramkumar*

अनुबोहित-

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र, *Shilpa Mishra*
 प्राचार्य,
 शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरवा

2. डॉ. डी.एस.ठाकुर, *D.S.Thakur*
 प्राध्यापक हिन्दी,
 शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक / निगम क्षेत्र : 1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़
 अनुबोहित - 2013-14) 1. श्री मुरली चौहान *Murali Chauhan* 27/09/14, *मीनकेतन*

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14)

अंक विभाग - 04 दीर्घ उत्तरी / निर्गत ग्रन्थ $4 \times 10 = 40$
 05 लघु उत्तरी / टिप्पणी $5 \times 6 = 30$
 10 वस्तुनिष्ठ / अतिलघु उत्तरी $10 \times 1 = 10$
 लक्ष 50 अंक

10

4

किंशास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
 सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018
 पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य
 बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
 (प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य) Code - 9001

अंक योजना पूर्णांक : 100
 मुख्य परीक्षा : 80
 आंतरिक गूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : प्राचीन से तात्पर्य है—आधुनिक काल से पूर्व का काल। सही अर्थ में हिन्दी भाषा और साहित्य का विकास आदिकाल से होता है। इसमें लौकिक और अलौकिक दो प्रकार का साहित्य मिलता है। मध्यकालीन साहित्य की पृष्ठभूमि के रूप में इसे परिभाषित किया जाता है। मध्यकालीन काव्य में भवितकाव्य, जहाँ लोक जागरण को खंच देने वाला है, वहीं रीतिकाल, अपने लौकिक-शृंगारिक परिदृश्य में तत्कालीन सामाजिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक स्थितियों को ख्याल रखते हुए अभिव्यंजित करता है। अतः भाषा, संस्कृति, मानवता, काव्य-वर्तु, काव्यरूपता, लौकिकता, पारलौकिक आदि दृष्टियों से इसका अध्ययन अत्यावश्यक है।

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 कवीर— (प्रारम्भिक 50 साखियों)—सम्पादक— कांति कुमार जैन
 इकाई- 2 जायसी—संक्षिप्त पदभावत, (नागमती वियोग खण्ड)
 सम्पादक—आचार्य रामचंद्र शुक्ल
 इकाई- 3 सूरदास—ब्रगरगीतसार, (प्रारम्भिक 25 पद)—सम्पादक—आचार्य रामचंद्र शुक्ल
 इकाई- 4 तुलसीदास—रामचरितमानस—(अयोध्या कांड के 25 दोहे चौपाई छंद सहित)
 इकाई- 5 घनानंद (प्रारम्भिक 25 छंद)—सम्पादक—विश्वनाथ प्रसाद मिश्र,
 1. द्रुतपठन : 1. चंदबरदाई 2. रसखान 3. भूषण
 ——00——

अंक विभाजन :

- 2 व्याख्यात्मक प्रश्न — $2 \times 10 = 20$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)
 2 आलोचनात्मक प्रश्न— $2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)
 2 लघूत्तरी प्रश्न — $2 \times 5 = 10$ अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)
 10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न $10 \times 2 = 20$ अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डॉ. एस. ठाकुर
 3 डॉ. विहारी लाल साहू
 5 डॉ. उषा वैरागकर आठले
 7 श्री रामकुमार वंजारे
 9 श्री राजीव गुप्ता

[Signature]
[Signature]
[Signature]
[Signature]
[Signature]

2. डॉ. फूलदास महंत
 4 डॉ. मीनकेतन प्रधान — *[Signature]*
 6 डॉ. वेठियार सिंह साहू — *[Signature]*
 8 श्री नवनीत जगतरामका — *[Signature]*

टप्पणी— अध्ययन मण्डल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लेखित कवियों के काल का संक्षिप्त परिचय तथा कवि परिचय सहित दिये गये अंशों को एक समिति द्वारा संकलित कर शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय-सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर : विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी,

शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला—जॉंजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

बिहारी लाल साहू,

2. डॉ. मीनकेतन प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यक्ष—

मीनकेतन प्रधान

3. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राध्यापक—हिन्दी : सदस्य—

उषा वैरागकर

4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य—

रामकुमार बंजारे

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

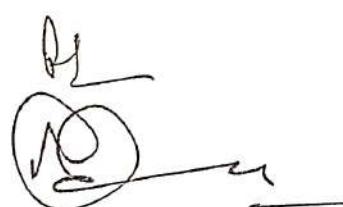
भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता

धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

राजीव गुप्ता



किंशास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
 सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018
 पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य
 बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर
 (हिन्दी कथा साहित्य) Code 9002

अंक योजना पूर्णांक : 100
 मुख्य परीक्षा : 80
 आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : गद्य की प्रनुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इनमें आधुनिक जीवन अपनी विविध छवियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए इनका अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

उपन्यास— 1. अमृतलाल नागर —मानस का हंस (विद्यार्थी संस्करण)

कहानी— 1. प्रेमचंद —कफन
 2. फणीश्वरनाथ रेणु —ठेस
 3. जयशंकर प्रसाद —पुररकार

द्रुतपठन— द्रुतपाठ के लिए निम्नांकित तीन कथाकारों का अध्ययन अपेक्षित है,
 जिन पर लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे—

1. भगवतीचरण वर्मा 2. भीष्म साहनी 3. मोहन राकेश

—00—

अंकविभाजन :

१ व्याख्यात्मक प्रश्न — $2 \times 10 = 20$ अंक

(उपन्यास से 01 एवं कहानियों से 01 व्याख्या आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न— $2 \times 15 = 30$ अंक

(उपन्यास से 01 एवं कहानियों से 01 आलोचनात्मक आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूत्तरी प्रश्न — $2 \times 5 = 10$ अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न $10 \times 1 = 10$ अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर —

- | | | | |
|------------------------|------------------|-------------------------|------------------------|
| 1. डॉ. डी. एस. ठाकुर | <u>DT</u> | 2. डॉ. फूलदास महंत | <u>FF</u> |
| 3 डॉ. बिहारी लाल साहू | <u>बिहारीलाल</u> | 4 डॉ. मीनकेन प्रधान | <u>मीनकेनप्रधान</u> |
| 5 डॉ. उषा वैरागकर आठले | <u>Usha</u> | 6 डॉ. वेठियार सिंह साहू | <u>वेठियारसिंहसाहू</u> |
| 7 श्री रामकुमार बंजारे | <u>Ramkumar</u> | 8 श्री नवनीत जगतरामका | <u>नवनीतजगतरामका</u> |
| 9 श्री राजीव गुप्ता | <u>Rajeev</u> | | |

टिप्पणी- अध्ययन मंडल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लेखित कहानीकारों की कहानियों का कथा-संकलन शीघ्र प्रकाशित किया जाए, ताकि छात्र/छात्राओं को विषय-सामग्री एक साथ उपलब्ध हो सके।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,
शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

2. डॉ. विहारी लाल साहू

सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य-
3. डॉ. बैठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

2. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

किशास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

(आधुनिक हिन्दी काव्य) Code 9003

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : आधुनिक काव्य आधुनिकता की सभी विशेषताओं को समेटे हुए है। इसमें खड़ी बोली हिन्दी की काव्यवस्तु एवं भाषा-शिल्प के नवीन आयामों के विकास के साथ-साथ समसामयिक प्रवृत्तियों का प्रतिविम्ब भी दिखाई देता है। स्वतंत्रतापूर्व एवं स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी साहित्य की काव्यधाराओं का क्रमिक अध्ययन प्रतिनिधि कवियों की रचनाओं के माध्यम से किया जाना अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

इकाई- 1. मैथिलीशरण गुप्त -काव्य-शिक्षा एवं शुभकामना

इकाई- 2. सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' -सखि वसंत आया, वर दे, बीणा वादिनी, वर दे। हिन्दी के सुमनों के प्रति पत्र, तोड़ती पत्थर, मीठा

इकाई- 3. सुमित्रानन्दन पंत -दादल, परिवर्तन, ताज, झांझा में नीम, भारत माता

इकाई- 4. माखनलाल चतुर्वेदी -निःशस्त्र रेनानी, एक विरल प्रश्नोत्तर सृष्टि बलि पंथी से, उलाहना) मीठा

इकाई- 5. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अङ्गेय' -दूर्वाचल, साम्राज्ञी का नैवेद्य-दान, घर,

द्रुत पाठ : निम्नांकित कवियों के साहित्यिक परिचय का अध्ययन अपेक्षित है, जिन पर लघु उत्तरीय प्रश्न किये जाएंगे -

1. अयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिऔदय' 2. सुभद्राकुमारी चौहान 3. श्रीकांत वर्मा

मीठा --00--

अंक विभाजन : २ व्याख्याएँ - २ × १० = २० अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न - २ × १५ = ३० अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूतरीय प्रश्न - २ × ५ = १० अंक (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

10 अतिलघूतरीय / वस्तुनिष्ठ प्रश्न - १० × १ = १० अंक (समर्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

2. डॉ. फूलदास भहंत

3. डॉ. विहारी लाल साहू

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

6. डॉ. वेठियार सिंह साहू

7. श्री रामकुमार बंजारे

8. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

पाठ्य/सहायक पुस्तकें -

1 छायावाद

- नामवर सिंह,

2 निराला की काव्य दृष्टि

-- डॉ. राधाकृष्ण कौशिक,

3 निराला

-- रामविलास शर्मा,

4 मैथिलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन

-- डॉ. नरेंद्र,

5 अङ्गेय की कविता : एक मूल्यांकन - चंद्रकान्त वांदिवडेकर,

6 प्रगतिवादी काव्य के राजनीत एवं सामाजिक चेतना - डॉ. विद्या प्रधान,

टिप्पणी— अध्ययन मंडल यह अनुशंसा करता है कि पाद्य-विषय में उल्लिखित कवियों के काल का संक्षिप्त परिचय, कवि-परिचय तथा कविताओं को एक समिति द्वारा संकलित करवाकर शीघ्र प्रकाशित कर छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध किया जावे।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी,
शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जौजेपुर, जिला—जाँजगीर—चांपा

अनुगोदित

हस्ताक्षर

—

—

कुलपति द्वारा नामांकित :

3. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

विषारीय सदस्य :

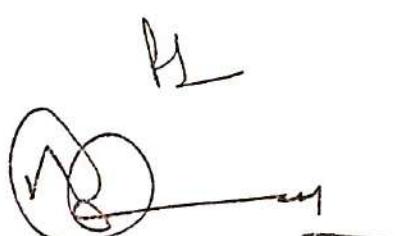
1. डॉ. मीनकेतन प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यक्ष—
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राध्यापक—हिन्दी : सदस्य—
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य—
4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य—

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य —

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

3. श्री राजीव गुप्ता
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य —



किंशासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

विषय-हिन्दी नाटक, एकांकी एवं निबंध (वैकल्पिक प्रश्न पत्र) Code 9004

अंक योजना

पूर्णांक : 100

गुरुव्य परीक्षा : 80

आंतरिक भूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : आधुनिक काल में गद्य की प्रमुख विधाओं का इतना द्रुत विकास इनकी लोकप्रियता का प्रमाण प्रस्तुत करता है। इनमें आधुनिक जीवन अपनी विविध छवियों के साथ यथार्थ रूप में अभिव्यंजित हुआ है। जीवन की अनुभूतियों, संवेदनाओं तथा विविध परिस्थितियों के साक्षात्कार के लिए पाठ्यक्रम में निर्धारित सभी विधाओं के उद्भव-विकास का सामान्य अध्ययन अपेक्षित है।

पाठ्य विषय :

इकाई- 1 नाटक :

धृवस्वामीनी — जयशंकर प्रसाद अथवा लहरों के राजहंस — मोहन राकेश

इकाई- 2 एकांकी :

- | | |
|------------------------|------------------------|
| 1. डॉ. रामकुमार वर्मा | — औरंगजेब की आखिरी रात |
| 2. लक्ष्मीनारायण मिश्र | — एक दिन |

इकाई- 3 निबंध :

- | | |
|-----------------------------|--------------------|
| 1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल | — क्रौघ |
| 2. डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी | — वसंत आ गया है |
| 3. हरिशंकर परसाई | — घेर्इमानी की परत |

द्रुत पठन — निम्नांकित रचनाकारों के साहित्यिक परिचय का अध्ययन अपेक्षित है —
 1. बाबू गुलाबराय 2. महादेवी वर्मा 4. हथीब तनवीर

—00—

अंक विभाजन :

- $2 \times 14 = 20$ अंक

मैट्रि

2 व्याख्याएँ (तीनों इकाईयों से एक-एक आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न (तीनों इकाईयों से आंतरिक विकल्प सहित)

- $2 \times 15 = 30$ अंक

2 लघूतरी प्रश्न (द्रुत पाठ से विकल्प सहित)

- $2 \times 5 = 10$ अंक

10 वस्तुनिष्ठ प्रश्न (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

- $10 \times 2 = 20$ अंक

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर —

-

-

-

-

-

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

2. डॉ. फूलदास महंत

3. डॉ. बिहारी लाल साहू

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले - Ushe

6. डॉ. वेठियार सिंह साहू

7. श्री रामकुमार बंजारे

8. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

विद्या/सहायक ग्रन्थ :-

- 1 नाटककार जयशंकर प्रसाद - संपादक सत्येन्द्र कुमार तनेजा,
- 2 व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई - डॉ भरत पटेल,
- 3 निबंधालोक : विद्यानिवास मिश्र - डॉ दिलीप देशमुख,
- 4 हिन्दी निबन्धकार - जयनाथ नलिन

5 प्रसाद : भारतीयता के प्रतिमान - सत्यपाल चंग
 टिप्पणी - अध्ययन मंडल यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लिखित रचनाकारों के काल का संक्षिप्त परिचय, लेखक-परिचय तथा कविताओं को एक समिति द्वारा संकलित करवाकर शीघ्र प्रकाशित कर छात्र-छात्राओं के लिए उपलब्ध किया जावे।

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, —
 प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,
 शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
 सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
 शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जौजागीर-चांपा

अनुमोदित
हस्ताक्षर

कुलपति द्वारा नामांकित :

4. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़
 विभागीय सदस्य :

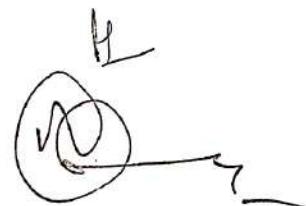
1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष-
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य-
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

ओँद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
 प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य —

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

4. श्री राजीव गुप्ता
 धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य —



पिं. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर

हिन्दी साहित्य का इतिहास (रीतिकाल तक)

(वैकल्पिक प्रश्नपत्र)

Code 9004 (A)

X लागू नहीं।
नहीं!

अंक योजना

पूर्णांक : 100

गुण्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध रूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोवेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिघटित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से तेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सुजननशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के भाष्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

पाठ्य पिप्पय :

इकाई एक :

1. हिंदी साहित्येतिहास-लेखन की परम्परा
2. हिंदी साहित्येतिहास : काल-विभाजन
3. हिंदी साहित्येतिहास : नामकरण

इकाई दो :

4. आदिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
5. आदिकालीन साहित्य : सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य
6. भवित्काल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
7. भवित्कालीन साहित्य : निर्गुण काव्यधारा - ज्ञानाश्रयी एवं प्रेमाश्रयी सगुण काव्यधारा - रामभक्ति शाखा एवं कृष्णभक्ति शाखा

इकाई चार :

8. रीतिकाल : परिस्थितियाँ एवं विशेषताएँ
9. रीतिकालीन काव्यधाराएँ -- रीतिचिद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त

अंक विभाजन :

2 आलोचनात्मक प्रश्न	- $2 \times 15 = 30$ अंक
5 लघूतरीय प्रश्न	- $5 \times 06 = 30$ अंक
10 अतिलघूतरीय / वस्तुनिष्ठ प्रश्न	- $10 \times 1 = 10$ अंक

आध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3. डॉ. विहारी लाल साहू

5. डॉ. उपा वैरागकर आठले

7. श्री रामकृष्ण वंजारे

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास भहत
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
6. डॉ. वेठियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतरामका

- लाल
- विहारी
- उपा
- रामकृष्ण
- राजीव

14
राजीव

पाठ्य / सहायक ग्रंथः—

- 1 हिन्दी साहित्य का इतिहास — आचार्य रागवंद्र शुक्ल.
- 2 हिन्दी साहित्य का आदिकाल एवं वीसलदेव रास — डॉ. गीनकेतन प्रधान.
- 3 भवित काव्य-यात्रा — डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी,
- 4 हिन्दी साहित्य का आधा इतिहास — डॉ. सुगन राजे
- 5 हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास — डॉ. वचन रिंड
- 6 हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास — डॉ. रामकुमार वर्गा

अध्ययन—मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

अनुगोदित
हरताक्षर

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी,

शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर गणविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला—जॉजागीर—चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

5. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. वरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीनकेतन प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राध्यापक—हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वेठियार रिंड साहू—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

-

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

5. श्री राजीव गुप्ता

धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

किशासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सन् 2018-2019 एवं 2019-2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

बी.ए. पंचग रोगेस्टर

छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) Code 9075

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्ररतावना : हिन्दी जगत में अनेक वौलियाँ विद्यमान हैं, जिनमें लिखित साहित्य भी विपुल मात्रा में उपलब्ध है। जनपदीय भाषा छत्तीसगढ़ी निरंतर विकास की ओर अग्रसर हो रही है। अतः इस भाषा का और इसमें रचित साहित्य का इतिहास एवं उसके विकास का अध्ययन आवश्यक है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : छत्तीसगढ़ी भाषा का परिचय

इकाई दो : छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास

इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी काव्य : संत धर्मदास के पद (गुरु पंडियाँ, नैनन आगे ख्याल घनेग, भजन करी भाई रे) विनय कुमार पाठक की कविताएँ (तैय उठथस सुरुज उथे, एक किसिम के नियाव) युकुन्द कौशल की छत्तीसगढ़ी गजलें

इकाई चार : छत्तीसगढ़ी गंद्य : सोनपान (लेख) - लखनलाल गुप्त, सीयु सीयु के गोठ - सत्यमामा आडिल

द्वंत पाठ : सुंदरलाल शर्मा, रामदंद देशमुख, कपिलनाथ कर्त्तव्य

— 60 —

अंक विभाजन : 2 व्याख्याएँ

— $2 \times 10 = 20$ अंक

(इकाई तीन एवं इकाई चार से आंतरिक विकल्प सहित)

2 आलोचनात्मक प्रश्न — $2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाईयों से आंतरिक विकल्प सहित)

2 लघूतरीय प्रश्न — $2 \times 5 = 10$ अंक (द्वंत पाठ से)

10 अतिलघूतरीय/वर्तुनिष्ठ प्रश्न — $10 \times 2 = 20$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हरताक्षर —

1. डॉ. डी. एस. टाप्कुर

— टाप्कुर

2. डॉ. फूलदास महंत

3. डॉ. विहारी लाल साहू

— विहारी

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

5. डॉ. उपा वैरागकर आठले

— उपा

6. डॉ. वेठियार सिंह साहू

7. श्री रामकुमार दंजारे

— रामकुमार

8. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

— राजीव

— मीनकेतन

— वेठियार

सहायक ग्रन्थ :

1. जनपदीय भाषा - साहित्य (छत्तीसगढ़ी), सम्पादक — डॉ. सत्यमामा आडिल प्रकाशक — छत्तीसगढ़ राज्य हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, संस्करण प्रथम 2010
2. छत्तीसगढ़ी साहित्य : दशा एवं दिशा — नंदकिशोर तिवारी
3. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण — चन्द्रलाल चन्द्राकर
4. वोलवाल की छत्तीसगढ़ी — डॉ. वित्तरंजन कर
5. छत्तीसगढ़ी अभिव्यक्ति के परिप्रेक्ष्य — डॉ. विहारी लाल साहू
6. छत्तीसगढ़ी का इतिहास एवं परम्परा — डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा

— मीनकेतन — वेठियार

टिप्पणी— अध्ययन गणले यह अनुशंसा करता है कि पाठ्य-विषय में उल्लिखित विशेषों, एकान्तरों के गणले का समिक्षा परिचय रासायनिकार के परिचय सहित दिये गये अंशों को एक विषयों द्वाय संकलित कर शीर्ष प्रकाशित विज्ञा जाए़ ताकि छात्र/छात्राओं को विषय-शास्त्री एक राष्ट्र संपर्क कर सके।

अध्यायन—गंडल के रादस्यों के उत्तराधार :
विषय विशेषज्ञ :

ଅନୁଯୋଦିତ
ଉତ୍ତରାଧିକ

1. डॉ. रमेश कुमार अग्रवाल, प्राध्यापक पर्व विद्याग्राही—हिंदी, साराजिलारा कन्या रत्नाकोट्टर महाविद्यालय, विवासनपुर
 2. डॉ. फूलदास भट्ट, राजा प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य शास्त्रज्ञाविद्यालय, जीजोपुर, जिला—जाँचागाँव—चंपापा

कुलपति द्वारा नामांकितः

६. डॉ. विद्यारी लाल राठौड़
रोबनिगिवत्त प्राचार्य, चांदीपाली, पो. वसुगढ़केला, रायगढ़

१५

विभागीय सादस्य :

1. डॉ. गीगकेतन प्रधान—प्राध्यापक एवं विगागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यक्ष—
 2. डॉ. उपा पैरागकर आठले—राजागक प्राध्यापक—हिन्दी : राजदर्श—
 3. डॉ. घेठियार रिंग साहू—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : राजदर्श—
 4. श्री रामकृष्णार वंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : राजदर्श—

ओच्योगिक / निगम दोत्र :

१. श्री नवनीत जगतंरामका, : रादरय
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्सचायगढ़

गूतपूर्व विद्यार्थी (राजाकोत्तर हिन्दी, सन् 2014-15) :

6. श्री राजीव गुप्ता : रादरय
धनुहारडेरा रायगढ़

4

किशाराकीय कला एवं विज्ञान गणविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

राख 2018-2019 एवं 2019-2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी राहित्य

बी.ए. पंचम सेमेस्टर

हिन्दी राहित्य : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) code - 9005 (A)

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : हिन्दी जगत की वैशिष्ट्यों था विगाधाओं में अमूल्य लोकसाहित्य-संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, रावेशण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संरक्षित की जा सकता है और हिन्दी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। हमारे प्रदेश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी में भी विपुल भान्ना में लोकसाहित्य विद्यमान है। अर्थु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है!

पाठ्य विषय :

इकाई एक : लोकसाहित्य : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई दो : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य की विधिविधाएँ : सामान्य परिचय

इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं लोकगाथा : प्रकार एवं उदाहरण

इकाई चार : छत्तीसगढ़ी लोककथा एवं लोकगाट्य : प्रकार एवं उदाहरण

--00--

अंक विभाजन : 4 आलोचनात्मक प्रश्न $-2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प राहित)

5 लघूत्तरीय प्रश्न $-5 \times 6 = 30$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प राहित)

10 अतिलघूत्तरीय / वस्तुनिष्ठ प्रश्न $-10 \times 1 = 10$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर-

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

-

3. डॉ. विहारी लाल साहू

-

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

-

7. श्री रामकुमार बंजारे

-

9. श्री राजीव गुप्ता

-

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. डॉ. वेठियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतरामका

-

-

-

10.

11.

किशासकीय कला एवं विज्ञान गहाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सन् 2018-2019 एवं 2019-2020

पाठ्यक्रम : हिन्दी साहित्य

वी.ए. पंचम रोमेस्टर

हिन्दी साहित्य : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य (वैकल्पिक प्रश्नपत्र) code - 9005 (A)

अंक योजना

पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

प्रस्तावना : हिन्दी जगत की घोलियों या विभाषाओं में अमूल्य लोकसाहित्य-संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, संपादन, सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संरकृति को संरक्षित किया जा सकता है। हमारे प्रदेश की राजभाषा छत्तीसगढ़ी में भी विपुल गात्रा में लोकसाहित्य विद्यमान है। अरतु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्धारित है।

पाठ्य विषय :

इकाई एक : लोकसाहित्य : अर्थ, स्वरूप और विशेषताएँ

इकाई दो : छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य की विविध विधाएँ : रामान्य परिवर्य

इकाई तीन : छत्तीसगढ़ी लोकगीत एवं लोकगाथा : प्रकार एवं उदाहरण

इकाई चार : छत्तीसगढ़ी लोककथा एवं लोकनाट्य : प्रकार एवं उदाहरण

--00--

अंक विभाजन : 4 आलोचनात्मक प्रश्न $- 2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प राहित)

5 लघूतरीय प्रश्न $- 5 \times 6 = 30$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से विकल्प राहित)

10 अतिलघूतरीय / वर्तुनिष्ठ प्रश्न $- 10 \times 1 = 10$ अंक (समग्र पाठ्य विषय से)

अध्ययन गण्डल के सदस्यों के उस्ताद्वारा-

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

-

3 डॉ. विहारी लाल साहू

-

5 डॉ. उपा वैरागकर आठले

-

7 श्री रामकुमार वंजारे

-

9 श्री राजीव गुप्ता

-

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. येठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतरामका

-

-

-

-

-

विद्या / सहायक पुस्तकें :-

1. डॉ. बिहारीलाल साहू - छत्तीसगढ़ी भाषा एवं लोकसाहित्य
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य और रंगकर्म
3. लोकसाहित्य की भूमिका - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय
4. लोकसाहित्य अर्थ और व्याप्ति - डॉ. सुरेश गौतम,
5. भारत में लोकसाहित्य - डॉ. कृष्णदेव उपाध्याय,

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,

शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

अनुमोदित
हस्ताक्षर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

7. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवानिवृत्त प्राचार्य, चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

- Meenaketan Pradhan
- Usha Vaeragkar
- Bethiyar Singh Sahoo
- Ramkumar Banger

आौद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

: सदस्य

-

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

7. श्री राजीव गुप्ता

धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

पाठ्य / सहायक पुस्तकों :-

1. हिन्दी माया - प्राचीन का इतिहास तथा काव्यांग विदेशन - उत्तापन - डॉ. उत्तमनाना आडिल
2. हिन्दी माया का इतिहास - मोतानाय तिशरी
3. हिन्दी माया का उद्घाटन एवं विकास - डॉ. उदय नारायण
4. हिन्दी नायाभिज्ञान और स्वरूप - डॉ. राजनगी रानी
5. हिन्दी व्याकरण नीतांत्रि - काशीराज रानी
6. हिन्दी की नानक वर्तनी - कलारामदेव नायटिया

लघ्यवन-मंचल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एच. गांगुली

प्राच्याधिक एवं विज्ञानाधिक-हिन्दी,

यात्राविलास कान्या ज्ञातकोत्तर नहाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास नहंत,

सहाय्याधिक/प्रनारी प्राचार्य

शान्तनुहाविद्यालय, जैपुर विलास-जांजीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

3. डॉ. विहारी लाल चाहूँ

जैवानिकृत प्राचार्य, चांपीनाली, गो. बरकेला, रायगढ़

विमानीय सदस्य :

1. डॉ. नीतकेशन प्रधान-प्राच्याधिक एवं विज्ञानाधिक-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. दशा देवगांव भाटते-सहायक प्राच्याधिक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. विठ्ठल दिवे चाहूँ-जातियि व्याज्ञान-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकृष्ण वंशरे-जातियि व्याज्ञान-हिन्दी : सदस्य

बौद्धोगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगद्वामका,

: सदस्य

प्रधान चंगादक इन्हारे टाइप, रायगढ़

नूदपूर्व विद्यार्थी (ज्ञातकोत्तर हिन्दी, ज्ञन 2014-15) :

9. श्री राजीद गुप्ता

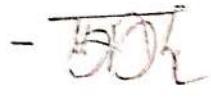
: सदस्य

धनुहारदेव रायगढ़

झनुनोदित

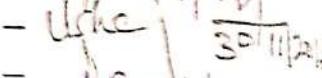
हस्ताक्षर

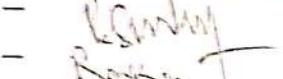
- 

- 



- 

- 

- 

- 

- 





किं. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

बी.ए./यी.एस.सी. : चतुर्थ सेमेस्टर code - UGFS Hin - 9004

सामान्य हिंदी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक नूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई- 1 पल्लवन, पारिभाषिक शब्दावली

इकाई- 2 पत्र लेखन (निजीपत्र, व्यावहारिकपत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदनपत्र)

इकाई- 3 पर्यायवाची, युग्म-शब्द, शब्द-शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम, तदभव शब्द, मुहावरे-लोकोक्ति।

इकाई- 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।

इकाई- 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

---00---

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीयता के अग्रर रचर
2. प्रयोजन मूलक हिंदी
3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
4. हिंदी संक्षिप्त लेखन
5. हिंदी शब्द सामर्थ्य
6. हिंदी व्याकरण एवं रचना

-डॉ. धनंजय वर्मा

-विनोद गोदरे

-विजय कुमार मल्होत्रा

-रामप्रसाद किंचलू

-शिवनारायण चतुर्वेदी

-डॉ. प्रभा व्यौहार

2 आलोचनात्मक प्रश्न

$-2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन

$-5 \times 6 = 30$ अंक (, , , , ,)

10 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न

$-10 \times 2 = 20$ अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

-

3 डॉ. बिहारी लाल साहू

-

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

-

7 श्री रामकुमार बंजारे

-

9 श्री राजीव गुप्ता

-

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. बेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतरामका

- नवनीत जगतराम
30/11/2018

-

4 -

प्रयन—मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,

शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला—जाँजगीर—चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवानिवृत्त प्राचार्य ग्राम चांटीपाली, पो. बरमकेला, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राध्यापक—हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बेटियार सिंह साहू—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

-

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता

धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

-

अनुमोदित

हस्ताक्षर

- दीनकेन्द्र प्रभारी
- Uske सहायक

- बेटियार सिंह
- Ramkumar

किं. शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

वी.ए./वी. एस-सी. : पंचम सेमेस्टर Code UGf Hin 9005

सामान्य हिंदी

अनिवार्य प्रश्नपत्र

अंक योजना पूर्णांक : 100

मुख्य परीक्षा : 80

आंतरिक मूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

इकाई - 1

(निवंध)

1. महात्मा गांधी
 2. विनोद भावे
 3. आचार्य नरेन्द्रदेव
- सत्य और अहिंसा
 - ग्रामसेवा
 - युवकों का समाज में रथान

इकाई - 2

(निवंध)

1. वारुदेवशरण अग्रवाल
 2. भगवतशरण उपाध्याय
 3. हरि ठाकुर
- गातृभूमि
 - हिमालय की व्युत्पत्ति
 - डॉ. खूबचंद वधेल

इकाई - 3

हिंदी भाषा और उसके विविध रूप— कार्यालयीन भाषा, गीड़िया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (मशीनी भाषा)

इकाई - 4

अनुवाद—अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया।
हिन्दी की व्यावहारिक कोटियाँ— संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, किया विशेषण,

इकाई - 5

राच्छि, समास एवं संक्षिप्तियाँ।

—00—

अंक विभाजन :

2 दीर्घउत्तरीय/निवंधात्मक प्रश्न

$-2 \times 15 = 30$ अंक (सभी इकाइयों से आंतरिक विकल्प सहित)

5 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन

$-5 \times 6 = 30$ अंक (— 29 — 29 — 29 —)

10 वर्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न

$-10 \times 2 = 20$ अंक (समस्त पाठ्य विषय से विकल्प सहित)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के उस्ताद्दर —

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

AMC

2. डॉ. फूलदास महंत

3. डॉ. विहारी लाल साहू

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

6. डॉ. वेठियार सिंह साहू

7. श्री रामकृष्ण बंजारे

8. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

Rank

100

मीनकेतन प्रधान
30/11/16

10

कि.शासकीय कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
 बी.ए./बी.एस-सी.: चतुर्थ सेमेस्टर - 2015-16 एवं 2016-17
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-सामान्य हिंदी Code UGFIHIN 9004
 अंक योजना पूर्णांक : 100
 मुख्य परीक्षा : 80
 आंतरिक गूल्यांकन : 20

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 पल्लवन, पारिशाधिक शब्दावली
- इकाई- 2 पत्र लेखन(निजी पत्र, व्यावहारिक पत्र, शासकीय पत्र, अर्द्धशासकीय पत्र, आवेदन पत्र)
- इकाई- 3 पर्यायवाची, युग्म-शब्द, शब्द-शुद्धि, उपसर्ग, प्रत्यय, तत्सम, तदभव शब्द, मुहावरे-लोकोवित।
- इकाई- 4 देवनागरी लिपि एवं वर्तनी का मानक रूप, कम्प्यूटर में हिंदी का अनुप्रयोग।
- इकाई- 5 हिंदी अपठित, संक्षेपण।

सहायक पुस्तकें :

- 1. भारतीयता के अमर रखर
- 2. प्रयोजन मूलक हिंदी
- 3. कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग
- 4. हिंदी संक्षिप्त लेखन
- 5. हिंदी शब्द सामर्थ्य
- 6. हिंदी व्याकरण एवं रचना

- डॉ. धनंजय वर्मा
- विनोद गोदरे
- विजय कुमार मल्होत्रा
- रामप्रसाद किचलू
- शिवनारायण चतुर्वेदी
- डॉ. प्रभा बौहार

--0--

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

- 1. डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
- 3. डॉ. बेटियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
- 4. श्री रामकुमार बंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

अनुभोदित

मिशनरी

Uske

27.09.14

BAMM

Ramkumar

विषय विशेषज्ञ :

- 1. डॉ. शील प्रभा मिश्र,
प्राचार्य,
शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरबा
- 2. डॉ. डी.एस.ठाकुर,
प्राध्यापक हिन्दी,
शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

- 1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

- 1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इरपात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14)

- 1. श्री मुरली चौहान M. Chauhan

27/09/14

अंक विभाजन - 04 वीर्य उत्तरीय/जिलेभाग प्रश्न - $4 \times 10 = 40$ अंक
 05 लक्ष्मी उत्तरीय/टिप्पणी - $5 \times 6 = 30$ अंक
 10 वस्तुगित/आनिलतु उत्तरीय - $10 \times 10 = 100$ अंक
 कुल 40 अंक

मिशनरी

पाठ्य विषय :

- इकाई- 1 (निबंध) 1. महात्मा गांधी 2. विनोबा भावे 3. आचार्य नरेन्द्रदेव -सत्य और अहिंसा
 -ग्रामसेवा
 -युवकों का समाज में स्थान
- इकाई- 2 (निबंध) 1. वासुदेवशरण अग्रवाल 2. भगवतशरण उपाध्याय 3. हरिठाकुर -नातृभूमि
 -हिमालय की व्युत्पत्ति
 -डॉ. खूबचंद बघेल

इकाई- 3 हिंदी भाषा और उस के विविध रूप -

~~सर्वज्ञात्मक भाषा, संसार भाषा, सञ्चार भाषा, प्रयोगी भाषा, पातृभाषा, कार्यालयीन भाषा, मीडिया की भाषा, वित्त एवं वाणिज्य की भाषा, तकनीकी भाषा (भौतीकी भाषा)~~

इकाई- 4 अनुवाद- अनुवाद का स्वरूप, परिभाषा, क्षेत्र, प्रक्रिया। हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका। व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।

इकाई- 5 समाचार-~~लेखन (स्पोर्ट्स)~~ हिन्दी की व्यावहारिक कौटियाँ -

~~समाचार के प्रकार, समाचार-लेखन के महत्वपूर्ण अंग, समाचारों के विशेषज्ञ, समाचार एवं उदाहरणों के अभ्यास + संज्ञा, सर्वज्ञान, विक्रोषण, क्रिया विशेषण, संधि विशेषण एवं संश्लिष्टियाँ।~~

सहायक पुस्तकों :

1. हिंदी भाषा और संस्कृति
 2. प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी
 3. अनुवाद कला
 4. हिंदी भाषा
 5. बोलचाल की हिंदी और संचार
- संपा. डॉ. राजेन्द्र मिश्र
 -डॉ. दिनेश गुप्ता
 -डॉ. एन.ई.विश्वनाथ अय्यर
 -महावीर प्रसाद द्विवेदी
 -मधु धवन

—0—

अध्ययन मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान - प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैरागकर आठले - सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य *Usha*
 3. डॉ. वेठियार सिंह साहू - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य *Singh*
 4. श्री रामकुमार वंजारे - अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य *Vangare*

अनुबोधित-

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. शील प्रभा मिश्र,

Shilpa Mishra

प्राचार्य,
शासकीय नवीन महाविद्यालय, पाली, जिला - कोरवा

2. डॉ. डी.एस.ठाकुर,

D.S.Thakur
प्राध्यापक हिन्दी,

शास.बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. राम नारायण पटेल, रीडर, हिंदी विभाग, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली

औद्योगिक / निगम क्षेत्र : 1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) 1. श्री मुरली चौहान *Murali Chauhan* *27/09/14*

अंक विभाग - ०५ दीर्घ उत्तरी / निर्गुण ग्रन्थ $4 \times 10 = 40$

०५ लघु उत्तरी / द्विधारी $5 \times 6 = 30$

१० वस्तुनिष्ठ / अतिलघु उत्तरी $10 \times 1 = 10$

वृत्ति ५० अंक

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021
 एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर-चतुर्थ
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिव में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति-सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगति लील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहम्मंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए विष्व, प्रतीक एवं अभिव्यंजना-रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहम्मंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता वि वजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत कवियों से 03 व्याख्यात्मक, 03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं द्रुत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य-विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अङ्गेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
 बादल को धिरते देखा है, यह तुम थी,
 वह तो था बीमार, नईपौध, कालिदास,
 मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैने दाँतों वाली,
 तो फिर क्या हुआ ?शासन की बंदूक,
 अकाल और उसके बाद।
 अंधेरे में।
2. नागार्जुन
3. गजानन माधव मुकितबोध

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरुणकमल

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

03-व्याख्या	$-3 \times 10 = 30$	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-आलोचनात्मक प्रश्न	$-3 \times 10 = 30$	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-लघूत्तरी प्रश्न	$-3 \times 05 = 15$	(द्रुत पाठ से)
05-वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	$-5 \times 01 = 05$	(समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
2. डॉ. विनय कुमार पाठक
3. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
4. डॉ. वेठियार सिंह साहू
5. श्री राजीव गुप्ता

*Ram Fors
Lenny*

2. डॉ. चित्तरंजन कर

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. सुश्री लक्ष्मणराम कुर्मा

8. श्री नवनीत जगतरामका

*Mangal Singh Chauhan 18/18
Ranu
Vishal
Anil*

संदर्भ ग्रंथ :

1. मानसिंह और प्रगतिशील साहित्य
2. अनुनिक हिंदौ लोकों में दुर्लभता
3. अनुनिक हिंदौ लोकों और लोकों
4. नेपाली साहित्य का नीतदर्शन
5. अंडेय की कविता : एक मूल्यांकन
6. अंडेय वीणा और अंडेय
7. वामा नागार्जुन
8. कविता के नए प्रतिमान

9. धार्यावटोंसे काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि

10. प्रगतिशील काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेताना

11. अंडेय : प्रवृत्ति काव्य : काव्य में प्रवृत्ति

12. दुर्घट कुमार की जगतों का समाजात्मक अध्ययन

13. कवि कुमार अंडेय और गुजितबोध

14. नागार्जुन की कविता : निराला, अंडेय और दृष्टि

15. अंतर्राष्ट्र का पूरा विस्तर : अंडेय में

16. नई कविता : निराला, अंडेय और गुजितबोध

17. रुद्रीन जहाय का लक्षित

18. समकालीन हिंदौ कविता : अंडेय और गुजितबोध के संदर्भ में

19. धूमेत और उसका काव्य-संचरण

20. अनुनिक साहित्य और प्रगतिशील

21. अंडेय-काव्य में प्रगतिशील

22. धूमकेटे धूमित और साठोतारी कविता

23. निराला और गुजितबोध

24. स्वतंत्र सहाय और श्रीकांत वर्मा की कविता

25. गजलकर दुष्टतमुन्नार

26. नागार्जुन के काव्य में जनवादी केतना

रामबेलास शर्मा

डॉ. एस.पस्ता

डॉ. राजेन्द्रगोहन भट्टनागर

गजानन मण्डल मुखियबाट

चंद्रकात बादेवडेकर

लेखांचंद शाह

नरेन्द्र कोहली

नामधार शिंह

कमलाप्रसाद

डॉ. विदा प्रधान

संजय कुमार

डॉ. जगदार मुजावर

डॉ. भरत शिंह

अंजय तिवारी

समाचरक - निर्मला जैन

विदा तिवारी

पुरेण शर्मा

शशि रामी

बहादुर मिश्र

माल्कर मेया

सी.एम.राजन

मीनाली जोशी

नंदिकाशोर नवल

अमिय कुमार साह

जैविनाश कालांडे

स्पाकात आपरे

अनुमोदित
हस्ताक्षर

प्राचार्य

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

प्रसारित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

एम.पी.डि.टी. : सोमेस्टर-वर्तुव
अनिवार्य प्रश्नपत्र-हितीय

पाठ्यचालन काव्यशास्त्र code 914

प्रसारिता :

रचना के बैशिष्ट्य और गूढ़व्योग के उदाहरण के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहर्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवाता की वास्तविक परिष की जा सके। पाठ्यालय काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाठ्यालय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विषेष शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इन प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य-विषय से लाभात्मक प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प रहेंगा।

पाठ्य विषय :

(क)

1. स्तो : काव्य-सिद्धांत।
 2. अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
 3. लोंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
 4. वर्ड्सवर्झ : काव्य-भाषा का सिद्धांत।
 5. कालरिज : कल्पना-सिद्धांत तौर लितित कल्पना।
 6. शैव्य अन्तर्वर्त : अलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
 7. टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वेगवित्तकर्ता का सिद्धांत, वर्जुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
 8. आई.ए.रिचर्ड्स : सामाजिक अर्थ, संवेदनों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।
- (ख)
- (1) सिद्धांत और वाद : आमेजाल्पाद, स्वरूपदत्तावाद, अनियंजनावाद, माक्सर्सवाद, पनोविश्लेषणवाद तथा अतित्त्वावाद।
 - (2) आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियों : संरचनावाद, विख्यानवाद, शैलीविज्ञान, उत्तरार्थाभ्युनिकलतावाद।

— ० —

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

- | | |
|------------------------------------|--|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | - 3 × 20 = 60 (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01) |
| 3 लघुती प्रश्न/टिप्पणी | - 3 × 05 = 15 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वर्तुनिष्ठ / अति लाभात्मक प्रश्न | - 5 × 01 = 05 (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

आध्यात्म प्रश्न के सम्बन्धों के हस्ताक्षर	—	2. डॉ. वित्तरेजन कर
1. डॉ. राजेश तुम्हे	—	4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
3. डॉ. विनय कुमार पाठक	—	6. सुशी लक्ष्मणराव कुरु
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे	—	8. श्री नवनीत जगतरामका
7. डॉ. गंडियार सिंह साह	—	—
9. श्री राजीव गुरुता	—	—



५८८

संदर्भ ग्रंथ :

1. पारचात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
2. साहित्य समीक्षा के पारचात्य मानदंड
3. पारचात्य साहित्य वित्तन
4. पारचात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक मिमर्श
6. दीरिदा विखड़न की जैद्वातिकी
7. शीलीविज्ञान और सर्वकावाद
8. शीलीविज्ञान
9. पारचात्य काव्य चित्तन
10. साहित्य सिद्धांत
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत
12. पारचात्य काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु
14. पारचात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद
15. सौंदर्यवेदशास्त्र
16. पारचात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ
17. पारचात्य काव्य चित्तन
18. पारचात्य काव्यशास्त्र

अध्ययन—मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश ठुबे,

प्राचार्य

शास्त्रवीन महाविद्यालय एरोड, शियपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष मापा विज्ञान

पै. रविशंकर शुक्ल विजि. शियपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाटक,

पूर्व विभागाध्यक्ष—हिन्दी, अव्याक्ष—छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, शियपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीनकेतन प्रधान—प्राच्यापके एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अव्याक्ष

2. डॉ. (श्रीमती) ख्वान्द चौधे—साहित्यक प्राच्यापके हिन्दी : सदस्य

3. सुशी लक्ष्मेश्वरी कुरु—सहायक प्राच्यापके हिन्दी : सदस्य

4. डॉ. बेहियार जित शाह—अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

ओद्योगिक / नियम हीन :

1. श्री नवगीत जगतरामका,

प्रधान समादक इस्पत टाइम्स, शियपुर

मृतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश शियपुर

अनुगोदित
हस्ताक्षर

२०१५

अनुगोदित
हस्ताक्षर

प्रश्नावली :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस पुस्तक में इलेक्ट्रॉनिक गोडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन गोडियों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य-शब्द माध्यमों से संबंधित विद्याओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारप्रक है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूतरी/टिप्पणी लेजन के प्रश्नों में आतंरिक विकल्प विद्यार्थित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 चर्चानिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न किए जाते हैं।

पाठ्य विषय :

(अ) गोडिया लेखन : जनसंचार : प्रौद्योगिकी और उन्नीतियों।

2. विभिन्न जनसंचार भायामों का स्वरूप : मुद्रण, शब्द, दृश्य-शब्द, इंटरनेट।
3. शब्द भायाम (लेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, लेडियो नाटक, उद्धोषणा-लेखन, विज्ञापन-लेखन, कीचर तथा रिपोर्टेज वाचन, लेडियो नाटक, उद्धोषणा-लेखन एवं लेडियो) : दृश्य भायामों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं शब्द सामग्री का सामाजिक, पारम्पर्य वाचन (वोयस ऑफ़) पटकथा लेखन, टेली भ्रामा, सावाद-लेखन, साहित्य की विद्याओं का दृश्य भायामों में लघूतर विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी काम्प्लिंग : 1. कम्प्यूटर : परिचय, लूपरेखा, उपयोग-क्षेत्र

2. इंटरनेट एवं वेब बल्ड ग्राइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटर्सेप।
4. लिंक, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के लोकनाम, हिंदी साप्टवेयर फ़ैक्जेस।
6. एन.एस.जे.डी., फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मूल्यांकिता, ई-कॉमर्स का सामाजिक परिचय।

7. इंटरनेट : सामग्री-सूचना।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार : 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ।

2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. नवीनी अनुवाद।

—0—

चुन अंक 80

अंक विभाजन :	$-3 \times 20 = 60$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 अलोचनालक प्रश्न	$-3 \times 05 = 15$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूतरी प्रश्न/टिप्पणी	$-5 \times 01 = 05$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ / अंति लघूतरी प्रश्न	$-5 \times 01 = 05$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन भूमिका के सदस्यों के हस्ताक्षर	2. डॉ. वित्तराजन कर
1. डॉ. राजेश दुवे	4. डॉ. मीनकोरन प्रधान मीनकोरन
2. डॉ. विनय कुमार पाठक	6. सुनील क्षेत्रस्थानी कुरौ
3. डॉ. (श्रीमती) स्वीन चौधे	8. श्री नवनीत जगतरामका
4. डॉ. बैठियार सिंह साह	
5. श्री राजीव गुप्ता	
6. श्री राजीव गुप्ता	
संदर्भ पृष्ठ :	

2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग : विष्णु राजगद्विया
 3. हिंदी पत्रकालिन एवं जनसम्पर्क : डॉ. टी.डी.एस.आलोक
 4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल शाहौदे
 5. इंटरनेट और है मेल : हेमत कुमार गोयल
 6. कम्प्यूटर कम्प्यूटर कोर्स : कपिलदेव सप्तर्णा
 7. हिंदी लेखन : सुमित मोहन

8. प्रयोजनमूलक हिंदी : बी. विनोद गातरे
 9. मीडियाकालीन हिंदी : चबूल और संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चहोण
 10. फोटो लेखन : स्वरूप और विष्ट्य : डॉ. मनोहर प्रभाकर
 11. रेडियो नाटक की कला : सिद्धनाथ कुमार
 12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी : डॉ. अमरसिंह वधान
 13. कम्प्यूटर और हिंदी : डॉ. हरिमोहन
 14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक : डॉ. रामनारायण पटेल
 15. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. सुलीश पवारी
 16. नए जनसंचार भाष्यम और हिंदी : डॉ. यू.सी.गुरुदा
 17. इंटरनेट भीड़िया और सूर्यना प्रौद्योगिकी : डॉ. उमेष मिश्र
 18. दूरध्वधन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण : डॉ. अर्जुन तिवारी
 19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. नीरज नाथव
 20. रेडियो का कलात्मक : विश्वनाथ पाण्डेय
 21. सम्बोधन और रेडियो शिल्प : विनयभूषण
 22. 1000 कम्प्यूटर-इंटरनेट प्रश्नोत्तरी : विमा गुप्ता
 23. अनुवाद के भाविक पक्ष : डॉ. महराजरकर
 24. अनुवाद क्या है? : राजमत छोरा
 25. अनुवाद क्या है? : रीताराजी पालीबाल
 26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य : डॉ. आरसु
 27. शाहित्यनुवाद : संखात और संदेशना : डॉ. चम्पकला चबूलना
 28. लिप्ततरण : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. लालपन्दु
 29. अज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. लालपन्दु

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विष्य विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य

शास-नवीन महाविद्यालय खरोला, चापुर (छ.ग.)

2. डॉ. चितररंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प्र. रविशकर शुक्ल विवि. चापुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्ययन-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, चापुर

विभागीय सदस्य :
 1. डॉ. गीनकोनन प्रशान-प्राच्याध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्ययन
 2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राच्याध्यक्ष हिन्दी : सदस्य
 3. शुभी लक्ष्मणी कुर्स-सहायक प्राच्याध्यक्ष हिन्दी : सदस्य
 4. डॉ. वैतियार सिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
 और्ध्वाधिक / निपाम कीत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, चापुर

चूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी-सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धुहुरडेरा चापुर

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-
-
-

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-
-
-

-
-
-

प्रसापित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

एम. ए. हिंदी : सोमेस्टर-चतुर्थ

अधिवार्य प्रश्नपत्र-चतुर्थ
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य code 916

प्रसापना :

हिंदी साहित्य भाषा खड़ी बोली तक शीमित नहीं है। उसकी अनेक लिंगायाँ में आज भी पर्याप्त साहित्य-सैजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् उत्थयन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास हो सकता है। इस प्रश्नपत्र में जमात पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघुतंत्री/टिप्पणी तथेज्ञन के प्रश्नों भी आंतरिक विकल्प निर्वाचित हैं। सामात पाठ्य-विषय से 05 वर्गनिष्ठ/अतिलघूतंत्री प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

ज्ञान - ग. छत्तीसगढ़ी भाषा

1. छत्तीसगढ़ का नामकरण।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा : उद्भव, विकास एवं प्रसंग।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का भौगोलिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपव्योलियाँ एवं उनका वर्णिकण।
5. छत्तीसगढ़ी का मानक ल्याकरण एवं शब्दकोश।

ज्ञान - ५. छत्तीसगढ़ी साहित्य

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य : उदयव, विकास एवं प्रतिवर्धी-पद्ध साहित्य- युताक काव्य/गीत, खण्ड काव्य, नाटकाक्या, नई कविता। गद्य साहित्य- कहानी, उपन्यास, निवास, नाटक, एकांकी, आलोचना, संस्करण,
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की विविध विधाएँ-
लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकनाथा, लोकसंगीत, लोक सुनापित, हाना।

अंक विभाजन :

अंक विभाजन :	कुल अंक 80
3 आलोचनात्मक प्रश्न	$-3 \times 20 = 60$ (समाप्त संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघुतंत्री प्रश्न/टिप्पणी	$-3 \times 05 = 15$ (समाप्त संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वर्गनिष्ठ / अति लघुतंत्री प्रश्न	$-5 \times 01 = 05$ (समाप्त संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन भाष्यक के सरस्वतों के उत्तराकर -
1.डॉ. राजेश दुर्घे - 2.डॉ. वित्तरंजन कर
3.डॉ. विनय कुमार पाठक - 4.डॉ. मीनकेन ध्रुवीलालप्रसाद याज्ञवल्क्य
5.डॉ.(श्रीमती)रवीन्द्र धोवे - 6.सुशी लक्ष्मेश्वरी कुर्मा
7.डॉ. वेदियार सिंह साह - 8.श्री नवनीत जगतरामका -
9.श्री राजीव गुप्ता

संदर्भ योग्य :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्दिष्टिका

डॉ. विहारीलाल साह
डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी, हल्ली, मतरी भाषाओं का

: भाजचन्द्र राव तेलंगा

भौजानिक अध्ययन

4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा

: नंदकिशोर तिवारी

5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश

: हीरतलाल शुक्ल

6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा

: डॉ. एषा शर्मा

7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश

: डॉ. लक्ष्मीराम महरोज़ा

8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी

: डॉ. तुषीर शर्मा

9. छत्तीसगढ़ का भूगोल

: डॉ. किरण गजपाल

10. नगनक छत्तीसगढ़ी व्याकरण

: डॉ. चंद्रलाल चंद्रलाल

11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं संग्रहालय

: डॉ. चंद्रलाल आठले

12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी

: डॉ. वित्तरंजन कर

13. छत्तीसगढ़ी : औद्योगिक के परिप्रेक्ष्य

: डॉ. वित्तरंजन साहू

14. छत्तीसगढ़ी गोडी व्याकरण और कोश

: डॉ. कतिकुमार

15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा

: डॉ. व्यासनरायण दुबे

16. प्राचीन छत्तीसगढ़ी

: डॉ. वित्तरंजन गुरु

17. छत्तीसगढ़ी पहेलियाँ

: सपा - समशांकुर महरोज़ा एवं चित्तरंजन कर

18. छत्तीसगढ़ी मुहिवरा कोश

: डॉ. वित्तरंजन साहू

19. ग्रन्थिकारे और छत्तीसगढ़ी संस्कृति

: डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा

20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं प्रस्तुति

: डॉ. शंकर शंकर

21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन

: डॉ. विनेश कुमार पाठक

22. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन

: डॉ. विनेश कुमार पाठक

23. छत्तीसगढ़ी को व्याकरणिक कोटियों

: डॉ. विनेश कुमार पाठक

24. छत्तीसगढ़ी साहित्य के सम्बन्धि हस्ताक्षर

: डॉ. मंजु शर्मा

25. शीसमी रहाती का छत्तीसगढ़ी साहित्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. राजेश दुवे,

प्राचार्ण

शास्त्रज्ञन महाविद्यालय खरोसा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

एवं विशेषज्ञक शुखल विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति दाया नामांकित :

1. डॉ. विनेश कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अव्याख्या-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मोकेतन प्रधान-प्राव्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अव्याख्या

-

2. डॉ. (श्रीमती) रखीन्द्र चौधे-सहायक प्राव्यापक हिन्दी

-

3. श्री लक्ष्मेश्वरी कुर्स-सहायक प्राव्यापक हिन्दी

-

4. डॉ. वेनियर सिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी

-

ओपोगिक / नियम सेवा :

1. श्री नवनीत जापतरामका,

प्रधान रायपुरक इस्पात टाइम्स रायपुर

2. श्री राजेश गुरु, भजुरखेड़ा रायपुर

पूर्वपूर्व विभागीय (नानाकोत्तर हिन्दी) संघ 2014-15) :

सदस्य

प्रसापन

प्रस्तावना - इस प्रस्तुति की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता हेतु विद्यार्थी को द्वितीय सेमेस्टर में 60-प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार विभाग की गणराज्यी के किसी एक विषय पर शास्त्रार्थी को शोध निर्देशक के नामदर्तीन में गौलिक रूप से लगभग 100 पृष्ठों का लघु शोध-प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित/टॅक्टिक प्रतियोगी तरफ सेमेस्टर परीक्षा के चर्चे प्रस्तुतपत्र के द्वितीय तक परीक्षणार्थ विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। जातिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध-प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदृष्ट अंकों को पृष्ठक-पृष्ठक जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

जोड़ा जाना प्रस्तुतिपृष्ठ है।
लघु शोध प्रवंध के आंतरिक मूल्यांकन/भीमनार/भीखिनी हेतु विभाग द्वारा निर्धारित नियमों में परीक्षणी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध-प्रवंध प्रस्तुति के लिए निमानुसार अंकनियत्वात् है—

અંક વિદ્યાર્થી

आंतरिक स्त्रियोंकन परिषदा	10
सेमिनार	10
वाह्य एरियाल	40
आंतरिक परीक्षक	40

अध्ययन-गंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर विषय विरोधज्ञः १०८

विष्णु विशेषज्ञ

- 2. डॉ. विजयराजन कर**
सास-नवीन महाविद्यालय खोरेश, रायपुर (छ.ग.)
पूर्व बिहारीजयन भाषा विज्ञान
पूर्व निष्ठान संगठन लेखी रायपुर (छ.ग.)

१. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विमानाध्ययन-हिन्दी, अंग्रेज़-हिन्दी संस्कृती संसदी
उच्चारण संस्कृत एवं हिन्दी
उच्चारण संस्कृत एवं हिन्दी

विभागीय सदस्य :	
1. डॉ. मीनकरतन प्रधान-प्रधायापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अव्याख्या	: सदस्य
2. डॉ. (श्रीमती) ख्यान्त चौधे-सहायक प्रधायापक हिन्दी : सदस्य	: सदस्य
3. मुख्य लोकेश्वरी कुर्स-सहायक प्रधायापक हिन्दी : सदस्य	: सदस्य

બોર્ડાનું / ૧૦૧

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धृत्युलारंडेश रायगढ़

四

ଅନୁଷ୍ଠାନିକ

ଅନୁଷ୍ଠାନିକ

परस्तावना :-
परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पठनयक्षमता किसी एक विषय/अशं विशेष पर लगभग 20 एडों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, कृत्रिम-कार्य संप्रग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर नेचित आलोचना की स्वरूप हस्त लिखित प्रति विभाग

इस निर्धारित लिख में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। शोधार्थी का मौलिक दृष्टिकोण अपेक्षित है। निर्धारित लिख

1. रायगढ़ जिते के साहित्यकारों में साक्षात्कार।
 2. जिते के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधप्रयोग लेख।
 3. इंटरनेट—माध्यम से किसी एक साहित्यिक वर्ग का विशेषण।
 4. किसी फिल्म/ रोड्यो नाटक/ दी बी धारावाहिक/ वृत्तनित्र के लिए।
 5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/ हिंदी/ जडिया का प्रारस्थिति अनुवाद।
 6. छत्तीसगढ़ के सदर्में में लापग 25 विज्ञापन तैयार करना।

वाद / वात

९. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
 १०. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी जाहिर्य का इतिहास।
 ११. छत्तीसगढ़ी जाहिर्य के विशेष रचनाकार।

12. सदनात् सामाजिक एवं प्रासादीक अन्य विषय (विभागीय संस्थानों से) अंक विभाजन : कुल अंक - 50, शोध आलेख - 30 अंक एवं मौखिकी : 20 अंक अध्ययन-गड्ढत के सदस्यों के हस्ताक्षर :

प्राचार्य राष्ट्रेश

शासनवान महाविद्यालय खरोण, रायपुर (छ.ग.)

पूर्व विभागाध्यक्ष माधा विज्ञान
प. रविशंकर शुक्ल विदि. रायगढ़ (छग)

पूर्व तिनांगाष्ट्रयन्-हिन्दो, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
च.ग.शासन, रायपुर

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्रध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी	: अध्ययन
2. डॉ. (श्रीमती) रघुनंद चौधे-साहप्रक प्राध्यापक हिन्दी	: सदस्य
3. मुखी लक्ष्मण शर्मा कुहरे-साहप्रक प्राध्यापक हिन्दी	: सदस्य
4. डॉ. बैठियार सिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी	: सदस्य

प्रधान सम्पादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़
मृतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी), सत्र 20
श्री राजेश पाण्डा, धनहारड़े, श्रीगंगाव

4-15) : सदस्य

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
 सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
 पाठ्क्रम : हिंदी साहित्य
 एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				योग
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास(सन् 1857 ई. से आज तक)	80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	प्रेमाख्यानक काव्य एवं रीतिकाव्य	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	हिंदी भाषा	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य		50	18		50
				कुल			450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

मीमांसा
विभागाध्यक्ष – हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रन्थ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग

36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन—मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी,
शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जॉजगीर—चांपा

अनुमोदित
हस्ताक्षर

GD

GD

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

प्रधान

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राध्यापक—हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य

— Usha
— Bethiyar
— Ramkumar

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

—

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता
धनुवारडेरा रायगढ़

: सदस्य

—

RD

V

एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर द्वितीय
अनिवार्य प्रश्न पत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) Code - 905

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांख्यिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक और लिमिन गोलियों का स्थान खड़ी गोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्थानीता आदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलीय विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

- पाठ्य विषय :**
1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांख्यिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजकानी और पुनर्जीविरण।
 2. भारतोन्द युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 3. हिंदौ युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छतावादी चेतना का अधिगम विकास : छायावादी काव्य – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 5. उत्तर छायावाद : विकिष्प प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तराध्यानिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दालित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्टर्ज आदि।
 7. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
 8. उर्दू साहित्य का सिक्षित इतिहास।
 9. जङ्गिया साहित्य का सिक्षित इतिहास।
 10. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशातर में हिंदी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

—00—

- | | |
|-----------------------------------|--|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | $3 \times 20 = 60$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 3 लघुत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी लेखन | $3 \times 5 = 15$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वर्सुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न | $5 \times 1 = 05$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

- अध्ययन भाष्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –
- | | |
|------------------------|-------------------------|
| 1. डॉ. एम. ठाकुर | 2. डॉ. फूलदास महत |
| 3 डॉ. बिहसी लाल साहू | 4 डॉ. मीनकेतन प्रधान |
| 5 डॉ. उषा देवगकर आठले | 6 डॉ. बेतियार सिंह साहू |
| 7 श्री रामचुमार बंजारे | 8 श्री नवनीत जगतरामका |
| 9 श्री राजीव गुरुा | |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
2. दूसरी परम्परा की जोड़ : नामवर सिंह
3. आयावाद एवं अन्य निषेध : सपादक - सतीश चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका : लक्ष्मीसाहार चार्णोदय
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का अधिकाल : श्रीनारायण चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार : डॉ. जेकब पी. जोर्ज
7. छायाचादात्तर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. कमलप्रसाद
8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुशीश पांचाल
9. उद्दे शाहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : ग्री. सेयट एंडेशान हुसेन
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. वापरात्र देसाई
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना : डॉ. विद्या प्रधान
12. देविदाता : विख्यातन की सैद्धतिकी : सुशीश पांचाल
13. हिंदी आलोचना का विकास : नदिकिशोर नवल
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
15. ओडिया साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. पूर्णिमा केडिया
16. दलित साहित्य का सौदर्यशाल : ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
19. हिंदी साहित्य : शीर्षकी शताव्दी : डॉ. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद : डॉ. भास्कर भेदा
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य : समा शर्मा
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ : डॉ. कलणा उमरे
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ : डॉ. संजय नवले
24. दलित साहित्य : विविध आयाम : डॉ. सुनीता साहरे
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ : डॉ. रेणुका मोरे

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. गाकुर,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शासांविलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फृलदास महंत,

सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जैजगढ़ी-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

संखा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अच्युत

2. डॉ. उषा देवरामकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बेटियार शिंह साहू-अंतिष्ठ व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे-अंतिष्ठ व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

ओद्योगिक / निपाम हस्त्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी सत्र 2013-14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारड़ेरा, रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

-

-

-

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. प. हिंदी : सेमेस्टर-हितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र हितीय
प्रेमाल्यानक काव्य और शीतिकाव्य code - ९०६

प्रस्तावना :

पूर्वभ्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति गो सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरभ्यकालीन काव्य (शीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभियोजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और गुण की धड़कनों को सम्प्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीनों काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दूसरे पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / दिप्णी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वर्सुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पदमावत – (पदमावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
2. घनानंद : घनानंद चयनिका
सम्पादक – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)
3. विहारी : विहारी सार्वशती
सम्पादक – ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

दूसरे पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पदमाकर

—00—

कुल अंक 80

- | | | |
|--------------|--|--|
| अंक विभाजन : | 3 व्याख्यात्मक प्रश्न | $-3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| | 2 आलोचनात्मक प्रश्न | $-2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| | 3 लघूत्तरी प्रश्न / दिप्णी लेखन-3 × 5 = 15 | (प्रश्न पत्र में निर्धारित दूसरे पाठ से) |
| | 5 वर्सुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न-5 × 1 = 05 | (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| 1. डॉ. एस. गाफुर | 2. डॉ. फूलदास महत |
| 3. डॉ. विहारी लाल साहू | 4. डॉ. मीनकेतन प्रधान |
| 5. डॉ. उषा वैरागकर आठले | 6. डॉ. बंडेश्वर सिंह साहू |
| 7. श्री रामकुमार बंजारे | 8. श्री नवनीत जगतरामका |
| 9. श्री राजीव गुप्ता | |

एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर-हिंदीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा Code - ९०७

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विसार भाविक स्वरूप, विविधप्रता तथा हिंदी में कार्यसूटर-सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य-विषय से अलोचनात्मक / लघूतरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूतरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ –

वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत – उनकी विशेषताएँ।

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ –

पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपमांश – उनकी विशेषताएँ।

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ – वर्णकरण।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :

हिंदी की जगमापारे –

पाइचमी हिंदी, पूर्णी हिंदी, राजस्थानी विहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

खड़ी बोली, ब्रज, अवधी – उनकी विशेषताएँ।

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप :

हिंदी शब्द-रचना –

उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।

हिंदी रूप-रचना –

लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

हिंदी वाक्य-रचना –

पदक्रम और अन्यति।

4. हिंदी के विविध रूप-

सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा।

हिंदी की सामाजिक विधि।

कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :

प्रमुख प्रकार – प्रारूपण, टिप्पण, पत्र-लेखन, सहेपण, पत्तलवन।

5. देवनागरी लिपि :

बुद्धिति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

— ०० —

कुल अंक ४०

अंक विभाजन :	
०३ आलोचनात्मक प्रश्न	— $3 \times 10 = 60$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
०३ लघूतरी प्रश्न	— $3 \times 5 = 15$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
०५ वस्तुनिष्ठ प्रश्न	— $5 \times 1 = 05$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

— 

2. डॉ. फूलदास महंत

— 

4 ज्ञ. मीनकेतन प्रधान

— 

6 डॉ. बैठेयर सिंह साह

— 

8 श्री नवनीत जगतरामका

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

— 

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की साधि-संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी संज्ञा-संरचना और लेखन : डॉ. प्रेमि सोहनी
3. भास्त्रीय आर्यभाषा और हिंदी : मुनीतिकुमार चाटुजर्या
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान : महवीरसरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप : डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिंदी भाषा-संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. भलानाथ तिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वादियोज
10. भास्त्रीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दानुशासन : प. किशोरीदास बाजपेयी
13. अप्रसंग के योग : नामवर सिंह
14. भाषा और प्राचीनोगीकी : डॉ. विनोद प्रसाद
15. भाषा और व्यवहार : ब्रजमेहन
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार
17. हिंदी की मानक चर्तीनी : कैलाशचंद्र भाटिया
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप : कैलाशचंद्र भाटिया
19. भाषा वित्तन के नए आयाम : डॉ. रामकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमांसा : काशीराम शर्मा
21. वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतीमान: बद्रीनाथ कपूर
22. हिंदी का शैरियक परिदृश्य : डॉ. पंडित बने

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. गढ़वा,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महेंद्र,

सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जैजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेन ध्रुवन-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहयक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बैठियर सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामपुरान बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

ओरोगिक / निगम द्वारा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात लाइभ्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,

धनुहरडेरा रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-

-

-

-

V

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-हितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र – चतुर्थ

आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी Code - 908

प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट क्योंकि इसमें किसी भी के विरुद्ध या सीमित फलांक पर धृष्टि होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आधिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति-समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से अंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दुत पाठ से विकल्प युक्त लघुतरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य-विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघुतरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान  : प्रेमचंद

2. पुनर्जन्म : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :

1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरा'
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. वापसी : उषा प्रियदा

दुत पाठ :

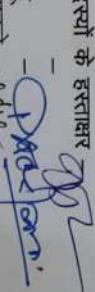
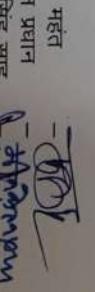
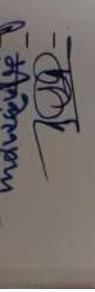
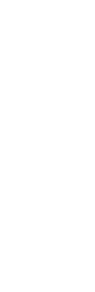
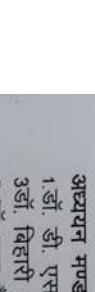
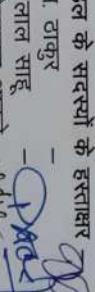
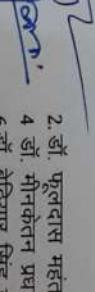
उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, मनू भंडारी ।
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्ण सोबती, अमरकांत ।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 03 व्याख्या — $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02 आलोचनात्मक प्रश्न — $2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03 लघुतरी प्रश्न — $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित दुत पाठ से)
05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुतरी प्रश्न— $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन मार्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. ई. स. ठाकुर  2. डॉ. फूलदास महंत 
3. डॉ. बिहारी लाल साहू  4. डॉ. मीनकेतन प्रधान 
5. डॉ. उषा वेंगकर आठले  6. डॉ. वेणियार सिंह साहू 
7. श्री रामकुमार बंजारे  8. श्री नवनीत जगतरामका 

सदर्म ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
 2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन : शमूनाथ
 3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
 4. प्रेमचंद : सपादक - सत्येन्द्र
 5. प्रेमचंद के उपचाताओं में व्याख्यातेः : जर्मिला सिन्हा
 6. आद्यविष्व और गोदान : कृष्णमुरारी निश
 7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद : सत्यकाम
 8. पुनर्नवा और लोकजीवन : सुरेन्द्रप्रताप यादव
 9. आचार्य हजारीप्रसाद हिंदौ की : विद्यवासिनीनन्दन पाण्डेय
 10. आचार्य हजारीप्रसाद हिंदौ के : डॉ. अरुण कुलकर्णी
 11. हिंदौ उपन्यास : संस्कृत और इतिहास : मधुरेण
 12. आचुनिकता और हिंदौ उपन्यास : इदनाथ मदान
-

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. गाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदौ,

शास. बिलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फृलदास महेत,

सास. महाविद्यालय, जैजुपुर, जिला जौंगपीर-चांपा।

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

Dr. Bihari Lal Sahu

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकरेन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दौ : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वेरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दौ : सदस्य

3. डॉ. बीतेयार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दौ : सदस्य

4. श्री रामकुमार बाजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दौ : सदस्य

ओर्डोरिक / नियम सेव :

1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मृत्युपूर्व निवारणी (स्नातकोत्तर हिन्दौ, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुटा, धनुहारडेरा रायगढ़

अनुमोदित

- Dr. Bihari Lal Sahu -

Dr. Bihari Lal Sahu

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवृत्ति पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शाष्ट्र आलेख प्रस्तुत करना होगा। शिवार्थी को शाष्ट्र-निर्देशक के मानदण्डन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

विवरिति विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी-विमर्श
3. सातोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर अधिनिक हिंदी आलोचना / समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा-शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता

11. अन्य विषय : संर्वात सामाजिक एवं प्रासादिक (विभागीय संस्कृति से)

—0—

शोष आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)

मार्गिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. डी. एस. गारुद,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,

2. डॉ. पूर्णदास महंत,

शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

—  —

अनुमोदित
हस्ताक्षर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहरी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किलोमीटर कालोनी, रायगढ़



विभागीय सदस्यः

1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान–प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. ज्योति वैरागकर आठले–सहायक प्राच्यापक–हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. जीतेन्द्र पर्सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य

औचोरिक/निगम सीत्रः

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूल्यपूर्व विद्यार्थी (न्यातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारड़े रायगढ़

: सदस्य

—



प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम.ए.हिंदी सेमेस्टर-प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) Code 901

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिध्वनित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।
पाठ्य विषय : इतिहास-दर्शन एवं साहित्येतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का बिन्दु।
4. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
7. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
8. पूर्व मध्यकाल (भवित्काल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भवित आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भवित्कालीन गद्य साहित्य।
9. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ, सूफी कानू में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्व।
10. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।
11. आदिकाल एवं रीतिकाल की महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।

— 00 —

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

३ आलोचनात्मक प्रश्न	-	$10 \times 3 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
३ लघूत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी	-	$3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
५ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न	-	$5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर	-	2. डॉ. फूलदास महंत	-
3 डॉ. बिहारी लाल साहू	-	4 डॉ. मीनकेतन प्रधान	-
5 डॉ. उषा वैरागकर आठले	-	6 डॉ. वेठियार सिंह साहू	-
7 श्री रामकुमार बंजारे	-	8 श्री नवनीत जगतरामका	-
9 श्री राजीव गुप्ता	-		

संदर्भ यथा :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हिंदी साहित्य का इतिहास
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
4. हिंदी साहित्य की भूमिका
5. हिंदी साहित्य का अन्तिमानक इतिहास
6. हिंदी साहित्य का इतिहास
7. हिंदी साहित्य का इतिहास
8. भारतीय साहित्य
9. भारतीय साहित्य
10. भारतीय साहित्य : स्थ्यापनार्थ और प्रस्तावनार्थ
11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था
12. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
13. हिंदी शीति साहित्य
14. हिंदी साहित्य के विषयस की अपेक्षा
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल
16. साहित्य और इतिहास-टूटि
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं बीसलदेव रास
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्जेखन की समस्याएँ
19. इतिहास दरेन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सात्कृतिक पीढ़ीका
21. साहित्यित्वात्मक दृष्टि
22. भारतीय साहित्य
23. साहित्यित्वात्मक को दृष्टि-ग्रीष्मांशा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :
1. डॉ. डॉ. एस. शक्ति,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

यास्सिलात्सा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास्त्र-महाविद्यालय, जैनपुर, जिला- जैनगढ़-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहरी लाल शाहू, 17. किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेनन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. ज्योतिष रायगकर आठने-सहायक प्राच्यापक- हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बेटियार मिह साहू-अतिथि व्याख्याता- हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकृष्णर चंडारे-अतिथि व्याख्याता- हिंदी : सदस्य

औदोगिक / नियम दौड़ :

1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संघादक - इस्तात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता धनुषारडेश रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

डॉ. शंखराम शिंह
डॉ. रामकृष्णर रामा
डॉ. सुमन राजे
डॉ. चातक

संपादक - डॉ. नोन्द गोद
के सचिवादान्त
डॉ. आरसु

रामबिलास शर्मा
डॉ. भग्नरथ मिश्र

रामजगद द्विवेदी
मैनेजर पाठ्यपद्धति

डॉ. मीनकेनन प्रधान
संपादक - शायम करण्य
योगेन्द्र प्रताप मिह
डॉ. रामराम लिपानी

डॉ. कंचन यादव
डॉ. बजकिशोरप्रसाद मिह
डॉ. वेदप्रकाश

आचार्य रामचंद्र गुप्तल
संपादक - डॉ. नगेन्द्र
डॉ. वल्लन मिह
डॉ. हजारीप्रसाद द्विवेदी

प्रस्तावना : **Code 902**

हिंदी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भावितकालीन काव्य का साहित्येत्तिहास में विशेष महत्त्व रहा है। भीनतिकाल लोक-जागरण और लोकगांगल का नवीन स्तर लेकर आया। इसने भारत की भावनालक एकता और लोकसृष्टिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीन काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प युक्त व्याख्यालक एवं आलोचनालक प्रश्न किये जायेंगे। हुत पाठ से विकल्प युक्त लघूतरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के सूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघूतरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. कवीर : संपादक - डॉ. कांति कुमार जैन (सम्पूर्ण)
2. उल्लसीदास : समचरित मानस (हुंदर काण्ड के प्रारम्भिक 50 दोहे और चौपाईयाँ)
3. सूरदास : ब्रह्मराति सार - संपादक - आवार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)

हुत पाठ के कवि : विद्यापति, मीराबाई, दादूदयाल, रैदास, रहीम

उंडक विभाजन :

उंडक विभाजन :	कुल अंक 80
3 व्याख्यालक प्रश्न	$-3 \times 10 = 30$ (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
2 आलोचनालक प्रश्न	$-2 \times 15 = 30$ (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)
3 लघूतरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन	$-3 \times 5 = 15$ (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित हुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूतरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)	00

संदर्भ ग्रंथ :

1. सूरदास
2. भक्ति आदोलन और सूरदास का काव्य
3. सूर सहित्य
4. महाकाव्य सूरदास
5. कवीर तेरे रुप अनोक
6. कवीर की कविता
7. कवीर गीमांसा
8. कवीर गीमांसा
9. कवीर गीमांसा
10. रामराजित में रसिक सम्प्रदाय
11. उल्लसी मंजरी
12. उल्लसी मंजरी
- अध्ययन नमूदल के सदस्यों के हस्ताक्षर -
1. डॉ. एस. गाफुर -
2. डॉ. फूलदास महांते -
3. डॉ. विहरी लाल साहू -
4. डॉ. मीनकर्तन प्रधान -
5. डॉ. उषा बैरागकर आठवें -
6. डॉ. बेठियार सिंह साहू -
7. श्री रामकृष्ण पात्र -
8. श्री नवनीत जगतरामका -
9. श्री राजाक गुप्ता -

- अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हरण विषय विशेषज्ञ :**

 1. डॉ. डी. एस. लाल्हुर, प्राच्यापक एवं विमानाध्यक्ष-हिर्दय शास्त्रिलाभ कन्या स्नातकोत्ता
 2. डॉ. फूलदास महंत, सहा. प्राच्यापक/प्रमाणी प्राचार्य शास्त्र महाविद्यालय, जैनपुर, जि. कुलपति ब्राह्म नामांकित :
 1. डॉ. विहारी लाल साहू सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17, किरोडी विमानाध्यक्ष सदस्य :
 1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान-प्राच्यापक
 2. डॉ. उषा वैशाखकर आठते-सहा
 3. डॉ. बेहियार सिंह साहू-अतिथि
 4. श्री रामकृष्ण बंजारे-अतिथि व्याधोगिक / लिगम क्षेत्र :
 1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक- इरपात टाइम्स 15. रामचरित मानस का हुलनालक अध्ययन 16. कवीर, शूरु तुलसी 17. विद्यापति के गीत 18. भक्ति काव्य-यात्रा 19. रहस्यवाद 20. सत् साहित्य और लोकमान्गल 21. रामचरितमानस : पाठ, लीला, चित्र 22. तुलसीदास 23. अकथ कहानी प्रेम की 24. रामचरित यानस 25. रामचरित मानस में चरित्र-सुदि

अनुमोदित

-
30

-
-
-

Digitized by srujanika@gmail.com

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

२. डॉ. फुलदास महेत, स्नातकात्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर जि

तिं द्वारा नामाकितः ३। ३०२-१८—पाँ

१. डॉ. विहारी लाल साहू

तीय सदस्य :

२. डॉ. उषा वैसागकर आठले—सहायक प्राज्ञानिक हिन्दी : अध्यात्म

3. डॉ. बैठियार सिंह साह—अतिथि व्याख्याता हिन्दी संस्कृत सदस्य

4. श्री रामकृष्ण—आतीथ व्याख्याता हिन्दी :

1. श्री नवनीत जगतरामका

प्रधान संपादके— इस्पात टाइम्स, रायगढ़

1. श्री राजीव गुप्ता

धनुवारडेंरा रायगढ़

卷五

1

正

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी-सेमेस्टर प्रश्न
आनियार्थ प्रश्नपत्र - दृष्टीय

प्रस्तावना :
साहित्य आन्तरिक एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा - संरचना के निखिल रूपों पर उनके अंतर्संबंधों के विचास को आतोंकित कर न केवल अध्ययन को भाषिक अन्तर्विद्या देता है अपितु भाषा - विषयक विवेचन के लिए भाषावैज्ञानिक विचार का लाभ दृष्टिगोचर होता है। भाषा के साहित्येतर प्रयोजन मूलक रूपों के अध्ययन में भी विकल्प युक्त आतोंकिताम्बक / लघुत्तरीय एवं वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरीय प्रश्न किये जायें।

1. भाषा और भाषाविज्ञान :

- (अ) भाषा - परिमाण, उत्तित के सिद्धांत, विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ।
(ब) भाषा विज्ञान - भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।
अध्ययन की दिशाएँ - वर्तमान, ऐतिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।
2. ध्वनि विज्ञान (स्वन-प्रक्रिया) - ध्वनि विज्ञान का स्वरूप, यद्यु अवधारणा एवं उनके कार्य, ध्वनि के भेद - लवणों का वर्गीकरण, व्यजनों का वर्गीकरण।
ध्वनि परिवर्तन (विवरण) - ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण।
स्वनिम सिद्धांत(ध्वनि ग्राम) - अवधारणा, ध्वनि ग्राम के भेद-खण्डय और खण्डयेतर।
3. पद विज्ञान (लघु विज्ञान) - पद का स्वरूप और आवाहण।
लघु ग्राम (ज्ञापिनी) - लघु ग्राम की अवधारणा।

लघु ग्राम के भेद- 1. प्रयोग के आधार पर- मुक्त, बद्ध, मुक्त-बद्ध 2. रूपना के आधार पर -

- संयुक्त, भिन्नत 3. अधित्व प्रदर्शक एवं संबंधात्म-प्रदर्शक
4. चाहडीकरण - चाहडात्मक, अवधारणात्मक।

4. वाक्य विज्ञान : वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण।
वाक्य संख्या विद्वांत - स्फोटवाद, अतिम अनिवार्यात्मिक, अवधारणावाद।

- वाक्य के भेद- रचना, आपृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।
5. अध्येत्त्रान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोमता,

- अर्थ-परिवर्तन : - अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण ।

अंक विभाजन :

- 02 आलोचनात्मक प्रश्न - $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
03 लघुत्तरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन- $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

- 05 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरी प्रश्न- $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्तांक

1. डॉ. एम. ठाकुर -

2. डॉ. फूलदास मर्ति -

3. डॉ. विहरी लाल साहू -

4. डॉ. मीनकर्तन प्रधान -

5. डॉ. रमेश कर आठारो -

6. डॉ. वेदियार सिंह साहू -

7. श्री रामचूमा बंजारे -

8. श्री नवनीत जगतरामका -

9. श्री राजीव गुप्ता -

संदर्भ ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान
 2. हिंदी शब्दानुशासन
 3. भाषा विज्ञान
 4. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन
 5. भाषा विज्ञान : सेक्षणिक चित्रन
 6. भाषाविज्ञान की भूमिका
 7. भाषा एवं भाषा विज्ञान
 8. आधुनिक भाषा विज्ञान
 9. भाषा विज्ञान की लघुरेखा
 10. भारतीय भाषा विज्ञान
 11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत
- : राजमल वोर
: प. किशोरीदास बाजपेही
: भोलानाथ तिवारी
: डॉ. ब्रजेश्वर चर्मा
: रवीन्द्रनाथ श्रीतारत्न
: देवेन्द्रनाथ शर्मा
: महावीर सरन जैन
: डॉ. राजमणी शर्मा
: डॉ. रविदत्त कौशिक
: प. किशोरीदास बाजपेही
: डॉ. रामकिशोर शर्मा

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. गुरुर
 2. डॉ. फूलदास महेत, भाषाविद्यालय, विलासपुर
सह. प्राच्यापक / प्रमाणी प्राचार्य
 3. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवानिवृत्त प्रधार्य, 17 किलोमीटर कालोनी, रायगढ़
- अनुमोदित**
- हस्ताक्षर**
- कुलपति द्वारा नामांकित :**
1. डॉ. बिहारी लाल साहू
- विधानीय सदस्य :**
- | | |
|---|-----------|
| 1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी | : अध्यक्ष |
| 2. डॉ. उषा देशपांकर आठते-सहायक प्राच्यापक हिन्दी | : सदस्य |
| 3. डॉ. वैदियाल शिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी | : सदस्य |
| 4. श्री रामकृष्णर बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिन्दी औद्योगिक / निगम द्वेरा : | : सदस्य |
| 1. श्री नवनीत जगतरामका, | : सदस्य |
| प्रधान संपादक- इस्पात टाइम्स, रायगढ़ | - |
| भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013-14) : | - |
| 1. श्री राजीव गुप्ता | : सदस्य |
| घुनवारखेड़ा रायगढ़ | - |

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-18
एम.एहीदी सेमीस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रस्तुति चतुर्थ

आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निष्पांग code 904

प्रस्तावना :

नाटक शाहित्य की महत्वपूर्णता बिल्कुल है। यह शब्द एवं दृश्य दोनों लिंगों को समेटे हुए है। धारण करके दृश्य एवं पाठक दोनों को मनोरंगन के साथ-साथ जैविक विलक्षण लिंग भेत्ता प्रदान करते हुए अपने साथ में दृश्य हीने के कारण जीव संगम तो युजा हुआ है जिसे विशेष काव्य के अतिरिक्त ललित कलाएँ तथा कलाकार भिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निष्पांग गद्य का गोदूं तथा शोकेतशाली प्रतिलिप है, जो किसी भी निष्पांगकर की विषयकीक एवं स्वातंत्र्य-भेत्ता का विश्वसनीय प्रतीक्षित है।

इस प्रस्तुति पत्र में समादृत दोनों नाटकों/निष्पांगों से आतंरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यातक प्रस्तुति के दोनों नाटकों/निष्पांगों से आतंरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रस्तुति किए जायेंगे। समूचे पाठ्य-प्रस्तुति के विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ /आतिलघुत्वाती प्रस्तुति किए जा सकते हैं।

पाठ्य विषय :

1. जयरामकर प्रस्तुत
2. माइन राकेश

नाटक :

1. समचंद शुक्ल
2. हजारीप्रसाद दिवेड़ी
3. नंददुलार वाजपेयी
4. हरिशकर परसाहें

हुत पाठ के नाटककार :

- मार्गेन्दु हरिचंद्र, घर्मवीर भाटी, विजु प्रभाकर।
आचार्य महावीरप्रसाद दिवेड़ी, लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुवेन्नाथ राय

निष्पांग :

- | | |
|-------------------|------------------------|
| 1. कविता क्या है? | : चंद्रगुरु |
| 2. शिरोम के छूट | : आपाद का एक दिन |
| 3. निराला | : विकलांग अद्वा का दौर |

हुत पाठ के निष्पांगकार :

- 00 —

अंक विभाजन :

3 व्याख्यात्मक प्रस्तुति	$-3 \times 10 = 30$ (प्रस्तुति पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निष्पांगों से)	कुल अंक 80
2 आलोचनात्मक प्रस्तुति	$-2 \times 15 = 30$ (प्रस्तुति पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निष्पांगों से)	
3 लघुतरी प्रस्तुति/टिप्पणी लेखन- $3 \times 5 = 15$		(प्रस्तुति पत्र में निर्धारित हुत पाठ से)
5 वस्तुनिष्ठ /अति लघुतरी प्रस्तुति प्रस्तुति पत्र- $5 \times 1 = 05$		(प्रस्तुति पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन सम्बन्ध के सदस्यों के हस्ताक्षर	—
1. डॉ. एस. गाफुर	—
2. डॉ. फूलदास महत्त	—
3. डॉ. मीनकंतन प्रधान	—
4. डॉ. वंदियार सिंह साहू	—
5. डॉ. विहरी लाल साहू	—
6. डॉ. वंदियार बंजार	—
7. श्री रामकृष्णार बंजार	—
8. श्री नवनीत जगतरामका	—

संदर्भ ग्रांथ :

1. हिंदी निवेद्य की विभिन्न शैलियाँ
2. लोचनप्रसाद पाण्डे के निवेद्य
3. पं. लोचनप्रसाद पाण्डे चयनिका
4. साहित्य वाचस्पति लोचनप्रसाद पाण्डे
5. हिंदी निवेदकार
6. प्रसाद के नाटकों में नियतिवाद
7. हिंदी नाटकों का रूपविद्यान और वर्तु-विकास
8. प्रसाद : भाष्टीयता के प्रतिमान
9. हिंदी नाटकों का विकासात्मक अध्ययन
10. हिंदी के ऐतिहासिक नाटकों में इतिहास-तत्त्व
11. मोहन राकेश की सम्मीलि
12. मोहन राकेश : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि
13. मोहन राकेश और उनके नाटक
14. हिंदी नाटक : कल और आज
15. मोहन राकेश के साहित्य में सामाजिक विश्लेषण
16. कुख्यनाथ राय
17. निवेद्यलोक : विद्यानिवास मिश्र
18. हिंदी निवेद्य साहित्य का सारकृतिक अध्ययन
19. व्याख्यकार इतिहासकार परसाई
20. हिंदी नाटक
21. हिंदी व्याख्यकर्म एवं सामाजिक विश्लेषण
22. नाटककार जयशंकर प्रसाद
23. मोहन राकेश के नाटकों में नारी

अध्ययन-मोडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. पृष्ठ. गाहुर,
 - प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
 - शासविलासा कन्या रानातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
 2. डॉ. फूलदास महेंद्र,
 - संहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य
 - शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला - जौजाहीर-चांपा
- कुलपति हारा नामांकित :**
1. डॉ. विहारी लाल साहू
 - सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़
- विभागीय सदस्य :**
1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्ययन
 2. डॉ. जग्जा जैसामकर आठले-सहायक प्राच्यापक हिंदी : सदस्य
 3. डॉ. बैठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य
 4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य
- औरांगोगिक / निगम क्षेत्र :**
1. श्री नवनीत जगतरामका,
 - प्रधान संपादक- इस्पात टाइम्स रायगढ़

दृष्टिपूर्व विद्यार्थी (रानातकोत्तर हिंदी, सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता

धनुषारडेंग रायगढ़

: डॉ. मोहन अवस्थी	: डॉ. विश्वप्रसाद वर्मा
: ईश्वरशारण पाण्डे	: शिखा बेहरा
: जयनाथ नलिन	: पद्माकर भार्मा
: डॉ. चंद्रलाल दुबे	: डॉ. शांतिगोपाल पुरोहित
: सत्यपाल चुग	: डॉ. धनंजय
: संकलित	: जगदीश शर्मा
: निरीश रस्तोगी	: डॉ. वापुराम
: केदार सिंह	: डॉ. वचन सिंह
: अर्जुन के तड़वी	: डॉ. सुरेश माहोवरी
: डॉ. दिलीप देशमुख	: डॉ. प्रतिमा योशेकर
: डॉ. भरत पटेल	: डॉ. विनय कुमार पाठक
: संगम	: डॉ. संगम
: डॉ. विनय कुमार पाठक	: डॉ. विनय कुमार तनोजा

अनुमोदित

कृतिपत्र

कृतिपत्र

कृतिपत्र

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए हिंदी : सेमेस्टर प्रथम
परियोजना-कार्य Code 917

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमोत्तर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पुस्तों का गणित लघ से शोध अलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के माध्यम से अध्ययन, शैक्ष-कार्य, संवहन, संवेदन आदि प्रविधियों पर केन्द्रित अलेख की स्वच्छ/स्व-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्णीत लिखे में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. मुक्तव्योत्तर का ग्राफ चाहिए
2. रस्त जोशी का व्याय चाहिए
3. गहनदी वर्ण का ग्राफ चाहिए
4. लोचनप्रसाद पाण्डेय का ग्राफ चाहिए
5. ग्राघवराव सुमेर का ग्राफ चाहिए
6. हेवीब तनबीर के नाटक
7. उत्तोलनादी भाषा-सहित विभिन्न लोपों का विवेचन
8. किंजी एक पाठ्यक्रमतर नाटक का तालिक अध्ययन रामानन्दीय विवेचन
9. पाठ्यक्रमतर निक्षेप का विवेचन
10. जीवनी/चरितात्मक कृति का अध्ययन
11. अन्य विषय : उल्लङ्घन जानकीक एवं प्रारम्भिक (विभागीय संस्कृत से)

— ० —

अंक विभाजन : तुल अंक - 50

शोध अलेख: 30 अंक (चूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)
नीतिकी : 20 अंक (चूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. गढ़वाल

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शासविलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासुर

2. डॉ. फूलदास महेता,

सहा प्राच्यानक / प्रमाणी प्राचार्य

शास्त्र महाविद्यालय, जेंजुपुर, जिला - जैजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहरी लाल साहू
सेवानिष्ठ प्रशार्थी, 17 किलोमीटर कालोनी, चांपा

विभागीय चालक :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यात्म
2. डॉ. जया वैराग्यकर आठले-सहायक प्राच्यापक हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बेहियार सिंह शाह-उत्तीर्ण व्याख्याता हिंदी : सदस्य
4. श्री रमकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य

आधोगिक/निगम सीक्रेटरी :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक- इस्पात टाइम्स, चांपा

: सदस्य

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. ए. हिंदी

सेमेर्स्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) Code 905

प्रस्तावना : सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और भौलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

पाठ्य विषय :

- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
- भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य -प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तराधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श, विकलांग विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- हिंदी गद्य की प्रमुख विधाओं (कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, हिन्दी आलोचना, रिपोर्टज) का विकास।
- उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
- उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न

$3 \times 20 = 60$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

3 लघूत्तरीय प्रश्न

$3 \times 5 = 15$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न

$5 \times 1 = 05$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे

2. डॉ. चित्तरंजन कर

3. डॉ. विनय कुमार पाठक

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधेरी

6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्रा

7. डॉ. बेठियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास

: बच्चन सिंह

2. दूसरी परम्परा की खोज

: नामवर सिंह

3. छायावाद एवं अन्य निबंध
 4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका
 5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदिकाल
 6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार
 7. छायावादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि
 8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श
 9. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
 10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास
 11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना
 12. देरिदां : विखंडन की रौद्रांतिकी
 13. हिंदी आलोचना का विकास
 14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
 15. ओडिया साहित्य का इतिहास
 16. दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र
 17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
 18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ
 19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी
 20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
 21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य
 22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ
 23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ
 24. दलित साहित्य : विविध आयाम
 25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ
 26. विकलांग विमर्श
 27. विकलांग विमर्श का वैशिक परिदृश्य
- : संपादक - सतीश चतुर्वेदी
 : लक्ष्मीसागर वार्ष्ण्य
 : श्रीनारायण चतुर्वेदी
 : डॉ. जेकब पी. जॉर्ज
 : डॉ. कमलाप्रसाद
 : सुधीश पचौरी
 : प्रो. सैयद ऐतेशाम हुसैन
 : डॉ. बापूराव देसाई
 : डॉ. विद्या प्रधान
 : सुधीश पचौरी
 : नंदकिशोर नवल
 : योगेन्द्र प्रताप सिंह
 : डॉ. पूर्णिमा केडिया
 : ओमप्रकाश वाल्मीकि
 : डॉ. बच्चन सिंह
 : नामवर सिंह
 : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
 : डॉ. भास्कर भैया
 : क्षमा शर्मा
 : डॉ. करुणा उमरे
 : डॉ. संजय नवले
 : डॉ. सुनीता साखरे
 : डॉ. रेणुका मोरे
 : डॉ. विनय कुमार पाठक
 : डॉ. सुरेश माहेश्वरी

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुर्वे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

पं. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-चत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्रे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

4. डॉ. बेठियार सिंह साहू -अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020
 एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय
 अनिवार्य प्रश्नपत्र द्वितीय
 प्रेमाख्यानक काव्य और रीतिकाव्य code 906

प्रस्तावना : पूर्वमध्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति का सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरमध्यकालीन काव्य (रीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभिव्यंजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को सम्बन्धित करने के लिए अनिवार्य है। आलोचनात्मक प्रश्न प्रमुख तीन कवियों पर तथा लघूत्तरी प्रश्न द्वुत पाठ पर केन्द्रित किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पदमावत, संपादक-श्यामसुंदर दास (नागमती वियोग खंड एवं पदमावती खंड)

आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, पदमावत में प्रेमभाव, सौंदर्य वर्णन, विरह वर्णन, रहस्यमावना एवं दर्शन, प्रकृति चित्रण, काव्यकला, भाषा, अलंकार योजना।

2. घनानंद : घनानंद चयनिका, संपादक - डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद) आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, विरह वर्णन, प्रेम वर्णन, काव्यकला।

3. बिहारी : बिहारी सार्वदेवी, संपादक - ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे) आलोचना-व्यक्तित्व-कृतित्व, संयोग-वियोग निरूपण, सौंदर्य चित्रण, बहुज्ञता, काव्य सौंदर्य, भाषा शैली, काव्य कला, अलंकार योजना।

द्वुत पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पदमाकर

(द्वुत पाठ से वैकल्पिक लघूत्तरी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे)

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 व्याख्या

$-3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)

02 आलोचनात्मक प्रश्न

$-2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)

03 लघूत्तरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन

$-3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्वुत पाठ से)

05 वर्तुनिष्ठ प्रश्न / अतिलघूत्तरी प्रश्न $-5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के उत्तराकार -

1. डॉ. राजेश दुबे

2. डॉ. चित्तरंजन कर

3. डॉ. विनय कुमार पाठक

मार्च 2018

4. डॉ. भीनकेतन प्रधान

5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधेरी

6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुरु

7. डॉ. बेठियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

मार्च 2018

संदर्भ ग्रन्थ :

1. घनानंद : काव्य और आलोचना

: डॉ. किशोरीलाल

2. घनानंद का काव्य

: डॉ. रामदेव शुक्ल

3. बिहारी भाष्य

: डॉ. देशराजसिंह भाटी

4. बिहारी की काव्य-साधना

: डॉ. देशराजसिंह भाटी

5. बिहारी

: डॉ. राजकिशोर सिंह

6. बिहारी : आलोचनात्मक अध्ययन

: डॉ. राजकिशोर सिंह

7. बिहारी का नया मूल्यांकन

: डॉ. बच्चन सिंह

March 2018

8. सूक्ष्मी मत	: डॉ. कन्हैया सिंह
9. पदमावत का अनुशीलन	: इंद्रचंद्र नारंग
10. जायसी : एक नई दृष्टि	: डॉ. रघुवंश
11. रीतिकालीन कविता में भवित्ततत्व	: डॉ. उषा पुरी
12. हिंदी रीति साहित्य	: डॉ. भगीरथ मिश्र
13. रीतिकालीन कवियों की प्रेम-व्यंजना	: डॉ. बच्चन सिंह
14. रीतिकाव्य की इतिहास-दृष्टि	: सुधीन्द्र कुमार
15. केशवदास	: विजयपाल सिंह
16. केशव-काव्यसुधा	: कृष्णदेव शर्मा
17. मीरा का काव्य	: विश्वनाथ त्रिपाठी
18. हिंदी साहित्य का मध्यकाग़ल	: डॉ. ईश्वरदत्त शील
19. रीतिबद्ध काव्य में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप	: डॉ. तारा श्रीवारतन
20. बोधा के काव्य में जीवन-भूल्य	: डॉ. वेदप्रकाश
21. रीतिमुक्त कवि ठाकुर और उनका काव्य	: डॉ. जगदेवकुमार शर्मा
22. कवि आलम और उनकी आलमकेलि	: डॉ. वेदप्रकाश
23. मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत	: डॉ. आनंदमोहन उपाध्याय
24. मध्यकालीन हिंदी काव्य	: संपादक - डॉ. दिलीप मेहरा
25. भूषण का प्रशस्तिकाव्य	: डॉ. रमा नवले

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

अनुमोदित

हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन.महाविद्यालय खरोरा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. रविशंकर शुक्ल वि.वि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुरुं-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

4. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

: सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़

: सदस्य

Y

V

✓

C

M

Aut 06/3

- मीनकेतन

- 21/8/18

- E

- Bawly

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. ए. हिंदी

सेमेर्टर-द्वितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा code 907

प्रस्तावना : भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विस्तार, भाषिक स्वरूप, विविधरूपता तथा हिंदी में कम्यूटर-सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है। हिंदी इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से आलोचनात्मक/लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्यभाषाएँ – वैदिक तथा लौकिक संस्कृत – उनकी विशेषताएँ। मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ – पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपभ्रंश और उनकी विशेषताएँ।

आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ – वर्गीकरण।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :

हिंदी की उपभाषाएँ –

पश्चिमी हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजस्थानी, बिहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ। खड़ी बोली, ब्रज और अवधी की विशेषताएँ।

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप:

हिंदी शब्द-रचना – उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।

हिंदी रूप-रचना – लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था के संदर्भ में हिंदी के संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

हिंदी वाक्य-रचना – पदक्रम और अन्विति।

4. हिंदी के विविध रूप – सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा, हिंदी की सांविधानिक स्थिति।

कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) : प्रमुख प्रकार – प्रारूपण, टिप्पण, पत्र-लेखन, संक्षेपण, पल्लवन।

5. देवनागरी लिपि : व्युत्पत्ति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 आलोचनात्मक प्रश्न

$3 \times 20 = 60$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

03 लघूत्तरी प्रश्न

$3 \times 5 = 15$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

05 वस्तुनिष्ठ प्रश्न

$5 \times 1 = 05$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे

2. डॉ. चित्तरंजन कर

3. डॉ. विनय कुमार पाठक

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधेरी

6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्वी

7. डॉ. बेठियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता

वर्धन ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा की सधि-संरचना
 2. हिंदी संज्ञा-संरचना और लिपि
 3. मारतीय आर्यभाषा और हिंदी
 4. हिंदी भाषा का उद्यगम और विकास
 5. भाषा एवं भाषाविज्ञान
 6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं व्यक्तम्
 7. हिंदी भाषा-संरचना के विविध आयाम
 8. हिंदी भाषा का इतिहास
 9. भाषा : इतिहास की भाषाविज्ञानिक भूमिका
 10. मारतीय भाषाओं का भाषाविज्ञानिक अध्ययन
 11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा
 12. हिंदी शब्दानुशासन
 13. अप्रक्षण के गोपनीय
 14. भाषा और प्रोटोग्रैमी
 15. भाषा और व्यवहार
 16. हिंदी : विविध लेखहासों की भाषा
 17. हिंदी की मानक वर्तमानी
 18. हिंदी भाषा : विकास और व्यक्तम्
 19. भाषा वित्तन के नए आयाम
 20. हिंदी व्याकरण मीमांसा
 21. वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतिमान
 22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य
- डॉ. योजनाया तिवारी
डॉ. प्रीति सोहनी
सुनीतिकुमार चाटुर्ज्या
डॉ. उदयनारायण तिवारी
महावीरसन जैन
डॉ. राजनगि शर्मा
रवीन्द्रनाथ शीवालतात
डॉ. भलनाथ तिवारी
जो. वारियर
डॉ. ब्रजोरत शर्मा
द्वारिकाप्रसाद शर्मा
प. किशोरिदास बाजपेयी
नामकर सिंह
डॉ. लिनार प्रसाद
ब्रजमोहन
सुवास कुमार
केलाशचंद्र भाटिया
डॉ. रामकेशर शर्मा
कालीनशंकर शर्मा
वद्दरीनशंकर शर्मा
डॉ. पर्वित बने
- अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :**
1. डॉ. राजेश ठुवे,
 2. डॉ. चित्तरजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प. चरिशंकर शुक्ल विवि. रायपुर (छ.ग.)
- कुलपति द्वारा नामांकितः**
1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
.पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अंग्रेजी-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर
- विभागीय सदस्य :**
1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राथ्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यापक
 2. डॉ. (श्रीमती) खान्न चौबी-सहायक प्राथ्यापक हिन्दी : सदस्य
 3. सुश्री लक्ष्मीश्वरी कुर्से-सहायक प्राथ्यापक हिन्दी : सदस्य
 4. डॉ. बैठियार सिंह शाह -अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
- ओर्डोग्रैम / नियम द्वारा :**
1. श्री नवनीत जंगतरामकाल,
- प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर
- शूटपूर्व विधार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) : : सदस्य
- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारड़े रायपुर

अनुमोदित
इकाई

✓ प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. इ. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय

आधुनिक गण साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी code 908

प्रस्तावना : आज गण साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट हो गया है। हिंदी गण की विधाओं में आज उपन्यास और कहानी सर्वाधिक विकसित एवं लोकप्रिय हो चुकी हैं। ये गण को विभिन्न किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन भी अपेक्षित है। इन विधाओं के ग्रामिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है। प्रत्येक उपन्यास से एक-एक एवं कहानियों से एक बाख्या/आलोचनात्मक प्रश्न किया जाएगा। हुत पाठ से वैकल्पिक लघुतारी प्रश्नों में से कोई तीन ज्ञानात्मक विषय होंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास : 1. गोदान

2. वाणमट्ट की आत्मकथा ; प्रेमचंद

कहानी : 1. जर्सने कहा था ; चंद्रधर शर्मा "गुलेरी"

2. आकाशदीप ; जयशंकर प्रसाद

3. कफन ; प्रभचंद

4. परिदृ ; निर्मल वर्मा

5. वापरी ; उषा प्रियंका

दुत पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु मन्तु भंडारी।

कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्णा सोबती, अमरकांत।

(दुत पाठ से वैकल्पिक लघुतारी प्रश्नों में से कोई तीन उत्तर लिखने होंगे)

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 व्याख्या - $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)

02 आलोचनात्मक प्रश्न- $2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)

03 लघुतारी प्रश्न - $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित हुत पाठ से)

05 वाचुनिष्ठ / अतिलघुतारी प्रश्न- $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन मान्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे 2. डॉ. वित्तरेजन कर
 3. डॉ. विनय कुमार पाठक 4. डॉ. मीनकेतन प्रशान्त
 5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे 6. सुशी लक्ष्मणी कुरुक्षेत्र
 7. डॉ. बौद्धियार सिंह साहू 8. श्री नवनीत जगतरमनका
 9. श्री राजीव गुप्ता

तदन्त ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन : डॉ. इंद्रनाथ यादव
2. प्रेमचंद का पुनर्जीव्यकान : सामूहिक
3. प्रेमचंद और उनका युग : सामिलास शर्मा
4. प्रेमचंद – सामाजिक – सत्योदय
5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्याख्याता : चमिता तिन्हा
6. अष्टविष्णु और नोदन : कृष्णगुरुसी गिरा
7. अतीचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद : सत्यकाम
8. बापानंदट ने आत्मकथा : हजारी प्रसाद हिंदेवी
9. आचार्य हजारीप्रसाद हिंदेवी की : किंवद्दिनीनंदन पाण्डेय
10. आचार्य हजारीप्रसाद हिंदेवी के : डॉ. अरुण कुलकर्णी
- उपन्यास : सामूहिक और इतिहास : मधुरेश
11. हिंदी उपन्यास का विवास : इन्द्रनाथ मदन
12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास

अध्ययन-योंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

प्राचार्य

शास्त्रीन भाविधात्य खरोख, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वित्तराजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष नामाविज्ञान

प. रविशंकर शुक्ल विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामाविकर्ता :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अव्याख्या-छत्तीसगढ़ी राज्यमण्डा आयोग

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकंत प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अव्याख्या
2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. श्री लक्ष्मणराम कुर्स-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बैठियार रिंह लाल-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

शोधोनिक/विग्रह दोत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव युपाठ, धनुहारडेश, रायपुर

: सदस्य

-

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम.ए हिन्दी-सेपेस्टर-हिन्दी
परियोजना-कार्य Code १५

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थि को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर कीदूत आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्राप्त करना अनिवार्य होगा।

१. दलित गद्य साहित्य

२. हिन्दी गद्य साहित्य में नारी-सिमर्श

३. साठोलोली हिन्दी कथा साहित्य

४. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य

५. हिन्दी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता

६. हिन्दीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन

७. पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिन्दी आलोचना / समीक्षा / हिन्दीतर प्रदेश का हिन्दी गद्य साहित्य

८. हिन्दीतर प्रदेशों में हिन्दी का प्रयोग

९. हिन्दी भाषा-शिक्षण का व्यवहारिक प्रयोग

१०. विदेशों में हिन्दी की लोकप्रियता

११. हिन्दीतर क्षेत्रों तथा देशोंतर में हिन्दी भाषा और साहित्य।

१२. विकलांग विमर्श

१३. अन्य विषय : संदर्भगत सामरिक एवं प्रासारिक (विमानीय संस्कृति से)

अंक विभाजन : कुल अंक : 50, शोध आलेख : 30 अंक, नीखिकी : 20 अंक

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

१. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरोला, रायपुर (छ.ग.)

२. डॉ. चित्तरेणन.कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

पूर्व राविलकर शुक्ल विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

१. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अंग्रेजी-हिन्दी साधनीयता राजगांव आयोग

च.ग.शासन, रायपुर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

-

विभागीय सदस्य :

१. डॉ. मीनकौतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यात्म

२. डॉ. (श्रीमती) रघुनंद दोवे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

३. श्री लक्ष्मेश्वरी कुर्म-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य

४. डॉ. बेतियार सिंह शाह -अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

ओर्ध्वोगिक/नियम सेवा :

१. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायपुर

मृतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश सायनगढ़

१९/१०४ : सदस्य

-

-

१९/१०४

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम.ए.हिंदी सेमेस्टर-प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) 901-Code

प्रस्तावना :

किसी भी देश के जनमानस की मनोवृत्ति, दशा एवं संवेदना के विविध स्वरूपों का संचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न परिस्थितियों के कारण चित्तवृत्तियों में परिवर्तन होता है, हिंदी क्षेत्र की परिस्थितियों से कमोबेश पूरा भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गूँज हिंदी साहित्य में प्रतिघनित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से लेकर आज तक के विकास परिदृश्य के साथ साहित्यिक सृजनशीलता के विविध रूपों, प्रवृत्तियों और भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्थक और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय : इतिहास-दर्शन एवं साहित्येतिहास।

1. भारतीय साहित्य का स्वरूप।
2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ।
3. भारतीय साहित्य में आज के भारत का विम्ब।
4. हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
5. हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, आधारभूत सामग्री और साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ।
6. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
7. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, रासो काव्य, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
8. पूर्व मध्यकाल (भक्तिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भक्ति आंदोलन, विभिन्न काव्यधाराएँ तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भक्तिकालीन गद्य साहित्य।
9. भारत में सूफी मत का विकास तथा प्रमुख सूफी कवि और काव्य-ग्रंथ, सूफी काव्य में भारतीय संस्कृति एवं लोकजीवन के तत्त्व।
10. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।
11. आदिकाल एवं रीतिकाल की महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य।

— 00 —

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

उ आलोचनात्मक प्रश्न - $10 \times 3 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

उ लघूतरीय प्रश्न/टिप्पणी - $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

५ वस्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न - $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3 डॉ. विहारी लाल साहू

5 डॉ. उषा वैरागकर आठले

7 श्री रामकुमार बंजारे

9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4 डॉ. मीनकेतन प्रधान

6 डॉ. वेठियार सिंह साहू

8 श्री नवनीत जगतरामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का इतिहास
2. हिंदी साहित्य का इतिहास
3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
4. हिंदी साहित्य की भूमिका
5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
7. हिंदी साहित्य का इतिहास
8. भारतीय साहित्य
9. भारतीय साहित्य
10. भारतीय साहित्य : स्थापनाएँ और प्रसाचनाएँ
11. भारतीय साहित्य : आशा और आस्था
12. भारतीय साहित्य की समस्याएँ
13. हिंदी भीति साहित्य
14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा
15. हिंदी साहित्य का आदिकाल
16. साहित्य और इतिहास-टृटि
17. हिंदी साहित्य का आदिकाल एवं शीसलदेव राजा
18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्जीवन की समस्याएँ
19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
20. आदिकालीन हिंदी साहित्य की सांस्कृतिक पीढ़िका
21. साहित्यित्वहास टृटि
22. भारतीय साहित्य
23. साहित्यित्वहासकारों की टृटि-मीमांसा

आध्यायन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. डी. एस. गुरुकुर.

प्राध्यापक एवं निभागाध्यक्ष-हिंदी,

शासविलासा कन्या न्यातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2

डॉ. फूलदास महेत,

सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, बिला- जैजंगीर-चापा

कुलपति द्वारा नामिकृतः

1. डॉ. बिहारी लाल चाहूँ

सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्यः

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक- हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता- हिन्दी : सदस्य

4. श्री. रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता- हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निगम क्षेत्रः

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक - इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मृतपूर्ख विद्यार्थी (न्यातकोत्तर हिन्दी.सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुरुा

धनुवारदेश रायगढ़

: आचार्य रामचंद्र शुक्ल

सपादक - डॉ. नानोद्द

डॉ. बच्चन सिंह

डॉ. हजारीप्रसाद हिंदे

डॉ. रामकुमार वर्मा

डॉ. सुमन राजे

डॉ. चातक

सपादक - डॉ. नानोद्द

सपादक - डॉ. मूलचंद गौतम

के सचिवदानद

डॉ. आरसु

रामविलास शर्मा

डॉ. भगीरथ शिंध

रामअवध द्विदी

हजारीप्रसाद द्विदी

मीनजर पाण्डेय

डॉ. मीनकेतन प्रधान

सपादक - श्याम करण्य

योगेन्द्र प्रताप सिंह

डॉ. रामनृसि विपाठी

डॉ. कंचन यादव

डॉ. ब्रजकिशोरसाद सिंह

डॉ. वेदप्रकाश

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-

-

: सदस्य

-

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–18

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र – द्वितीय
भक्ति काव्य Code 902

प्रस्तावना :

हिंदी के पूर्वमध्यकालीन काव्य या भक्तिकालीन काव्य का साहित्येतिहास में विशेष महत्व रहा है। भक्तिकाव्य लोक-जगरण और लोकमातृता का नवीन स्तर लेकर आया। इसने भारत की भावनात्मक एकता और सारस्फृतिक परम्परा को सुरक्षित रखा है।

इस प्रश्नपत्र में समावृत्त तीन काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्वितीय पत्र से विकल्प युक्त लघूत्तरी / विषयी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के साथ द्वितीय विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य विषय :

1. कवीर : सापादक – डॉ. कांति कुमार जैन (सम्पूर्ण)
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (सुंदर काण्ड के प्रारम्भिक 50 दोहे और चौपाइयाँ)
3. सुरदास : अमरगीत सार – सापादक – आचार्य रामचंद्र शुक्ल (51 से 100 तक)

द्वितीय पत्र के कवि : विद्यापति, मीराबाई, दाहूदयाल, रेदास, रहीम

अंक विभाजन :

- | | |
|--|---|
| 3 व्याख्यात्मक प्रश्न | $-3 \times 10 = 30$ (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| 2 आलोचनात्मक प्रश्न | $-2 \times 15 = 30$ (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| 3 लघूत्तरी प्रश्न / विषयी लेखन | $-3 \times 5 = 15$ (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित द्वितीय पत्र से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न-5 $\times 1 = 5$ | (इस प्रश्न पत्र में निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्य विषय से) |

कुल अंक 80

- संदर्भ ग्रंथ :
1. सूरदास – हरवंशलाल शर्मा
 2. भवित आंदोलन और सूरदास का काव्य – मैनेजर पाण्डेय
 3. सूर साहित्य – हजारीप्रसाद हिंदेवी
 4. महाकावि सूरदास – नंददुलारे वाजपेयी
 5. कवीर – सापादक : विजयेन्द्र स्नातक
 6. कवीर तेरे रूप अनेक – सापादक : महातीर अग्रवाल
 7. कवीर – हजारीप्रसाद हिंदेवी
 8. कवीर की कविता – डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
 9. कवीर मीमांसा – डॉ. रामचंद्र तिवारी
 10. रामभक्ति में रसिक सम्प्रदाय – डॉ. भगवतीप्रसाद सिंह
 11. तुलसी – सापादक : उदयमानु सिंह
 12. तुलसी मंजरी – सापादक : विद्यानिवास मिश्र
- अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –
- | | |
|----------------------------|----------------------------|
| 1. डॉ. डी. एस. ठाकुर – | 2. डॉ. फूलदास महत – |
| 3. डॉ. विहरी लाल साहू – | 4. डॉ. मीनाकेतन प्रधान – |
| 5. डॉ. उषा शैरागकर आठले – | 6. डॉ. वेतियार सिंह साहू – |
| 7. श्री रामकुमार वर्जारे – | 8. श्री नवनीत जगतरामका – |

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी-सेमेस्टर प्रथम
अनिवार्य प्रश्नपत्र – तृतीय

भाषा विज्ञान Code - १०३

प्रस्तावना :

साहित्य आदयात् एक भाषिक निर्मिति है। साहित्य के गंभीर अध्ययन के लिए भाषिक व्यवस्था में भाषिक ईकाइयों तथा भाषा –संरचना के विकिध स्तरों पर उनके अंतरसंबंधों के विचारण को आलोकित करने के बहुत अध्येता को भाषिक अतदृष्टि देता है अग्रिम भाषा –विषयक विवेचन के लिए एक निरूपक भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्येतर प्रयोजन मूलक लोगों के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक चिंतन का लाभ दृष्टिगोचर होता है। इस प्रश्न पत्र में समाप्त दस्तावेज़ पाठ्य विषय से पाठ्य विषय :

1. भाषा और भाषाविज्ञान :

(अ) भाषा – परिभाषा, उत्पत्ति के सिद्धांत, विशेषताएँ एवं प्रवृत्तियाँ।

(ब) भाषा विज्ञान – भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।

2. अध्ययन की दिशाएँ – वर्णालीक, ऐडिहासिक, तुलनात्मक, प्रयोगात्मक, संरचनात्मक।

(स) साहित्य और भाषा विज्ञान – साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

3. व्यनि विज्ञान (स्वन-प्रक्रिया) – व्यनि विज्ञान का स्वरूप, वाक् अवयव एवं उनके कार्य, व्यनि का वर्गीकरण – स्थान, प्रयत्न, करण।

4. व्यनि परिवर्तन (विकार) – व्यनि परिवर्तन की विधिएँ, व्यनि परिवर्तन के कारण।

5. अव्याख्यान (व्यनि विज्ञान) – अव्याख्यान, व्यनि ग्रन के भद्र-खण्ड्य और खण्ड्योत्तर।

6. पद विज्ञान (लघु विज्ञान) – पद का स्वरूप और शाखाएँ।

7. लघु ग्राम (लघुपि) – लघुपि की अवधारणा।

8. भद्र-प्रयोग के आधार पर – मुक्ता, बद्र, मुक्ता-बद्र 2. रचना के आधार पर – संक्षेप, मिश्रित 3. अर्थतत्त्व प्रदर्शक एवं संबंधतत्त्व-प्रदर्शक।

9. खण्ड्योत्तर – खण्ड्योत्तर, अखण्डात्मक।

10. वाक्य विज्ञान : वाक्य विज्ञान का स्वरूप एवं लक्षण।

11. वाक्य संबंधी सिद्धांत – स्फोटवाद, अतिम वर्णवाद, वर्णसमूहवाद, अभिहितान्वयवाद,

वाक्य के भेद – रचना, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।

12. अर्थविज्ञान : अर्थ की अवधारणा, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्यायता, अनेकार्थता, विलोभता, अर्थ-परिवर्तन : – अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण।

अंक विभाजन :

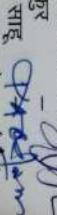
कुल अंक 80

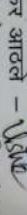
03 आलोचनात्मक प्रश्न $-3 \times 20 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित सूर्यों पाठ्य विषय से)

03 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन- $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित सूर्यों पाठ्य विषय से)

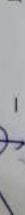
05 वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरी प्रश्न- $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित सूर्यों पाठ्य विषय से)

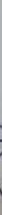
अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्तांक

1. डॉ. एस. ठाकुर 
2. डॉ. पृष्ठदास महत

3. डॉ. विहारी लाल साहू 
4. डॉ. मीनकेशन प्रधान

5. डॉ. उषा वैराग्यकर आठले 
6. डॉ. वैष्णवी सिंह साहू

7. श्री रामकुमार बंजारे 
7. श्री नवनीत जगतरामका

9. श्री राजीव गुप्ता 

संदर्भ ग्रन्थ :

1. भाषा विज्ञान
2. हिंदी शब्दानुशासन
3. भाषा विज्ञान
4. मारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन
5. भाषा विज्ञान : सेक्टोरिक चिंतन
6. भाषाविज्ञान की भूमिका
7. भाषा एवं भाषा विज्ञान
8. आधुनिक भाषा विज्ञान
9. भाषा विज्ञान की लघुरेखा
10. भारतीय भाषा विज्ञान
11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत

अध्ययन—मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डॉ. एम. गव्हर.

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,

रासायनिक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,
सहाय्या प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,

रासायनिक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,

सहाय्या प्राच्यापक / प्रभारी प्राच्याय

कुलपति ह्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किलोमील कालोगी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान—प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी : अध्ययन
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहाय्या प्राच्यापक हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बैठियर सिंह साहू—अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकृष्ण बंजारे—अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य

औद्योगिक / नियम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक—इस्यात टाइम्स रायगढ़

मूल्यपत्र विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी) सत्र 2013-14) :

1. श्री राजीव गुप्ता

धनुवारडेश रायगढ़

: राजमल वोरा
प. किशोरीदास बाजपेयी
भोलानाथ तिवारी
डॉ. ब्रजेश्वर वर्मा
रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
देवेन्द्रनाथ शर्मा
महावीर सरन जैन
डॉ. राजमणी शर्मा
डॉ. रविदत्त कौशिक
प. किशोरीदास बाजपेयी
डॉ. रामकिशोर शर्मा

अनुमोदित
हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–18

एम.ए.हिंदी -सेमेस्टर प्रथम

अनिवार्य प्रश्नपत्र चतुर्थ
आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध Code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है। यह श्रव्य एवं दृश्य दोनों रूपों को समेटे हुए है। नाटक प्रत्यक्ष कल्पना एवं अभ्यवसाय का विषय यह सत्य तथा कल्पना से सम्बन्धित विलक्षण रूप धारण करके दर्शना एवं पाठक दोनों को मनोज्ञन के साथ-साथ सामाज-निर्माण एवं परिवर्तन की चेतना प्रदान करते हुए अपने साथ में दृश्य होने के कारण सीधे रामरात्रि से जुड़ा हुआ है, जिसे विविध काव्य के अतिरिक्त ललित कलात् तथा कलाकार मिलकर आकार देते हैं। इसीतरह निबंध गद्य का प्रौढ़ तथा शक्तिशाली प्रतीरूप है, जो किसी भी निबध्नाकार की वैयक्तिक एवं सातांत्र्य-चेतना का विख्वासनीय प्रतीनिधि है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत दोनों नाटकों/निबंधों से आतंरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दोनों नाटकों/निबंधों से आतंरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र से विकल्प युक्त लघूत्तरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। समूचे पाठ्य-विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/आतिलघूत्तरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

- नाटक : 1. जयशंकर प्रसाद
2. मोहन राकेश

: चंद्रगुप्त
: आषाढ़ का एक दिन

निबंध :

1. रामचंद्र युक्त
2. हजारीप्रसाद द्विवेदी
3. नंददुलारे वाजपेयी
4. हरिशंकर परसाई

: कविता क्या है?
: शिरीष के फूल
: निराला
: विकलांग शद्वा का दौर

द्वुत पाठ के नाटककार :

भारतेन्दु हरिशंकर, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रभाकर।

द्वुत पाठ के निबंधकार :

आचार्य महवीरप्रसाद द्विवेदी, लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुवेरनाथ राय

_____ 00 _____

अंक विभाजन :

		कुल अंक 80
3 व्याख्यात्मक प्रश्न	$-3 \times 10 = 30$	(प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न	$-2 \times 15 = 30$	(प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
3 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन- $3 \times 5 = 15$		(प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)
5 वस्तुनिष्ठ / अति लघूत्तरी प्रश्न- $5 \times 1 = 05$		(प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निबंधों से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. जी. एम. ठाकुर -
2. डॉ. फूलदास महत -
3. डॉ. विहरी लाल साह -
4. डॉ. गीनकेतन प्रधान -
5. डॉ. उषा वैरागकर आठले -
6. डॉ. वेतियार सिंह साह -
7. श्री रमकुमार वंजरे -
8. श्री नवनीत जातरामका -
9. श्री राजीव युपा -

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर प्रथम
परियोजना-कार्य Code . ११७

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय / अंसा विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक लेख से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, शेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ / स्व-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय

1. मुक्तिबोध का गद्य साहित्य
2. शारद जोशी का व्याय साहित्य
3. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य
4. लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
5. माघवराव सर्पे का गद्यसाहित्य
6. हवीब तनवीर के नाटक
7. उत्तीर्णगढ़ी भाषा-साहित्य के विविध व्याकरणिक रूपों का विवेचन
8. किसी एक पाठ्यक्रमेतर नाटक का तात्त्विक अथवा रागमंचीय विवेचन
9. पाठ्यक्रमेतर निवधों का विवेचन
10. जीवनी / चरितान्तक कृति का अध्ययन
11. अन्य विषय : सद्भगत सामरिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्कृति से)

—०—

अंक विभाजन : कुल अंक – 50
शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. गांकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास्त्रबिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महेत,

सहा. प्राध्यापक / प्रमारी प्राचार्य

शास्त्रमहाविद्यालय, जैजेमुर, जिला – जैजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवानिवृत्त प्राचार्य, 17 किलोमीटर कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेनन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्ययन

2. डॉ. जया वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक हिंदी : सदस्य

3. डॉ. बेतियार सिंह शाह-अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य

ओदोगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक- इस्पात, टाइम्स, रायगढ़

भूषणपूर्ण विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी-सत्र 2013-14) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुवरडेश रायगढ़

प्रधान संपादक-

भूषणपूर्ण विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी-सत्र 2013-14) :

: सदस्य




अनुमोदित

हस्ताक्षर

कि. शास. कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़
 सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018
 पाठ्क्रम : हिंदी साहित्य
 एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				योग
			सेमेस्टर परीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	अधिकतम	न्यूनतम	
1.	प्रथम	हिंदी साहित्य का इतिहास(सन् 1857 ई. से आज तक)	80	29	20	07	100
2.	द्वितीय	प्रेमाख्यानक काव्य एवं रीतिकाव्य	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	हिंदी भाषा	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य		50	18		50
				कुल			450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

मीमांसा
विभागाध्यक्ष – हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रन्थ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग

36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन—मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी,
शास. बिलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जॉजगीर—चांपा

अनुमोदित
हस्ताक्षर

GD

GD

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

प्रधान

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राध्यापक—हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य

— Usha
— Bethiyar
— Ramkumar

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

N

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013–14) :

1. श्री राजीव गुप्ता
धनुवारडेरा रायगढ़ : सदस्य

—

V

एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर द्वितीय
अनिवार्य प्रश्न पत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) Code - 905

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांख्यिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक और लिमिन गोलियों का स्थान खड़ी गोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्थानीता आदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलीय विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

- पाठ्य विषय :**
1. आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांख्यिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजकानी और पुनर्जीविरण।
 2. भारतोन्द युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 3. हिंदौ युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 4. छायावादी युग : हिंदी स्वच्छतावादी चेतना का अधिगम विकास : छायावादी काव्य – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 5. उत्तर छायावाद : विकिष्प प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तराध्यानिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दालित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
 6. हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्टर्ज आदि।
 7. हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
 8. उर्दू साहित्य का सिक्षित इतिहास।
 9. जङ्गिया साहित्य का सिक्षित इतिहास।
 10. हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशातर में हिंदी भाषा और साहित्य।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

—00—

- | | |
|-----------------------------------|--|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | $3 \times 20 = 60$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 3 लघुत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी लेखन | $3 \times 5 = 15$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वर्सुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न | $5 \times 1 = 05$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

- अध्ययन भाष्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –
- | | |
|------------------------|-------------------------|
| 1. डॉ. एम. ठाकुर | 2. डॉ. फूलदास महत |
| 3 डॉ. बिहसी लाल साहू | 4 डॉ. मीनकेतन प्रधान |
| 5 डॉ. उषा देवगकर आठले | 6 डॉ. बेतियार सिंह साहू |
| 7 श्री रामचुमार बंजारे | 8 श्री नवनीत जगतरामका |
| 9 श्री राजीव गुरुा | |

संदर्भ ग्रन्थ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह
2. दूसरी परम्परा की जोड़ : नामवर सिंह
3. आयावाद एवं अन्य निषेध : सपादक - सतीश चतुर्वेदी
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका : लक्ष्मीसाहार चार्णोदय
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का अधिकाल : श्रीनारायण चतुर्वेदी
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्यकार : डॉ. जेकब पी. जोर्ज
7. छायाचादात्तर काव्य की सामाजिक और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि : डॉ. कमलप्रसाद
8. उत्तरआधुनिक साहित्यिक विमर्श : सुशीश पांचाल
9. उद्दे शाहित्य का आलोचनात्मक इतिहास : ग्री. सेयट एंडेशाम हुसेन
10. स्वातंत्र्योत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. वापरात्र देसाई
11. प्रगतिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चेतना : डॉ. विद्या प्रधान
12. देविदाता : विख्यातन की सैद्धतिकी : सुशीश पांचाल
13. हिंदी आलोचना का विकास : नदिकिशोर नवल
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत : योगेन्द्र प्रताप सिंह
15. ओडिया साहित्य की प्रवृत्तियाँ : डॉ. पूर्णिमा केडिया
16. दलित साहित्य का सौदर्यशाल : ओमप्रकाश वाल्मीकि
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास : डॉ. बच्चन सिंह
18. आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह
19. हिंदी साहित्य : शीर्षकी शताव्दी : डॉ. आचार्य नंददुलारे वाजपेयी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद : डॉ. भास्कर भेदा
21. स्त्रीत्ववादी विमर्श : समाज और साहित्य : समा शर्मा
22. स्त्री विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ : डॉ. कलणा उमरे
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ : डॉ. संजय नवले
24. दलित साहित्य : विविध आयाम : डॉ. सुनीता साहरे
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ : डॉ. रेणुका मोरे

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. गाकुर,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शासांविलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फृलदास महंत,

सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जैजगढ़ी-चांपा

कुलपति हारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

संखा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अच्युत

2. डॉ. उषा देवरामकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बेटियार शिंह साहू-अंतिष्ठ व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे-अंतिष्ठ व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक / निपाम होकर :

1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश, रायगढ़

अनुमोदित

हस्ताक्षर

-

-

-

-

-

-

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. प. हिंदी : सेमेस्टर-हितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र हितीय
प्रेमाल्यानक काव्य और शीतिकाव्य code - ९०६

प्रस्तावना :

पूर्वभ्यकाल में सूफी काव्य की एक सशक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और इस्लामी संस्कृति गो सुंदर समन्वय दिखाई देता है। उत्तरभ्यकालीन काव्य (शीतिकाव्य) अपनी कलात्मक अभियोजना में बेजोड़ है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और गुण की धड़कनों को सम्प्रता में समझने के लिए अनिवार्य है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत तीनों काव्य-कृतियों से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दूसरे पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / दिप्णी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वर्सुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. जायसी : संक्षिप्त पदमावत – (पदमावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)
2. घनानंद : घनानंद चयनिका
सम्पादक – डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा (प्रारम्भिक 25 छंद)
3. विहारी : विहारी सार्वशती
सम्पादक – ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

दूसरे पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सेनापति, पदमाकर

—00—

कुल अंक 80

- | | | |
|--------------|--|--|
| अंक विभाजन : | 3 व्याख्यात्मक प्रश्न | $-3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| | 2 आलोचनात्मक प्रश्न | $-2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से) |
| | 3 लघूत्तरी प्रश्न / दिप्णी लेखन-3 × 5 = 15 | (प्रश्न पत्र में निर्धारित दूसरे पाठ से) |
| | 5 वर्सुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न-5 × 1 = 05 | (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| 1. डॉ. एस. गाफुर | 2. डॉ. फूलदास महत |
| 3. डॉ. विहारी लाल साहू | 4. डॉ. मीनकेतन प्रधान |
| 5. डॉ. उषा वैरागकर आठले | 6. डॉ. बंडेश्वर सिंह साहू |
| 7. श्री रामकुमार बंजारे | 8. श्री नवनीत जगतरामका |
| 9. श्री राजीव गुप्ता | |

संदर्भ ग्रंथ :

- धनानंद : काव्य और आलोचना
- धनानंद का काव्य
- बिहारी भाष्य
- बिहारी की काव्य-साधना
- बिहारी
- बिहारी : आत्मेवनात्मक अध्ययन
- बिहारी का नया मूल्याकान
- सूक्ष्म मत
- पदमावत का अनुशीलन
- जगेशी : एक नई दृष्टि
- सीतिकालीन कविता में भक्तितत्त्व
- हिंदी शिति साहित्य
- सीतिकालीन कवियों की प्रेरणा-यंजना
- सीतिकाव्य की इतिहास-दृष्टि
- केशवदास
- केशव-काव्यसुझा
- मीरा का काव्य
- हिंदी साहित्य का मध्यकाल
- सीतिकाव्य का मध्यकाल में तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था का स्वरूप
- बाधा के काव्य में जीवन-मूल्य
- रीतिमुक्त कवि लाकुर और उनका काव्य
- कवि आलम और उनकी आलमकोति
- मध्ययुगीन रहस्यवादी प्रवृत्तियों के मूल स्रोत
- मध्यकालीन हिंदी काव्य
- भूषण का प्रशासितकाव्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. डी. एस. गांगुली
प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी

2. डॉ. फूलदास महेत,
सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जौजगिरि-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :
 1. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवा नियुक्त प्राचार्य, 17. किरोडीमत कालीनी, रायगढ़

विभागीय सदस्यः

- डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
- डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिन्दी : सदस्य
- डॉ. बैठियर सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- श्री रामकुमार बजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

ओद्योगिक / निगम क्षेत्रः

- श्री नवदीत जगतरामका,
प्रधान समादरक इस्पात टाइम्स रायगढ़

मृतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

- श्री राजीव गुप्ता, धुहुरड़ेरा रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-

-

: सदस्य

-

एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर-हिंदीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र तृतीय : हिंदी भाषा Code - ९०७

प्रस्तावना :

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम, भौगोलिक विसार भाविक स्वरूप, विविधप्रता तथा हिंदी में कार्यसूटर-सुविधाओं विषयक जानकारी एवं देवनागरी के वैशिष्ट्य, विकास और मानकीकरण का विवरण हिंदी के अध्येता के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी भाषा के विकास के आधुनिक चरण में कामकाजी हिंदी महत्वपूर्ण स्थान रखती है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य-विषय से अलोचनात्मक / लघूतरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ प्रश्न/अति लघूतरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ –

वैदिक संस्कृत, लौकिक संस्कृत – उनकी विशेषताएँ।

मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ –

पालि, प्राकृत – शौरसेनी, अर्धमागधी, मागधी, अपमांश – उनकी विशेषताएँ।

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाएँ – वर्णकरण।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :

हिंदी की जगमापारे –

पाइचमी हिंदी, पूर्णी हिंदी, राजस्थानी विहारी तथा पहाड़ी और उनकी बोलियाँ।

खड़ी बोली, ब्रज, अवधी – उनकी विशेषताएँ।

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप :

हिंदी शब्द-रचना –

उपसर्ग, प्रत्यय, संधि, समास।

हिंदी रूप-रचना –

लिंग, वचन, कारक-व्यवस्था, संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रियारूप।

हिंदी वाक्य-रचना –

पदक्रम और अन्यति।

4. हिंदी के विविध रूप-

सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा के रूप में हिंदी, माध्यम भाषा, संचार भाषा।

हिंदी की सामाजिक विधि।

कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :

प्रमुख प्रकार – प्रारूपण, टिप्पण, पत्र-लेखन, सहेपण, पत्तलवन।

5. देवनागरी लिपि :

बुद्धिति, विशेषताएँ और मानकीकरण।

— ०० —

कुल अंक ४०

अंक विभाजन :		
०३ आलोचनात्मक प्रश्न	—	$3 \times 10 = 60$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
०३ लघूतरी प्रश्न	—	$3 \times 5 = 15$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)
०५ वस्तुनिष्ठ प्रश्न	—	$5 \times 1 = 05$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

—

2 डॉ. फूलदास महंत

1 डॉ. एस. नाफिस

—

4 जॉ. मीनकेतन प्रधान

3 डॉ. विहारी लाल साहू

—

6 डॉ. बैठेयर सिंह साहू

5 डॉ. उषा वेरामाकर आठले

—

8 श्री नवनीत जगतरामका

—

7 श्री रामकुमार बंजारे

—

9 श्री राजीव गुप्ता

—

—

—

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की साधि-संरचना : डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. हिंदी संज्ञा-संरचना और लेखन : डॉ. प्रेमि सोहनी
3. भास्त्रीय आर्यभाषा और हिंदी : मुनीतिकुमार चाटुजर्णा
4. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास : डॉ. उदयनारायण तिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान : महवीरसरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप : डॉ. राजमणि शर्मा
7. हिंदी भाषा-संरचना के विविध आयाम : रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. भलानाथ तिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भूमिका : जो. वादियोज
10. भास्त्रीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन: डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषाविज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा : द्वारिकाप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दानुशासन : प. किशोरीदास बाजपेयी
13. अप्रसंग के योग : नामवर सिंह
14. भाषा और प्राचीनोगीकी : डॉ. विनोद प्रसाद
15. भाषा और व्यवहार : ब्रजमेहन
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : सुवास कुमार
17. हिंदी की मानक चर्तीनी : कैलाशचंद्र भाटिया
18. हिंदी भाषा : विकास और स्वरूप : कैलाशचंद्र भाटिया
19. भाषा वित्तन के नए आयाम : डॉ. रामकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमांसा : काशीराम शर्मा
21. वाक्य-संरचना और विश्लेषण : नए प्रतीमान: बद्रीनाथ कपूर
22. हिंदी का शैरियक परिदृश्य : डॉ. पंडित बने

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. गढ़वा,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महेंद्र,

सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजपुर, जिला जैजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेन धन्यान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहयक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बैठियर सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामपुरान बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

ओरोगिक / निगम द्वारा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात लाइभ्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,

धनुहरडेरा रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-

-

-

प्रस्तावित सत्र 2016–2017 एवं 2017–2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-हितीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र – चतुर्थ

आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी उपन्यास एवं कहानी Code - 908

प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ वामन से विराट क्योंकि इसमें किसी भी के विरुद्ध या सीमित फलांक पर धृष्टि होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांस्कृतिक, आधिक, मनोवैज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति-समूहों को चित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यात्मक प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से अंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दुत पाठ से विकल्प युक्त लघुतरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे। समूचे पाठ्य-विषय से विकल्प युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघुतरी प्रश्न किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

उपन्यास :

1. गोदान  : प्रेमचंद

2. पुनर्जन्म : हजारीप्रसाद द्विवेदी

कहानी :

1. उसने कहा था : चंद्रधर शर्मा 'गुलेरा'
2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
3. कफन : प्रेमचंद
4. वापसी : उषा प्रियदा

दुत पाठ :

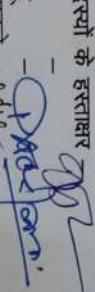
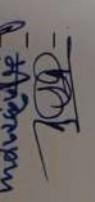
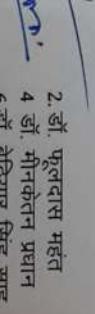
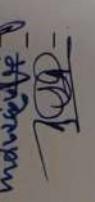
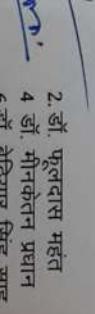
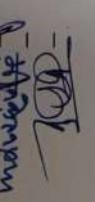
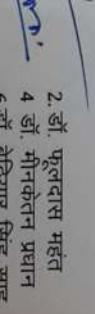
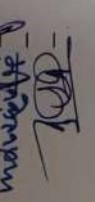
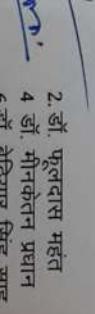
उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीश्वरनाथ रेणु, मनू भंडारी ।
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्ण सोबती, अमरकांत ।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 03 व्याख्या — $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02 आलोचनात्मक प्रश्न — $2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03 लघुतरी प्रश्न — $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित दुत पाठ से)
05 वस्तुनिष्ठ/अतिलघुतरी प्रश्न— $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

अध्ययन माडल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. ई. स. ठाकुर  2. डॉ. फूलदास महंत 
3. डॉ. बिहारी लाल साहू  4. डॉ. मीनकेतन प्रधान 
5. डॉ. उषा वेणगकर आठले  6. डॉ. वेणियार सिंह साहू 
7. श्री रामकुमार बंजारे  8. श्री नवनीत जगतरामका 
9. श्री राजीव गुर्जा 

सदर्म ग्रंथ :

1. प्रेमचंद : एक विवेचन : डॉ. इन्द्रनाथ मदान
 2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन : शमूनाथ
 3. प्रेमचंद और उनका युग : रामविलास शर्मा
 4. प्रेमचंद : सपादक - सत्येन्द्र
 5. प्रेमचंद के उपचाताओं में व्याख्यातेः : जर्मिला सिन्हा
 6. आद्यविष्व और गोदान : कृष्णमुरारी निश
 7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद : सत्यकाम
 8. पुनर्नवा और लोकजीवन : सुरेन्द्रप्रताप यादव
 9. आचार्य हजारीप्रसाद हिवेदी की : विद्यवासिनीनिदन पाण्डेय
 10. आचार्य हजारीप्रसाद हिवेदी के : डॉ. अरुण कुलकर्णी
 11. हिंदी उपन्यास : संस्कृत और इतिहास : मधुरेण
 12. आशुनिकता और हिंदी उपन्यास : इदनाथ मदान
-

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. गाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास. बिलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फौलदास महेत,

शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जौंगपीर-चांपा।

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

Dr. Bihari Lal Sahu

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकरेन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वेरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बीतेयार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बाजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

ओर्डोरिंग / नियम सेव :

1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मृत्युपूर्व निवारणी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुटा, धनुहारडेरा रायगढ़

अनुमोदित

- Dr. Bihari Lal Sahu

- Dr. Bihari Lal Sahu

Dr. Bihari Lal Sahu

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवृत्ति पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शाष्ट्र आलेख प्रस्तुत करना होगा। शिवार्थी को शाष्ट्र-निर्देशक के मानदण्डन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्फूर्ति लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

विवरिति विषय :

1. दलित ग्राम साहित्य
2. हिंदी ग्राम साहित्य में नारी-विमर्श
3. सातोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का ग्राम साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर अधिनिक हिंदी आलोचना / समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा-शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता

11. अन्य विषय : संर्वरात सामग्रीक एवं प्रासादिक (विभागीय संस्कृति से)

—0—

शोष आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)

मार्किंग: 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन–मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. डी. एस. गारुद,

प्राच्यापाक एवं विभागाध्यक्ष–हिंदी,

2. डॉ. पूर्णदास महंत,

शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

—  —

अनुमोदित
हस्ताक्षर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहरी लाल साहू,
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किलोमीटर कालोनी, रायगढ़



विभागीय सदस्यः

1. डॉ. मीनकेन ध्रुवान–प्राच्यापाक एवं विभागाध्यक्ष–हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. ज्योति वैरागकर आठले–सहायक प्राच्यापाक–हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. जीतेन्द्र सिंह साहू–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे–अतिथि व्याख्याता–हिन्दी : सदस्य

औचोगिक/निगम सीत्रः

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मूल्यपूर्व विद्यार्थी (न्यातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारड़े रायगढ़

: सदस्य

—

: सदस्य

—





हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 700 ई. से 1857 ई. तक) Code 901

प्रस्तावना :

सचित रूप वहाँ के साहित्य में परिलक्षित होता है। सामाजिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक आदि विभिन्न भारत प्रभावित होता रहा है, जिसकी गौँज हिंदी साहित्य में प्रतिष्ठित है। आठवीं-नवीं शताब्दी से भाषा-शैलियों का ज्ञान हिंदी साहित्य के इतिहास के माध्यम से ही किया जा सकता है। अतः इसका अध्ययन सर्वथा सार्वकार्य और समीचीन है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे ।

1. भारतीय साहित्य का वर्जन एवं साहित्योत्तरार्थ।
2. हिंदी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा, आधारस्तुत जामग्री और साहित्यितिहास के पुनर्जनन की रसरायाएँ।
3. हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा-निर्धारण और नामकरण।
4. हिंदी साहित्य : आदिकाल की पृष्ठभूमि, साहित्यिक प्रवृत्तियाँ, सिद्ध और नाथ साहित्य, चाचो काचा, जैन साहित्य, गद्य साहित्य, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ।
5. पूर्व मध्यकाल (भवित्वातः) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, सांस्कृतिक चेतना एवं भवित्व आदोलन, विभिन्न कालाघाराएँ तथा प्रमुख रचनाकारों का वैशिष्ट्य, भवित्वालीन गृह्य साहित्य-प्रमुख शुद्धि कवि और काव्य।
6. उत्तर मध्यकाल (रीतिकाल) की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, काल-सीमा और नामकरण, दरबारी संस्कृति और लक्षण ग्रंथों की परम्परा, रीतिकालीन साहित्य की विभिन्न धाराएँ (रीतिबद्ध, रीतिशिष्ठ और रीतिमुक्त), प्रवृत्तियाँ और विशेषताएँ, प्रतिनिधि रचनाकार और उनकी रचनाएँ, रीतिकालीन गद्यसाहित्य।

अंक विभाजन :

00

कुल अंक 80

- 3 आलोचनात्मक प्रश्न - $20 \times 3 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 5 लघुत्तरीय प्रश्न / टिप्पणी - $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
- 5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न - $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के चारस्त्रों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुर्वे
2. डॉ. वित्तरेजन कर
3. डॉ. विनय कुमार पाठक
4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
5. डॉ. (श्रीमती रवीन्द्र चौधेरी)
6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुरु
7. डॉ. बोटियार सिंह साहू
8. श्री नवनीत जगतरामका
9. श्री राजीव गुप्ता

ਲੋਕ

1. हिंदी साहित्य का इतिहास
 2. हिंदी साहित्य का इतिहास
 3. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
 4. हिंदी साहित्य की पूनिका
 5. हिंदी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
 6. हिंदी साहित्य का आधा इतिहास
 7. हिंदी साहित्य का इतिहास
 8. भारतीय साहित्य
 9. भारतीय साहित्य
 10. मार्गीय साहित्य : स्थानान्तरे और प्रस्तावनाएँ
 11. मार्गीय साहित्य : आशा और आस्था
 12. मार्गीय साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
 13. हिंदी लेख साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
 14. हिंदी साहित्य के विकास की रूपरेखा
 15. हिंदी साहित्य का आदेकाल
 16. साहित्य और इतिहास-टृटि
 17. हिंदी साहित्य का आदेकाल एवं बीसलदेव राम
 18. हिंदी साहित्य का इतिहास : पुनर्जेवन की समस्याएँ
 19. इतिहास दर्शन और हिंदी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ
 20. आदिगानेन हिंदी साहित्य की सास्कृतिक पीठिका
 21. साहित्योत्तर संस्कृत
 22. भारतीय साहित्य
 23. साहित्योत्तरसंस्कृत-गीतांगा

अध्ययन-मॉडल के सदस्यों के हस्तांतर

३५८

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य
 2. डॉ. वित्तरंजन कर,
पूर्व विमानाध्यक्ष भाषा विज्ञान
एवं रविशक्ति चुक्ल लिंग. रायपुर (छ.ग.)

הנתקן

विद्यागीय सदस्यः

1. डॉ. मीनकरेन प्रधान—प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्यया
 2. डॉ. (श्रीमती) रथीन्द्र चौधेरे—सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
 3. सुश्री लक्ष्मणराम कुर्से—सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
 4. डॉ. बैठियार सिंह साहू—अधिकारी व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

$$= \frac{2}{\pi^2}$$

प्राप्ति पर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15)

- प्रधान सपादक - हमारे टाइम्स, शियावड
विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15)
मी. राजीव गुप्ता
धनुहरडेश रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2018–2019 एवं 2019–2020

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

ପାଥ୍ୟ ମୂଳନପତ୍ର ଛାତୀଯ

महत्व रहा है। भाषितकालीन काल्य या भवितव्यकालीन काल्य का साहित्यितास में विशेष लोक-जगत्रण और लोकमंगल का नवीन स्वर लेकर आया। इसने भारत की

(आतंरिक विकल्प युक्त) किये जायें। दूसरा पाठ से लघूतरी प्रश्न (विकल्प युक्त) एवं प्रश्न पत्र में

१. कर्वीर : सपादक – रथायासंदर दृश्य (पार्श्विक) :

दार्शनिकता, प्रासादीकता, उल्लंघनियां, प्रतीक पद्धतियां, काव्यकला और भाषा
2. तुलसीदास : रामचरित मानस (संस्कृत नामान्तर अंग्रेजी)

लोकनायकत्व, दार्शनिकता, गीतित्व आवश्यक हैं।

3. सूखाता: भ्रमरीत भार - सम्पादक - आचार्य रामचंद्र शुपल (51 से 100 तक) आलोचना-व्यापितत-कठिन भ्रमन पाठ्य |

कला, भ्रमणीत की दार्शनिक पृष्ठभूमि।

कुं। याट के कावः विद्यापति, मीराबाई, दादूदयाल, रैदास, रहीमग

ପ୍ରକାଶକାଳିନ

૩ વ્યાખ્યા

$$-3 \times 5 = 15 \quad (\text{प्रश्न पत्र में निर्धारित गीनों कृतियों से})$$

५ वर्षानुसंध प्रश्न / अति लघूत्तमी प्रश्न- $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित सम्पूर्ण पाठ्य विषय से)

ଶ୍ରୀ କମଳ ପାତ୍ର

1.डॉ. राजेश दुवे
3डॉ. विनय कुमार पट्टक
5 डॉ.(श्रीमती)रखीन्द्र चौधे
7 डॉ. बोधियार सिंह साह
9 श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. चित्रांगन कर
4 डॉ. मीनाक्षीतन प्रधान
6 सुशील कुमार लक्ष्मणस्वामी
8 श्री नवगीत जगतसंकाल

हस्ताक्षर

~~प्रमाणित करने वाले~~

2. डॉ. चितरंजन कर
 4. डॉ. मीनकोतन प्रधान
 6 सुशी लक्ष्मीस्थारी कुर्स
 8 श्री नवनीत जगतसमंका

संदर्भ ग्रंथ :

1. सुरदास
2. अदोलन और सुरदास का काव्य
3. दूर साहित्य
4. महाकवि सुरदास
5. कबीर
6. कबीर तेरे लम्प अनेक
7. कबीर की कविता
8. कबीर भाषा
9. कबीर भाषा
10. रामगीत में खेसक सम्बन्ध
11. तुलसी
12. तुलसी गंजरी
13. वैष्णव भजित आदोलन का अध्ययन
14. रामचरित मानस
15. रामचरित मानस का तुलनात्मक अध्ययन
16. कबीर द्वारा तुलसी
17. विद्यापति के गीत
18. भक्ति काल्पनिका
19. रहस्यपद
20. सत याहित्य और लोकग्रन्थ
21. रामचरितमानस : पाठ, लोला, विचार
22. तुलसीदात
23. अकथ कहनी प्रेम की
24. रामचरित मानस
25. रामचरित मानस में चरित्र-सृष्टि

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास्त्रनवीन महाविद्यालय खरोला, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. चितरजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. एविशक्त युवत विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) एवीन्द चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. युशी लक्ष्मणवरी बुर्जे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. वीरेन्द्र सिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

ओद्योगिक / नियम सीन्स :

1. श्री नवनीत जातरामका,

प्रधान संपादक इस्यात टाइम्स, रायगढ़

प्रत्पूर्व विद्यार्थी (न्यातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव युप्ता

घुजराटेरा रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

- हरवंशलाल शर्मा
- मैनेजर पाण्डेय
- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- नंददुलारे वाजपेयी
- सपादक : विजयेन्द्र सातक
- सपादक : महावीर अग्रवाल
- हजारीप्रसाद द्विवेदी
- डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
- डॉ. रामचंद्र तिवारी
- डॉ. भावतीप्रसाद द्विवेदी
- सपादक : उदयगानु सिंह
- सपादक : विद्यानिवास मिश्र
- डॉ. मलिक मुहम्मद
- सुधाकर पाठेय
- डॉ. शिवकुमार शुक्ल
- डॉ. योगेन्द्र प्रताप सिंह
- वैजनाथ सिंह
- डॉ. रामबल्लभ चतुर्वेदी
- राममृति विपाठी
- ओमप्रकाश विपाठी
- स्वपा सिंह
- नंदकिशोर नवल
- कुलशेत्रम अग्रवाल
- रमा सिंहा
- डॉ. योगेश दुबे

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम. प. हिंदी-सेमेरटर प्रथम
अनिवार्य प्र०१८१९

प्रस्तावना : साहित्य आद्यात् एक भाषिक लोकोत्तिमि है। साहित्य के गोपनेर अध्ययन के लिए भाषिक प्रणाली के लिए भाषिक इकाइयों ज्ञान अपरिहार्य है। भाषा विज्ञान भाषा की वर्तुनिष्ठ अध्ययन विच्यास को आलोकित करने के बहुत अध्येता को भाषिक अंतर्दृष्टि देता है अपितु भाषा-विषयक विवेचन के लिए एक निष्पक्ष भाषा भी प्रदान करता है। भाषा के साहित्यतर प्रयोजन मूलक लिखे के अध्ययन में भी भाषावैज्ञानिक विचेन का लाभ दृष्टिगोचर होता है।

१. भाषा और भाषाविज्ञान :

(अ) भाषा - परिभाषा, उत्तित के सिद्धांत, विशेषताएं एवं प्रवृत्तियाँ।

(ब) भाषा विज्ञान - भाषा विज्ञान का स्वरूप एवं व्याप्ति।

(स) साहित्य और भाषा विज्ञान - साहित्य के अध्ययन में भाषा विज्ञान के अंगों की उपयोगिता।

२. धनि विज्ञान (खेत-प्रक्रिया) - धनि विज्ञान का स्वरूप, वाल्क अवयव एवं उनके कार्य, धनि का चर्णकरण - स्थान प्रवाल करण।

३. पद विज्ञान (खेत-भाषा) - अव्याख्या, धनि भाषा के खेत-खण्ड्य और खण्ड्येतर।

४. खेत भाषा (जिपग) - लोपित की अवधारणा

५. खेत भाषा के खेत- १. प्रयोग के आधार पर - मुक्ति, वक्त, वक्त, मुक्ति-वक्त २. खेतना के आधार पर -

६. खेती कलाश - खण्ड्यात्मक, अखण्ड्यात्मक।

७. वाक्य संबंधी सिद्धांत - स्फोटवाद, अंतिम वर्णवाद, वर्ण समृह्वाद, अभिहितात्मवाद,

८. वाक्य के खेत - खेता, आकृति, अर्थ, क्रिया एवं शैली के आधार पर।

९. अर्थविज्ञान : अर्थ की अव्याख्या, शब्द और अर्थ का संबंध, पर्याप्ता, अनेकार्थता, विलोभता,

अर्थ-परिवर्तन : - अर्थ परिवर्तन की विशाएँ, अर्थ परिवर्तन के कारण ।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03 आलोचनात्मक प्रश्न

- 3 × 20 = 60 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

03 लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन - 3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

05 वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न - 5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे

2. डॉ. वित्तरेजन कर

3. डॉ. विनय कुमार पाठक

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधेरी

6. सुश्री लक्ष्मेश्वरी चौधेरी

7. डॉ. चट्टियर सिंह साहू

7. श्री नवनीत जगतरमका

9. श्री राजीव गुप्ता

8. श्री नवनीत जगतरमका

✓ ✓ ✓ ✓ ✓ ✓ ✓ ✓ ✓

संदर्भ ग्रंथ :

1. भाषा विज्ञान : राजमल वोरा
2. हिंदी शब्दावलीशासन : पं. विशोरीदास बाजपेयी
3. भाषा विज्ञान : मौलाना तिवारी
4. भास्तुतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. ब्रजेश्वर यम्भ
5. भाषा विज्ञान : सैद्धांतिक चितन : डॉ. ब्रजेश्वर यम्भ
6. भाषाविज्ञान की भूमिका : रवीन्द्रनाथ शर्मा
7. भाषा एवं भाषा विज्ञान : देवेन्द्रनाथ शर्मा
8. अध्युक्तिक भाषा विज्ञान : महातीर सरन जैन
9. भाषा विज्ञान की लक्षण : डॉ. राजमणी शर्मा
10. भास्तुतीय भाषा विज्ञान : डॉ. रविदत्त कौशिक
11. आधुनिक भाषा विज्ञान के सिद्धांत : पं. किशोरीदास बाजपेयी
12. आधुनिक भाषा विज्ञान : डॉ. रमाकिशोर शर्मा

अध्ययन-ग्रंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

प्राचार्य
1. डॉ. राजेश ठुवे.

2. डॉ. वित्तराजन कर.
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

फुलपति द्वारा नामांकित : पं. रविशंकर शुक्ल विवि. रायपुर (छ.ग.)

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-चत्तीसगढ़ी भाषाभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :
 1. डॉ. भीमेन्द्रन प्रभान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. (श्रीमती) रमेश्वर चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
 3. सुश्री लक्ष्मीनुरेस-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
 4. डॉ. लैलिता रिंग साह-अधिकारी व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

ओर्छांगिक/निपाम कोत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

मुख्य प्रत्यक्ष विद्यार्थी (नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता

धनुषहरड़ेरा रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

सदस्य

सदस्य

सदस्य

सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2018-2019 एवं 2019-2020

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर प्रथम

आधुनिक गद्य साहित्य : हिंदी नाटक एवं निबंध Code 904

प्रस्तावना :

नाटक साहित्य की महत्वपूर्ण विधा है। यह शब्द एवं अध्ययनसाय का विषय बन सत्त्य तथा कल्यान से सम्बंधित विलक्षण रूप चेतना प्रदान करते हुए अपने साथ में दृश्य होने के कारण सीधे संगमव से जुड़ा हुआ है। जिसे विवेद प्रौढ़ तथा शिक्षित लिखक आकार देते हैं। इसीतरह निवेद विश्वसनीय प्रतीक्षित है।

इस प्राप्ति पत्र में समावृत्त दोनों नाटकों/निवेदों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यातक प्रश्न किये जायेंगे। दोनों नाटकों/निवेदों से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। हुत पाठ से विकल्प 'युक्त लघूतरी' /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। वर्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न सारूप्य पाठ्य-विषय से किये जा सकेंगे।

पाठ्य विषय :

- नाटक :
 1. जयशंकर प्रसाद
 2. गोहन राक्षेश
- निवेद :
 1. रामचंद्र युवल : चंद्रगुप्त
 2. हजारीप्रसाद द्विवेदी : कविता क्या है?
 3. नंददुलारे वाजपेयी : शिरोष के फूल
 4. हरिशकर परसाई : निराला

- द्वितीय पाठ के नाटककार :
 द्वितीय पाठ के नाटककार : भारतीन्दु हरिशचंद्र, धर्मवीर भारती, विष्णु प्रमाकर।

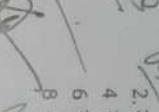
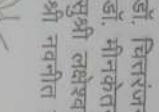
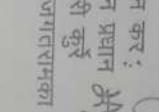
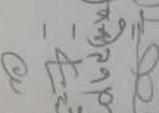
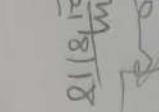
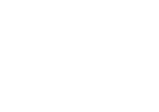
- आचार्य महावीरप्रसाद द्विवेदी, पं.लोचनप्रसाद पाण्डेय, कुमेरनाथ राय

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- 3 व्याख्या - $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निवेदों से)
 2 आलोचनात्मक प्रश्न - $2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित दोनों नाटकों एवं निवेदों से)
 3 लघूतरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन- $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित हुत पाठ से)
 5 वर्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न- $5 \times 1 = 5$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

- 1.डॉ. राजेश दुर्वे - 
 2.डॉ. वित्तराजन कर : 
 3.डॉ. विनय कुमार पाठक - 
 4.डॉ. मीनकेतन प्रशान 
 5.डॉ.(श्रीमती)रमेश चौधे - 
 6.सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्ते - 
 7.डॉ. वेठियार सिंह साह - 
 8. श्री नवनीत जगतरामका - 
 9. श्री राजीव गुप्ता - 

सदर्म ग्रंथ :

: डॉ. मोहन अवस्थी

: देवीप्रसाद चर्मा

: ईश्वरशरण पाण्डे

: शिख बहरा

: जयनाथ नतिन

: पचाकर भर्मा

: डॉ. चट्टलाल दुबे

: अत्यपात चुम्पा

: डॉ. शांतिगापाल पुरोहित

: डॉ. धनंजय

: जगदीश शर्मा

: एकलित

: निरीश रस्तोगी

: केवर सिंह

: अर्जुन के. तडवी

: डॉ. तुरेश गोहरेवरी

: डॉ. दिलीप देशमुख

: डॉ. बारुण म

: डॉ. भरत पटेल

: डॉ. बच्चन सिंह

: सपादक - डॉ. विनय कुलार पाठक

: सपादक - सत्येन्द्रकुमार तनेजा

- अध्ययन—गंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :**
1. डॉ. राजेश दुबे.
 2. डॉ. वित्तरंजन कर.
 - पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
 - प. रविशक्त शुक्ल विवि लालपुर (छ.ग.)

अनुमोदित
हस्ताक्षर

- विषय विशेषज्ञ :**
1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष—हिन्दी, अध्याक्ष—छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन लालपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकरेन प्रधान—प्राव्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्याक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) स्तोन्द चौधे—सहायक प्राव्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुशी लक्ष्मणरी कुर्हे—सहायक प्राव्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. विठ्ठल सिंह साह—अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

1. श्री नवनीत जगतरमणका,

प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स लालपुर

मृतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता

धनुहरडेश लालपुर

: सदस्य

: सदस्य

: सदस्य

प्रस्तावना :-

एक विषय/अंश विशेष पर लगाभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को आलेख की स्वच्छ रूप-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा नियमित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

1. मुक्तिवोध का गद्य साहित्य
2. शरद जोशी का व्याघ्र साहित्य
3. महादेवी बर्मा का गद्य साहित्य
4. लोचनप्रसाद पाण्डेय का गद्य साहित्य
5. मध्यवराव संघे का गद्यसाहित्य
6. हृषीव तजवीर के जटक
7. छत्तीसगढ़ी भाषा-साहित्य के विषय व्याकरणिक रूपों का विवेचन
8. किसी एक पाठ्यक्रमेतर नाटक का तात्परक अध्ययन रामबीय विवेचन
9. पाठ्यक्रमेतर निर्धारों का विवेचन
10. जीवनी/चीरितालक कृति का अध्ययन
11. आदिकाल एवं शीतिकाल के महिला साहित्यकारों का वैशिष्ट्य
12. भारत में सूफी मत, का विकास। सूफी मत में लोकगीतन और लोकसंस्कृति के तत्त्व
13. भारतीय साहित्य में आज के भारत का विषय और हिंदी साहित्य में भारतीय मूल्यों की अभिव्यक्ति।
14. अन्य विषय : संर्वाग्रत सामाजिक एवं प्रासादिक (विभागीय संरचना से)

अंक विभागन : कुल अंक : 50. शोध आलेख: 30 अंक, मौखिकी : 20 अंक
अध्ययन-प्रृष्ठों के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. राजेश दुबे.

प्राचार्य

शासनवीन महाविद्यालय खरोल, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वितरजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

प. एविशंकर शुक्ल विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (आमती) रघोन्द धीरो-सहायक प्राच्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुशी लक्ष्मणसे कुर्दे-सहायक प्राच्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेतियार सिंह शाह -अतिविध्याकारा ता हिन्दी : सदस्य

औचोगिक/नियम द्वारा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

: सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता

प्रधान संपादक इस्यात टाइम्स, रायपुर

डॉ. : सदस्य

धनुहारडेश रायपुर

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी

सेमेस्टर द्वितीय

अनिवार्य प्रश्न पत्र प्रथम

हिंदी साहित्य का इतिहास (सन् 1857 से आज तक) code 905

प्रस्तावना :

सन् 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के साथ समूचे भारतीय समाज में सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक, सांस्कृतिक परिवर्तन होने लगे थे। इसका प्रभाव हिंदी भाषा और साहित्य पर भी दृष्टिगोचर होता है। एक ओर विभिन्न बोलियों का स्थान खड़ी बोली हिंदी ले रही थी, वहीं दूसरी ओर साहित्य के विषयों में भी स्वाधीनता आंदोलन एवं स्वतंत्रता के स्वर मिलने लगे। स्वतंत्रता के पहले और बाद अनेक प्रकार की विचारधाराएँ और शैलियाँ विकसित हुईं, जिनके विकास का क्रमबद्ध अध्ययन इस प्रश्नपत्र का उद्देश्य है।

इस प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

- आधुनिक काल की सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक एवं सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, सन् 1857 की राजक्रांति और पुनर्जागरण।
- भारतेन्दु युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- द्विवेदी युग : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- छायावादी युग : हिंदी स्वच्छंदतावादी चेतना का अग्रिम विकास : छायावादी काव्य – प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- उत्तर छायावाद : विविध प्रवृत्तियाँ : प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, नवगीत, समकालीन कविता, उत्तराधुनिकतावादी कविता, नारी विमर्श, दलित विमर्श : प्रमुख साहित्यकार, रचनाएँ और साहित्यिक विशेषताएँ।
- हिंदी गद्य साहित्य की प्रमुख विधाओं का विकास – कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, संस्मरण, रेखाचित्र, जीवनी, आत्मकथा, रिपोर्टज़ आदि।
- हिंदी आलोचना का उद्भव और विकास।
- उर्दू साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
- उड़िया साहित्य का संक्षिप्त इतिहास।
- हिंदीतर क्षेत्रों तथा देशांतर में हिंदी भाषा और साहित्य।

—00—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न $3 \times 20 = 60$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

3 लघूतरीय प्रश्न /टिप्पणी लेखन $3 \times 5 = 15$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ /अतिलघूतरी प्रश्न $5 \times 1 = 05$ (इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर

3. डॉ. विहारी लाल साहू

5. डॉ. उषा वैरागकर आठले

7. श्री रामकुमार बंजारे

9. श्री राजीव गुप्ता

2. डॉ. फूलदास महंत

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. डॉ. बेठियार सिंह साहू

8. श्री नवनीत जगतरामका

*प्रदीप**Usha**Ram**Naveen**मीनकेतन**नवनीत**जगतराम*

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास
2. दूसरी परम्परा की खोज
3. जायवात एवं अन्य निश्चय
4. आधुनिक हिंदी साहित्य की भूमिका
5. आधुनिक हिंदी साहित्य का आदेकान
6. आधुनिक हिंदी गद्य और गद्धकार
7. जायवादोत्तर हिंदी काव्य की सामाजिक और सार्कृतिक मुठभूमि
8. उत्तराखण्डिक साहित्यिक विमर्श
9. जर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास
10. स्वतंत्रोत्तर हिंदी साहित्य का इतिहास
11. प्रातिवादी काव्य में राजनीतिक एवं सामाजिक चैतन्य
12. दैरिच : विखंडन की सौकृतिकी
13. हिंदी आलोचना का विकास
14. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
15. ओडिया साहित्य का इतिहास
16. दलित साहित्य का सौकृतर्यासन
17. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास
18. आधुनिक साहित्य की प्रयुक्तियाँ
19. हिंदी साहित्य : बीसवीं शताब्दी
20. आधुनिक साहित्य और प्रयोगवाद
21. ऊतिवादी विमर्श : समाज और साहित्य
22. नई विमर्श : साहित्यिक और व्यावहारिक संदर्भ
23. दलित साहित्य : प्रकृति और संदर्भ
24. दलित साहित्य : लेखक आयाम
25. नारी विमर्श की नई दिशाएँ

अध्ययन—मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,
संह. प्राच्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जौंगनीर—चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहंसी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीगढ़ कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेनन प्रधान—प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्ययन
2. डॉ. उषा वेरागकर आठले—साहायक प्राच्यापक—हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बाठेयर लिहे—साहू—जीवित व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकृष्ण पाटेल—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी : सदस्य

जौंगनीर/निगम द्वारा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स रायगढ़

मृत्यु विधार्थी (लातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2013–14) :

श्री राजीव गुरु, घुरुहारड़ा रायगढ़

: वाचन सिंह	: वाचन सिंह
: नामवर सिंह	: संपादक – सतीश चतुरेंद्री
: लक्ष्मीसिंह वार्ष्ण्य	: श्रीनारायण चतुरेंद्री
: डॉ. जेकब पी. जॉन	: डॉ. जेकब पी. जॉन
: डॉ. कमलाप्रसाद	: सुलोग पवीरी
: प्रा. सीयद ऐहुरसाम हुसैन	: डॉ. बाल्लभ देसाई
: डॉ. वारुप देसाई	: योगेन्द्र प्रताप सिंह
: डॉ. निला प्रधान	: डॉ. पूर्णिमा कीडिया
: उद्धीष पवीरी	: अमरप्रकाश वात्सीकि
: नदकिशोर नवल	: डॉ. बच्चन सिंह
: योगेन्द्र प्रताप सिंह	: नामस्त सिंह
: डॉ. अचार्य नन्ददुलारे चाजपेयी	: डॉ. नास्कर नवा
: श्रीमा शर्मा	: डॉ. कलणा उमरे
: डॉ. कंसंग नवले	: डॉ. तुनीता साखरे
: डॉ. रेणुका मारे	-

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-हितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र हितीय

प्रस्तावना :

पूर्वगण्यकाल में सूफी काव्य की एक संखक्त धारा दिखाई देती है, जिसमें हिंदू और

समग्रता में समझने के लिए अनिवार्य है। इनका अध्ययन समाज, संस्कृति और युग की धड़कनों को एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दूसरा पाठ से विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक किये जाएंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त लक्ष्यतारी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न प्रश्न :

1. जायसी :

संक्षिप्त पद्मावत – (पद्मावती खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड)

2. घनानंद :

घनानंद चर्यनिका

3. बिहारी :

बिहारी सार्वदेशी सम्पादक – ओमप्रकाश (प्रारम्भिक 100 दोहे)

दृष्टि पाठ के कवि : केशव, देव, भूषण, सोनापति, पद्माकर

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 व्याख्यात्मक प्रश्न

$$-3 \times 10 = 30 \text{ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)}$$

2 आलोचनात्मक प्रश्न

$$-2 \times 15 = 30 \text{ (प्रश्न पत्र में निर्धारित तीनों कृतियों से)}$$

3 लघुतरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन-3 × 5 = 15 (प्रश्न पत्र में निर्धारित दृष्टि पाठ से)

5 वर्तुनिष्ठ / अतिलघुतरी प्रश्न-5 × 1 = 05 (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डॉ. एस. नाथर

Dr. NATHR

2. डॉ. फूलदास महत

Fuldas Mahat

3. डॉ. विहारी लाल साहू

Dr. Bihari Lal Sahu

4. डॉ. मीनकरन प्रशान

Dr. Meenakaran Prashan

5. डॉ. उपा दैरागकर आठले

Dr. Upendra Dairagkar Aathale

6. डॉ. शेतियार सिंह साहू

Dr. Sethiyar Singh Sahu

7. श्री रामकृष्ण बंजारे

Ramkrishna Banjare

8. श्री नवनीत जगतरामका

Neenat Ramaka

संदर्भ ग्रंथ :

1. पाननद : काल्य और आलोचना
2. पाननद का काल्य
3. बिहारी भाष्य
4. बिहारी की काल्य-साधना
5. बिहारी
6. बिहारी : अलीचनालक अध्ययन
7. बिहारी का नया मूल्यांकन
8. सुनी मत
9. प्रधानवत का अनुशीलन
10. जावडी : एक नई दृष्टि
11. शीतोकालीन कठिता में भौजितल
12. हिंदी शीते जाहिल्य
13. शीतोकालीन कठितों की प्रेष-योजना
14. शीतोकाल्य की इतिहास-दृष्टि
15. शेषांकास
16. कोव-कोवयुग्मा
17. गोप का काल्य
18. हिंदी साहिल्य का गव्यांकन
19. शीतोकाल्य में जलकालीन सामाजिक अवस्था का सरलण्ड
20. बोया के काल्य में जीवन-मूल्य
21. शीतोकाल कठित लक्ष्य और उनका काल्य
22. कठित आलम और उनकी आलमकोति
23. गव्ययुग्मन रहस्यगती प्रवृत्तियों के गुल चोत : जी. आदममान उपाध्याय
24. गव्यांकन रहस्यगती का गुल चोत : जी. आदमक - जी. दिलीप देहरा
25. गव्य का प्रशासितकाल्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डॉ. एस. ठाकुर,

प्राच्यपाक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी

2. डॉ. फूलदास महेत,

सह. प्राच्यपाक / प्रभारी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, लिला जैजगीर-चापा

कुलपति द्वासा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवा निष्ठा लाल साहू, 17, किरोडीगढ़ कालोंगी, रायगढ़

बिहारी लाल साहू

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मोनकोतन प्रधान-प्राच्यपाक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी

2. डॉ. जया देवगढ़कर आठलो-सहायक प्राच्यपाक-हिन्दी

3. डॉ. बेतियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी

4. श्री रामकृष्ण बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी

ओघोनिक / नियम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरमका,

प्रधान संपादक इस्पत टाइम्स रायगढ़

मूर्तपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता, धुहुरड़ी रायगढ़

: सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

मोनकोतन प्रधान

जया देवगढ़कर

बेतियार सिंह

रामकृष्ण बंजारे

नवनीत जगतरमका

-

-

-

1. डॉ. विश्वरीलाल : डॉ. सददव शुभुल

2. डॉ. देशराजसिंह बटी : डॉ. देशराजसिंह बटी

3. डॉ. राजकियोर सिंह : डॉ. राजकियोर सिंह

4. डॉ. वल्लभ सिंह : डॉ. वल्लभ सिंह

5. डॉ. कर्णेया सिंह : डॉ. कर्णेया सिंह

6. डॉ. रमेश नारा : डॉ. रमेश नारा

7. डॉ. रमेश नारा : डॉ. रमेश नारा

8. डॉ. गोरख निश्च : डॉ. गोरख निश्च

9. डॉ. वचन सिंह : डॉ. वचन सिंह

10. डॉ. रमेश कुमार : डॉ. रमेश कुमार

11. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

12. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

13. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

14. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

15. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

16. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

17. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

18. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

19. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

20. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

21. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

22. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

23. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

24. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

25. डॉ. रमेश रामा : डॉ. रमेश रामा

एम. ए. हिंदी
सेमेस्टर-द्वितीय

प्रस्तावना :

अंतिम प्रस्ताव द्वितीय : हिंदी भाषा Code 907

भाषा वैज्ञानिक आधार पर हिंदी भाषा का ऐतिहासिक विकासक्रम भौगोलिक विस्तार और शिष्टाचार, विवास और मानवता तथा हिंदी में कृष्णतर सुविधाओं विषयक जानकारी से इस विकास के आधुनिक काम का विवरण हिंदी के अध्ययन के लिए अत्यंत उपयोगी है। हिंदी प्रस्ताव/टिप्पणी लेखन/वर्तुनिष्ठ प्रस्ताव/अंति लघूतरी प्रस्ताव किये जाएं।

1. हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि :

ग्रामीन भारतीय जार्य भाषाएँ –

वैदिक संस्कृत, तौकिक संस्कृत – उनकी विशेषताएँ –

- मालि, प्राकृत – शारसी, अध्यायालयी, मार्गी, अप्रसं – उनकी विशेषताएँ।

2. हिंदी का भौगोलिक विस्तार :

हिंदी की उभयभाषा –

परिवर्ग हिंदी, पूर्वी हिंदी, राजभाषानी, बिहारी तथा छाड़ी और उनकी वौलियाँ।

3. हिंदी का भाषिक स्वरूप –

हिंदी उभय-भाषा –

उपर्याख, रस्ता –

हिंदी उभय-भाषा –

लिङ्‌ग, वचन, कारक-व्यवरण, संज्ञा, जर्दनाम, विशेषण और क्रियालय।

4. हिंदी के विविध रूप –

पद्धति और अन्विति।

5. हिंदी की साहित्यिक रिथर्ने।

हिंदी की साहित्यिक रिथर्ने।

- कार्यालयीन हिंदी (राजभाषा) :

5. देवनागरी लिपि :

युत्तित, विशेषताएँ और मानवीकरण।

अंक विभाजन :

03 आलोचनात्मक प्रस्ताव — कुल अंक 80

03 लघूतरी प्रस्ताव — $3 \times 20 = 60$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

05 वर्तुनिष्ठ प्रस्ताव — $3 \times 5 = 15$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अन्यथा नाभल के लाभस्तो के छलाल — $5 \times 1 = 05$ (संपूर्ण पाठ्य विषय से)

1. डॉ. एस. नाकुर	<u>Signature</u>	2. डॉ. फूलदास महंत
3. डॉ. बिहारी लाल साहू	<u>Signature</u>	4. डॉ. मीनकेतन प्रयान
5. डॉ. उषा वैद्यनाथ आठले	<u>Signature</u>	6. डॉ. बैठियार सिंह साहू
7. श्री रामकृष्णमार बंजारे	<u>Signature</u>	8. श्री नवनीत जगतरामका

संदर्भ ग्रंथ :

1. हिंदी भाषा की साधि—संरचना : डॉ. मोलानाथ लिवारी
2. हिंदी संज्ञा—संरचना और लेपन : डॉ. प्रीति सोहनी
3. भारतीय आर्यमापा और हिंदी : सुनीतिकुमार चाईड़वर्जा
4. हिंदी भाषा का उदयन और विकास : डॉ. उदयनरत्नवण लिवारी
5. भाषा एवं भाषाविज्ञान : महावीरसरन जैन
6. हिंदी भाषा : इतिहास एवं स्वरूप : डॉ. राजनी शर्मा
7. हिंदी भाषा—संरचना के विविध आयाम : रमीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
8. हिंदी भाषा का इतिहास : डॉ. मोलानाथ लिवारी
9. भाषा : इतिहास की भाषावैज्ञानिक भौमिका : जो. वादियोज
10. भारतीय भाषाओं का भाषावैज्ञानिक अध्ययन : डॉ. ब्रजेश्वर शर्मा
11. भाषावैज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा : डॉ. राधिकाप्रसाद सक्सेना
12. हिंदी शब्दज्ञान
13. अपशंस के योग : प. किशोरीदात्त बाजपेयी
14. भाषा और प्रौद्योगिकी : नामवर सिंह
15. भाषा और व्यवहार : डॉ. विनोद प्रसाद
16. हिंदी : विविध व्यवहारों की भाषा : ब्रजमोहन
17. हिंदी की मानक वर्तनी : सुवास कुमार
18. हिंदी भाषा : निकास और स्वरूप : कैलाशचंद्र माठिया
19. भाषा नितन के नए आयाम : डॉ. रामकिशोर शर्मा
20. हिंदी व्याकरण मीमसा : काशीराम शर्मा
21. वाल्य—संरचना और विश्लेषण : नए प्रतीकानन् बदरीनाथ कम्पुर
22. हिंदी का वैश्विक परिदृश्य : डॉ. पटित बने

आध्यायन—मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. गढ़वाल
2. डॉ. प्रव्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी

शास्त्र विलासा कान्या भानुतकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

सहा. प्राव्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास्त्र भाग्यविद्यालय, जैजेपुर, निला जौंजपीर—चांपा

फुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहसी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकोत्तन प्रधान—प्राव्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा शेरगतक आठते—सहायक प्राव्यापक—हिंदी : सदस्य
3. डॉ. वेणियार शिंह साहू—अतिथि व्याख्याता—हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकृष्ण बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिंदी : सदस्य

आद्योगिक / निगम हस्त :

1. श्री नवनीत जगतरमभा,

प्रधान संपादक इस्यात टाइम्स, रायगढ़

न्यूतपूर्व विद्यालयी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014–15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,

धनुहराड़ेरा रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018
 एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय
 अनिवार्य प्रश्नपत्र - चतुर्थ

प्रस्तावना :

आज गद्य साहित्य उपन्यास एवं कथा साहित्य जैसी विधाओं के साथ गमन से विश्वासीक इसमें किसी क्षेत्र के विशेष या सीमित फलक पर धृति होने वाली ऐतिहासिक, राजनीतिक, सामाजिक, सांख्यिक, आर्थिक, भौविज्ञानिक घटनाओं तथा उनके परिप्रेक्ष्य में अनेक व्यक्ति-समूहों को वित्रित किया जाता है अतः इन विधाओं का अध्ययन अपेक्षित है। इन विधाओं के क्रमिक विकास के साथ कुछ कृतियों का अध्ययन भी अपेक्षित है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यातान्क प्रश्न किये जायेंगे। उपन्यासों/कहानियों से आंतरिक विकल्प युक्त तीन व्याख्यातान्क द्वितीय पत्र से विकल्प युक्त युक्त लघुतरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। समूचे पाठ्य-विषय से पाठ्य विषय :

1. गोदान  : प्रेमचंद
 2. पुनर्जीवी : हजारीप्रसाद द्विवेदी
- कहानी :
1. उसने कहा था : बंधर शर्मा 'गुर्जेर'
 2. आकाशदीप : जयशंकर प्रसाद
 3. कफन : प्रेमचंद
 4. वापसी : उषा प्रियदा

द्वितीय पाठ :

उपन्यासकार : जैनेन्द्रकुमार, फणीरकरनाथ रेणु, यन्तु भडारी ।

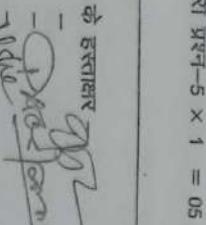
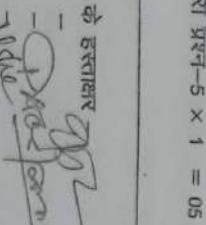
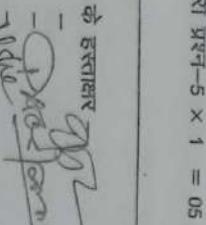
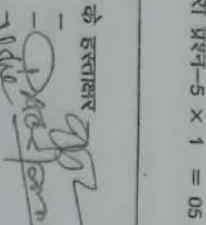
कहानीकार : कमलेश्वर, कृष्ण सोबती, अमरकांत ।

अंक विभाजन :

		कुल अंक 80
03	व्याख्या	$3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
02	आलोचनात्मक प्रश्न	$2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित उपन्यास/कहानियों से)
03	लघुतरी प्रश्न	$3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित द्वितीय पाठ से)
05	वर्तुनिष्ठ / अतिलघुतरी प्रश्न	$5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ से)

— 00 —

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. एस. ठाकुर	—	2. डॉ. कृलदास महंत
2. डॉ. बिहरी लाल साहू		3. डॉ. मीनकर्तन प्रधान
5 डॉ. उषा वैराग्यकर आठले		6 डॉ. बैठियार सिंह साहू
7 श्री रामकृष्ण बंजारे		8 श्री नवनीत जगतरामका
9 श्री राजीव गुप्ता		

संदर्भ ग्रंथ :

- | | |
|--|---------------------------|
| 1. प्रेमचंद : एक विवेचन | : डॉ. इंद्रनाथ मदान |
| 2. प्रेमचंद का पुनर्मूल्यांकन | : शंभूनाथ |
| 3. प्रेमचंद और उनका सुग | : रामविलास शर्मा |
| 4. प्रेमचंद | : संपादक - सत्येन्द्र |
| 5. प्रेमचंद के उपन्यासों में व्यंग्यबोध | : उर्मिला सिन्हा |
| 6. आद्यबिम्ब और गोदान | : कृष्णमुरारी मिश्र |
| 7. आलोचनात्मक यथार्थवाद और प्रेमचंद | : सत्यकाम |
| 8. पुनर्नवा और लोकजीवन | : सुरेन्द्रप्रताप यादव |
| 9. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी की
साहित्य सर्जना | : विध्यवासिनीनंदन पाण्डेय |
| 10. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी के
उपन्यास : संस्कृति और इतिहास | : डॉ. अरुण कुलकर्णी |
| 11. हिंदी उपन्यास का विकास | : मधुरेश |
| 12. आधुनिकता और हिंदी उपन्यास | : इंद्रनाथ मदान |

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

Mr. D. Jam.

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

- M. K. Patil
- Usha Vaidya
- Bethiyar Singh
- Ramkumar Bhanji

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

-

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता,
धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

-

Y

प्रस्तावित सत्र 2016-2017 एवं 2017-2018
एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय
परियोजना-कार्य Code 918

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ/स्व-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय :

1. दलित गद्य साहित्य
2. हिंदी गद्य साहित्य में नारी-विमर्श
3. साठोत्तरी हिंदी कथा साहित्य
4. छत्तीसगढ़ का गद्य साहित्य
5. हिंदी कथा साहित्य में उत्तरआधुनिकता
6. हिंदीतर भाषा-साहित्य का अध्ययन
7. पाठ्यक्रमेतर आधुनिक हिंदी आलोचना/समीक्षा
8. हिंदीतर प्रदेशों में हिंदी का प्रयोग
9. हिंदी भाषा-शिक्षण का व्यावहारिक प्रयोग
10. विदेशों में हिंदी की लोकप्रियता
11. अन्य विषय : संदर्भगत सामग्रिक एवं प्रासंगिक (विभागीय संस्कृति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)

मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डॉ. एस. ठाकुर,
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,
शास. विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
सहा. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य
शास. महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जाँजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. बेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

औद्योगिक/निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़ : सदस्य

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेरा रायगढ़ : सदस्य

अनुमोदित
हस्ताक्षर

किं. शास्त्र कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. तृतीय सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन			योग
		सेमेप्रीक्षा	आंतरिक मूल्यांकन	अधिकातम	चूनातम	
1.	प्रथम (छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य-धारा)	आधिकातम	चूनातम	20	07	100
2.	द्वितीय भारतीय काव्यशास्त्र	80	29	20	07	100
3.	तृतीय प्रकारिता प्रारेक्षण	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ लोकसाहित्य	80	29	20	07	100
5.	परियोजना कार्य	कुल				450

पैठक दिनांक : 30.11.2016

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं सदर्श ग्रन्थ सूची संलग्न
नोट : परीक्षार्थी जो प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन-मानडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

निष्पव विशेषज्ञ :

1. डॉ. डॉ. एस. राफुर
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी

जाल रिलान्स कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

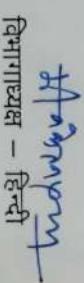
2. डॉ. फूलदास महेतृ,
सहा, प्राध्यापक / प्रमाणी प्राचार्य

शास्त्र महाविद्यालय, जेजुपुर, जिला जौंगपीर-चापा

कुलपति छात्र नामांकित :

1. डॉ. बेहरी लाल साहू,
सेवा निकृत प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ़



विभागीय सदर्शक


विभागीय सदर्शक

1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रदान-प्राज्ञानिक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा वेरापांकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिंदी : सदर्श
3. डॉ. वेणिया सिंह साहू-अंतिविद्यालय-हिंदी : सदर्श
4. श्री रामकृष्ण बंजारे-अंतिविद्यालय-हिंदी : सदर्श

ओपोनिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,
प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़
2. श्री राजीत गुप्ता (नाटकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :
धनुहारडेंस रायगढ़

: सदर्श



प्रस्तावना :

हिंदी की विशाल साहित्यिक परम्परा में भक्तिकाल के लोकगानण के बाद नवोनेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद प्रभ्यरा की समस्त विकास-प्रक्रिया को समेटे हुए नई-नई भावमूलि और नर-नर रूप विचास प्रारूप करने में मील का पथर साधित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पर-पर रूप विचास प्रारूप करने में मील का पथर साधित हुआ। उसने जगह सूक्ष्मता, तथ्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक बोध की जगह व्यक्तित्व की स्थापना, प्रकृति साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश-भक्ति, राष्ट्रीय स्थाविनी एवं सारकृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुख्यरित हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक शैक्षिक काव्य है। इसमें 'स्व' की आम्यांतरिक शैक्षिक अविभिन्नता हुई है, जिसमें आन्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आकांक्षा, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह हूसरी और राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावमूलि एवं वैचारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। हुत पठन से विकल्प-युक्त लघुतरी /टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के सूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ /अतिलघुतरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य-विषय :

1. मैथिलीशरण गुप्त : साकेत (नवम समी)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (चिता, श्रद्धा एवं इडा सर्ग)
3. सूर्यकात निपाठी निराला : राम की शान्तिपूजा, सरोज स्मृति, कुकुरमुत्ता

हुत पठन : सुमित्रानन्दन पत्, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय हस्तिओधा, हरिकंशराय बच्चन, मुकुटचंद्र पाण्डेय।

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :	
3 व्याख्यात्मक प्रश्न	$3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
2 आलोचनात्मक प्रश्न	$2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से)
3 लघुतरी प्रश्न /टिप्पणी लेखन- $3 \times 5 = 15$	(प्रश्न पत्र में निर्धारित हुत पठन से)
5 वस्तुनिष्ठ /अतिलघुतरी प्रश्न- $5 \times 1 = 05$	(प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर —

1. डॉ. एम. ठाकुर — 2. डॉ. फूलदास महंत —
2. डॉ. मीनकेतन प्रधान — 3. डॉ. वीतियार विह साह —
3. डॉ. उपा देवगांकर आहरे — 4. डॉ. वीतियार विह साह —
4. श्री रामकृष्ण बंजारे — 5. श्री नवनीत जगतरामका —
5. श्री रामकृष्ण बंजारे — 6. श्री नवनीत जगतरामका —
7. श्री रामकृष्ण बंजारे — 8. श्री नवनीत जगतरामका —
8. श्री रामकृष्ण बंजारे — 9. श्री राजीव गुप्ता —

संदर्भ ग्रंथ :

1. छायावाद : नामवर सिंह
2. कामायनी : गामा मुक्तिबोध
3. छायावाद का सौंदर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल
4. हिंदी सार्वजनिकतावादी काव्य : प्रेमशंकर
5. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ सिंह
6. निराला : रामविलास शर्मा
7. महातेवी : इदनाथ मदान
8. निराला और मुक्तिबोध : चार लम्ही कविताएँ : नदकिशोर नवल
9. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर
10. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
11. प्रसाद-निराला-अज्ञाय : डॉ. रामस्वरूप चतुर्वेदी
12. जपशंकर प्रसाद : नदडुलारे वाजपेयी
13. कवि निराला : विश्वमत्र "मानव"
14. कामायनी की टीका : उषा दीक्षित
15. सुमित्रानन पंत की भाषा : डॉ. नगेन्द्र
16. मीथेलीशरण गुप्त : पुनर्मूल्यांकन : डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
17. छायावादी काव्य : डॉ. रामकृष्ण कौशिक
18. निराला की काव्य-ट्राल्स : ऋचा मिश्रा
19. चाकेत : समीक्षा : डॉ. जदयग्नानु सिंह
20. कामायनी-लोचन - खण्ड एक एवं दो : डॉ. गीणा दाढ़े
21. छायावाद और निराला : डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित
22. छायावाद की सही परख-पहचान : अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

राज्यविलास काव्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फृलदास महंत,

सह. प्राध्यापक/प्रभारी प्राचार्य

शास-महाविद्यालय, जैजुरु, जिला जैजगरि-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहंसी लाल साहू,

संयोगी निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

निभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेशन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्ययन
2. डॉ. उषा देवगक्त आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. बोलियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकृष्ण चंगारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

औद्योगिक / निगम सत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स रायगढ़

मूल्यांकनीय सत्र (ज्ञातकोत्तर हिंदी) सत्र 2014-15 :

1. श्री राजीव गुटा : सदस्य

घनुहारड़ेरा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-दूरीय

अनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय : भारतीय काव्यशास्त्र code - ७१०

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यवेद के उदधाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि निलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक परिशेष के साथ रचना का आवाहान प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विवेच शीलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें अंतिरिक विकल्प रहेगा। लघुत्तरी/टिप्पणी लेखन/ बहुनिष्ठ/ अतिलघुत्तरी प्रश्नों में अंतिरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) संस्कृत काव्यशास्त्र : काव्य-लक्षण, काव्य हेतु काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

१. रस सिद्धांत

: रस का स्वरूप, रस विषयति, रस के अंग, साधारणीकरण, सहदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएँ, अलंकारों का वर्णकरण।

3. शीति सिद्धांत : शीति की अवधारणा, काव्य-गुण, शीति एवं शैली, शीति सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

4. वक्तोक्ति सिद्धांत : वक्तोक्ति की अवधारणा, वक्तोक्ति के भेद, वक्तोक्ति एवं अभिव्यञ्जनात्मक

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के अभिव्यञ्जनात्मक भेद, गुणीभूत-व्याप्ति, विन-काव्य।

6. औचित्य सिद्धांत: प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

(ख) आधुनिक हिंदी समीक्षा :

(१) आधुनिक हिंदी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शीलियों : आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलरे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नगेन्द्र, डॉ. रामविलास शर्मा।

(२) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : रेतिहसिक, तुलनात्मक, प्रभाववादी, मनोविज्ञेयपणवादी, सोदर्यशास्त्रीय, शीलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

—०—

कुल अंक 80

अंक विभाजन : $3 \times 20 = 60$ (खण्ड के से 02, खण्ड ख से 01)

३ आलोचनात्मक प्रश्न $3 \times 20 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
३ लघुत्तरी प्रश्न /टिप्पणी $3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

५ वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न $5 \times 01 = 5$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर —

१. डॉ. एन. गोपाल —

२. डॉ. फूलदास महंत —

३. डॉ. विहंसी नाल साहू —

४. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान —

५. डॉ. उषा वैरागकर आठले —

६. डॉ. वेठियार सिंह साहू —

७. श्री रामकुमार चंद्रारे —

८. श्री नवनीत जगतरामका —

—०—

संदर्भ ग्रन्थ :

1. भारतीय एवं पारम्पारिक काव्यशास्त्र
 2. भारतीय काव्यसिद्धांत
 3. भारतीय काव्यशास्त्र की परम्परा
 4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजना-वृत्ति-विवेचन
 5. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन
 6. रस सिद्धांत
 7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्याएँ
 8. वर्तुनिष्ठ काव्यशास्त्र
 9. भारतीय एवं पारम्पारिक काव्यशास्त्र की लूपरेखा
 10. हिंदी आलोचना का विकास
 11. व्यावहारिक समीक्षा
 12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
 13. हिंदी साहित्यशास्त्र
 14. मार्कसर्वादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : पाठ्यक्रम शाश्वतांशु
 15. इतिहास और आलोचना के वस्तुयादी सरोकार
 16. हिंदी आलोचना की बीसीटी सदी
 17. हिंदी आलोचना के आधारस्तम्भ
 18. ख्यातन्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत
 19. हिंदी आलोचना की परम्परा और आचार्य रामचंद्र शुक्ल
 20. भारतीय काव्यशास्त्र
 21. भारतीय काव्य विमर्श
 22. सौदर्यशास्त्रीय समीक्षा
 23. भारतीय काव्यशास्त्र
-
- अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :**
- विषय विशेषज्ञ :**
1. डॉ. डी. एम. चाकुर, प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी, शास्त्रविलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
 2. डॉ. फूलदास महंत, सहा, प्राच्यापक/प्रमाणी प्राचार्य शास्त्र महाविद्यालय, जेजुपुर, जिला-जाँजगीर-चापा
- कुलपति द्वारा नामांकित :**
1. डॉ. विहारी लाल साहू, सेता लिपुत्र प्राचार्य, 17, किरोडीमल कालोनी, रायगढ़
- विभागीय सदस्य :**
1. डॉ. मोनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा पैरामकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिंदी : सदस्य
 3. डॉ. बेटियार सिंह सहा-अंतिष्ठि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
 4. श्री रामकृष्ण बंजारे-अंतिष्ठि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
- आद्योगिक / निगम क्षेत्र :**
1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़
 - भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी-सत्र 2014-15) :
 - श्री राजीव गुरुता, धनुहरड़ा रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019
 एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-तृतीय
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-तृतीय
 पत्रकारिता प्रशिक्षण code 911

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन बन गई है, सिमटते विश्व में स्नायु-तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर सालाहिक, पालिक, गोसिक, ट्रैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं, प्रिट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकासित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहुँचों का संस्थानिक एवं व्यावहारिक निवेदन रोजगारप्रकरण की दिशा में एक कदम है। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएं।

पाठ्य-विषय :

- पत्रकारिता : स्वारूप एवं विभिन्न प्रकार।
 - विषय पत्रकारिता का उदय।
 - हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
 - समाचार-पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार-संकलन एवं लेखन के मूल आयाम।
 - सम्पादन-काला के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विन्यास, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति-प्रक्रिया।
 - समाचार पत्रों के विभिन्न स्तरों की योजना।
 - दृश्य समग्री (कार्टून, रेखाचित्र, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
 - समाचार के विभिन्न जोड़।
 - सावाददाता की अहंता, श्रेणी एवं कार्य-पद्धति।
 - सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार-वर्ती एवं प्रेस प्रबंधन।
 - प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आवार सहित।
 - प्रजातात्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तर के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।
- 0—

अंक विभाजन :

3 अलोचनात्मक प्रश्न	$3 \times 20 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
3 लघुत्तरी प्रश्न / टिप्पणी	$3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न	$5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर - 
 2. डॉ. फूलदास महत
 3. डॉ. विहरी लाल साह - 
 4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
 5. डॉ. विहरी लाल साह - 
 6. डॉ. बेठियार सिंह साह
 7. श्री रामकुमार बंजारे - 
 8. श्री नवनीति जगतरमाला - 
 9. श्री राजीव गुप्ता - 

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता एवं जनसमर्पक : टी.डी.एस.आलोक
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार : डॉ. गान्धीरदत्त शर्म 'आलोक'
3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास : डॉ. अर्जुन तिवारी
4. हिंदी पत्रकारिता : कृष्णबिहारी मिश्र
5. पत्रकारिता : विवेष विधार्थ : डॉ. राजकुमारी राणी
6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबन्धन : अनिल किशोर पुरोहित
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास : डॉ. अर्जुन तिवारी
8. पत्रकारिता : मिशन से भीड़िया तक : अखिलेश मिश्र
9. प्रेस विधि : डॉ. नदकिशोर त्रिलोक
10. समाचार और संवाददाता : काशीनाथ गोविंद जोगलेकर
11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ : गणेश मंत्री
12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल : मुरेश गौतम
13. समाचार सम्पादन : कमल दीक्षित, महेश दर्पण
14. भेट्वार्ता और प्रेस कान्फ्रेंस : ग्रो. नदकिशोर त्रिलोक
15. समाचार पत्र प्रबन्धन : डॉ. गुलाब कोठारी
16. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ : विनाद गोदरे
17. पत्रकारिता के नये परिष्क्रम : राजकिशोर
18. कौपीराइट : कमलेश जेन
19. सूचना प्रोधोमिकी और समाचार पत्र : रघुनंद चूड़ला
20. पत्रकारिता के नए आयाम : एस.के.दुबे

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर, प्राच्यापक एवं विभागाच्यक्ष-हिंदी, शासविलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महेत, सहारा प्राच्यापक / प्रभासी प्राचार्य शासन महाविद्यालय, जैजेपुर, तिला-जाँजगीर-चांपा

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-

-

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किशोरीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकंतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाच्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष
2. डॉ. उषा देवरागकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिंदी : सदस्य
3. डॉ. वैतियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य

अध्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवीन जगतरामका, प्रधान संगादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़ भूषण विधार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, सत्र 2014-15) :
- श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेंगा रायगढ़

: सदस्य

-

प्रस्तावना :

हिंदी जगत की चोलियों या विभागों में अमृत्यु लोकसाहित्य-संपदा विद्यमान है। इसके संकलन, समाजन सर्वेक्षण, प्रकाशन द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय सरकृति को सरकृति किया जा सकता है और हिंदी का जनधार बढ़ाया जा सकता है। अत्यु इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्वाचित है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत पाठ्य-विषय से आंतरिक विकल्प युक्त आलोचनासक प्रश्न / लघूतरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन / वर्तुनिष्ठ / अतिलघूतरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
लोक शब्द की व्युत्पत्ति।
2. लोक साहित्य का स्वरूप :
परिभाषा एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य एवं शिष्ट साहित्य में साम्य-भेद।
3. लोक संस्कृति की अवधारणा :
लोकवार्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
4. लोक साहित्य के परिषेधः
सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांख्यिक, राष्ट्रीय तथा भाषाशास्त्रीय
5. लोक साहित्य के निरिय रूप :
लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य, लोक-संगीत,
6. लोक साहित्य का भाव एवं शिल्प सौन्दर्यः
विषय, भाव-व्यंजना, रस-परिपाक, भाषा, अलंकार-योजना, छंद-विधान, प्रतीकालमकाता।
7. लोक साहित्य की उपयोगिता, महत्व एवं चुनौतियों।

—०—

अंक विभाजन :

कुल अंक ४०

३ अलोचनात्मक प्रश्न	$3 \times 20 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
३ लघूतरी प्रश्न / टिप्पणी	$3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
५ वस्तुनिष्ठ / अतिलघूतरी प्रश्न	$5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर —

- | | | | |
|-------------------------|---|------------------------|---|
| १. डॉ. एस. शकुर | — | २. डॉ. फूलदास महत्व | — |
| ३. डॉ. विहारी लाल साह | — | ४. डॉ. मीनकेन धान | — |
| ५. डॉ. उषा देरामकर आठले | — | ६. डॉ. वेनियर सिंह साह | — |
| ७. श्री रामचूमार बंजारे | — | ८. श्री नवनीत जगतरामका | — |
| ९. श्री राजीव गुप्ता | — | | |

५

संदर्भ मध्य :

1. लोकसाहित्य की भूमिका
2. खड़ी बोली का लोकसाहित्य
3. लोक : प्रपरा, पहचान एवं प्रवाह
4. भारत में लोकसाहित्य
5. लोकसाहित्य समग्र
6. लोकसाहित्य और संस्कृति
7. मानव और संस्कृति
8. लोकसाहित्य : अर्थ और व्याप्ति
9. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
10. लोकसाहित्य शास्त्र
11. लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
12. लोकसाहित्य
13. लोकसाहित्य : विषय आधाम
14. हिंदी लोकसाहित्यशास्त्र
15. लोकसंस्कृति की रूपरेखा
16. मध्यप्रदेश का लोकसंगीत
17. भारत के लोकनृत्य
18. लोकगीतों के सदर्भ और आधाम
19. हिंदी प्रदेश के लोकगीत
20. भारतीय लोकसाहित्य की रूपरेखा
21. लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धांतिक विवेचन

अध्ययन—मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डॉ. एस. गण्डुर,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,

सासांबिलासा कन्ना स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहायी प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जीजेपुर, जिला—जौजगढ़—चापा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान—प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्येता

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राच्यापक—हिन्दी

3. डॉ. बेतियार सिंह साह—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी

4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी

औद्योगिक / नियम द्वारा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी) सन् 2014-15 :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

: सदस्य

—

अध्ययन—मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. डॉ. एस. गण्डुर,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिंदी,

सासांबिलासा कन्ना स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

सहायी प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जीजेपुर, जिला—जौजगढ़—चापा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान—प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अध्येता

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले—सहायक प्राच्यापक—हिन्दी

3. डॉ. बेतियार सिंह साह—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी

4. श्री रामकुमार बंजारे—अतिथि व्याख्याता—हिन्दी

औद्योगिक / नियम द्वारा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी) सन् 2014-15 :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

: सदस्य

—

अनुमोदित
उपाध्याय

अनुमोदित
उपाध्याय

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—</p

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. प. हिंदी:सोमेस्टर-तृतीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम

आधुनिक हिंदी काल्प-छायावाद एवं साहीय काल धारा code ७०७

प्रस्तावना :

हिंदी की प्रशाल साहित्यिक प्रभावरा में भवितकाल के लोकजगारण के बाद नवोनेप का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद प्रभावरा की समस्त विकास-प्रक्रिया को सोटते हुए नई-नई भावभूमि और नए-नए रूप विचास प्रसूत करने में मील का पद्धर साक्षित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पा-पा न चलकर छलांग के द्वारा तय की। खूलता, इतिवृत्तात्मकता की जगह सूझता, तेज्य की जगह विराट कल्पना, सामाजिक वेष की जगह व्यक्तित्व की खालीनता, प्रकृति साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश-भवित्ति, राष्ट्रीय स्थानिता एवं सांस्कृतिक जागरण का नया स्पर्श छायावाद में मुख्यरित हुआ। छायावाद नहून और मालिक इकित का काल है। इसमें 'रा' की आम्यतंत्रिक शक्ति अग्रिमंजित हुई है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की तात्त्विकता, उच्चतर जीवन की आकृता, त्याग, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय काव्यधारा में नवीन भावभूमि एवं तेजारिक गतिशीलता अवतरित हुई। आमुनिकता, इहलौकिकता, विश्वजनीनता एवं वेजानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रश्नपत्र में समाहृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दूसरा पाठ से विकल्प-युक्त लघुतरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के सापूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघुतरी प्रश्न किये जायेंगे।

पाठ्य-विषय :

1. मौथिलीशारण युक्त : साकेत (नवम सर्ग)
2. जयशक्ति प्रसाद : कामायनी (चिंता, शब्दा एवं इडा चार)
3. सूर्यकांत क्रिपानी निराला : राम की शाहित्पूजा, सरोज स्मृति, कुमुदमुत्ता

दृष्ट पठन : शुभित्रानंदन पत्र, महादेवी वर्मा, अयोध्यासिंह उपाध्याय हस्तिकौप, हरिवंशराय वच्चन, मुकुटधर पाठ्येय।

अंक विभाजन :

—०—

कुल अंक ४०

- | | |
|--|---|
| 3. व्याख्यात्मक प्रश्न | $3 \times 10 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 2. आलोचनात्मक प्रश्न | $-2 \times 15 = 30$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 3 लघुतरी प्रश्न / टिप्पणी लेखन- $3 \times 5 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित दृष्ट पाठ से) | |
| 5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुतरी प्रश्न- $5 \times 1 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित सापूर्ण पाठ्य विषय से) | |

अध्ययन मार्गदर्शक के सदस्यों के हस्ताक्षर —

1. डॉ. ई. स. ठाकुर —
2. डॉ. फूलदास महता —
- 3 डॉ. विहारी लाल साहू —
- 4 डॉ. मीनाक्षेत्रन प्रधान —
- 5 डॉ. उमा वैराग्यपात्र आलंडे —
- 6 डॉ. वैदित्यर शिंह साहू —
- 7 श्री रमाकुमार वंजारे —
- 8 श्री नवनीत जगतरामका —
- 9 श्री राजीव गुला —

संदर्भ ग्रन्थ :

1. छायावाद : नामदर सिंह
 2. कामयनी : ग.मा.गुवित्तियेष
 3. छायावाद का सौदर्यशास्त्रीय अध्ययन : कुमार विमल
 4. हिंदी स्कॉलरतावादी काव्य : प्रेमराकर
 5. कल्पना और छायावाद : केदारनाथ शिंह
 6. निराला : रामविलास शर्मा
 7. महातेदी : इंद्रनाथ मदन
 8. निराला और मुकितबोध : चार लाली : नदकिशोर नवल
 9. प्रसाद का काव्य : प्रेमराकर
 10. कामयनी का पुनर्मित्यांकन : डॉ. रामसरलप चतुर्वेदी
 11. प्रसाद-निराला-जड़ेय : डॉ. रामसरलप चतुर्वेदी
 12. जयशंकर प्रसाद : नदडुलरे वाजपेयी
 13. कवि निराला : नदडुलरे वाजपेयी
 14. कामयनी की दीक्षा : विश्वमर 'मानव'
 15. सुमित्रनदन पत्र की भाषा : उषा दीक्षित
 16. मैथिलीशरण गुरु : डॉ. नगेन्द्र
 17. छायावादी काव्य : डॉ. कृष्णचंद्र वर्मा
 18. निराला की काव्य-दृष्टि : डॉ. रामफूण कोशिक
 19. साकेत : रमेश : ऋचा मिश्र
 20. कामयनी-लोचन - खण्ड एक एवं दो : डॉ. उदयगानु सिंह
 21. छायावाद और निराला : डॉ. वीणा दाढ़े
 22. छायावाद की सही परख-पहचान : डॉ. सुर्यप्रसाद दीक्षित
- अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
1. डॉ. डी. एस. गवारु : अनुगोदित
 2. डॉ. पूलदास महेता : ग्राम्यापक एवं निभागाय्या-हिंदी
 3. डॉ. पूलदास महेता : शहा. प्रायापक / प्रभारी प्राचार्य
 4. डॉ. विहरी लाल साहू : शास्त्रविलासा कथा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर
 5. डॉ. पूलदास महेता : शहा. प्रायापक / प्रभारी प्राचार्य
 6. डॉ. विहरी लाल साहू : सेवा निष्ठ ग्राम्य, 17. किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़
- कुलपति द्वारा नामांकित :
1. डॉ. विहरी लाल साहू : अनुगोदित
 2. डॉ. पूलदास महेता : ग्राम्यापक एवं निभागाय्या-हिंदी
 3. डॉ. विहरी लाल साहू : शहा. प्रायापक / प्रभारी प्राचार्य
 4. डॉ. विहरी लाल साहू : शहा. प्रायापक / प्रभारी प्राचार्य
- विभागीय सदस्य :
1. डॉ. गीनकेन ग्राम्य-प्रायापक एवं विभागाय्या-हिंदी : अन्यथा
 2. डॉ. उषा वैरागकर आठलो-सहायक ग्राम्यापक-हिन्दी : सदस्य
 3. डॉ. विहरी लाल साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
 4. श्री रामपूर्ण वर्जना-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
- ओपोरिक / निगम सचिव :
1. श्री नवनीत जगतरमस्का, प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स रायगढ़ : सदस्य
 2. श्री राजीव गुप्ता, धुरुहरड़ेरा रायगढ़ : सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-द्वितीय
अनिवार्य प्रश्नपत्र-हितीय : भारतीय काव्यशास्त्र Code 910

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यवोध के उद्धाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वात्सविक परिष की जा सके। हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ रचना का आत्माद प्राप्त करने, रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघुत्तरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/आतिलघूत्तरी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) उत्कृष्ट काव्यशास्त्र

: काव्य-लक्षण, काव्य तंत्र, काव्य-प्रयोगन, काव्य के प्रकार।
1. रस सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस नियमिति, रस के अम, साधारणीकरण, सहदय की अवधारणा।

2. अलंकार सिद्धांत : अलंकारों का वर्णकरण।
3. शीति सिद्धांत : शीति की अवधारणा, काव्य-गुण, शीति एवं शीति, शीति सिद्धांत की प्रमुख स्थाननाएँ।

4. चक्रोत्तित सिद्धांत : चक्रोत्तित की अवधारणा, चक्रोत्तित के भेद, चक्रोत्तित एवं अनिव्यांजनयाद

5. ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का त्वरण, ध्वनि रेखांत की प्रमुख भेद, गुणभूत-व्याख्य, विच-काव्य।

6. औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थाननाएँ, अंतित्य के भेद।

(ख) आधुनिक हिंदी समीक्षा :

(1) आधुनिक हिंदी के प्रमुख समीक्षक एवं उनकी समीक्षा शैलियाँ :
आचार्य रामचंद्र शुक्ल, आचार्य नंददुलारे वाजपेयी, आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी, डॉ. नोन्द्र, डॉ. रामदेवलाल शाना।

(2) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रतिक्रियाँ :

(1) आधुनिक हिंदी की प्रमुख समीक्षाएँ, ऐतिहासिक तुलनात्मक प्रभाववादी, मानोविश्लेषणवादी, सांदर्भशास्त्रीय, शैलीवेजानिक और समाजशास्त्रीय।

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न $3 \times 20 = 60$ (खण्ड क से 02, खण्ड ख से 01)

3 लघुत्तरी प्रश्न/टिप्पणी $3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न $5 \times 01 = 5$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

—0—

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर —

- | | | | |
|---------------------------|---|-------------------------|---|
| 1. डॉ. ए. ठाकुर | — | 2. डॉ. फूलदास महेंद्र | — |
| 2. डॉ. विजेता लाल साहू | — | 3. डॉ. गोपेन्द्र प्रधान | — |
| 4. डॉ. रमा वैराग्यकर आठले | — | 5. डॉ. वैदेशीर शिव साहू | — |
| 6. श्री रामचुमार चंडारे | — | 7. श्री नवनीत जगतरामका | — |
| 8. श्री राजीव गुरु | — | | |

संसद ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र
2. भारतीय काव्यसिद्धांत
3. भारतीय काव्यशास्त्र की परपरा
4. ध्वनि सिद्धांत और व्यंजना-वृत्ति-विवेचन
5. रस सिद्धांत का पुनर्विवेचन
6. रस सिद्धांत
7. भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्याएँ
8. वर्जुनिष्ठ काव्यशास्त्र
9. भारतीय एवं पश्चात्य काव्यशास्त्र की लपरेखा
10. हिंदी आलोचना का विकास
11. व्याकहारिक समीक्षा
12. हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
13. हिंदी साहित्यशास्त्र
14. गार्कर्वादी समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : पाण्डेय राशिमृष्ण शीतोशु
15. इतिहास और आलोचना के वस्तुवादी सरोकार
16. हिंदी आलोचना की वीरता सदी
17. हिंदी आलोचना के अधारस्तरम्
18. ज्ञातांत्र्योत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत
19. हिंदी आलोचना की परपरा और आचार

20. रामचंद्र शुक्ल
 21. भारतीय काव्यशास्त्र
 22. सौदर्यशास्त्रीय समीक्षा
 23. भारतीय काव्यशास्त्र
- अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
- अनुमोदित
1. डॉ. डी. एस. गढ़ूर,
- प्राच्यापक एवं विभागाध्यम-हिंदी,
शास्त्रविलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
2. डॉ. फूलदास नानोपाधीनी, रामचंद्र शुक्ल, प्राच्यापक, प्राचार्य, जैजेपुर, जिला-जैजगीर-चापा
सह. प्राच्यापक महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जैजगीर-चापा
- कुलपति द्वारा नामांकित :
1. डॉ. विहरी लाल साहू,
- सेवा निष्ठा प्राचार्य, १७. किरोडीगढ़ कालोनी, रायगढ़
- विभागीय सदस्य :
1. डॉ. मीनकोठन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यम-हिंदी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उमा वैरागकर आठले-सर्वोपर्यक्त प्राच्यापक-हिंदी : सदस्य
 3. डॉ. वेदियार तिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
 4. श्री रामकृष्ण चंद्रार-अतिथि व्याख्याता-हिंदी : सदस्य
- ओरोगिक / फिल्म कक्ष :
1. श्री नवनीत जगतरामका,
 - प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़
 - स्नातपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिंदी, राज. २०१४-१५) :
 - श्री राजीव गुप्ता, घुग्गुरड़रा रायगढ़

: सदस्य

: सदस्य

-

: सदस्य

-

: सदस्य

-

(

)

एम. ए. हिंदी :सेमेस्टर–तृतीय
अनिवार्य प्रसन्नपत्र–तृतीय
पत्रकारिता प्रसिद्धान Code 911

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की घड़कन वन गई है सिमटते विषय में साझु-तंतुओं की तरह काम कर रही है। दैनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पाद्धिक, मासिक, बैमासिक, वार्षिक पत्रिकाओं में सिटीडिया, इलेक्ट्रोनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सेवातिक एवं व्यावहारिक विवेचन जोगारप्रकरण की विशा में एक कदम है।

इस प्रसन्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से ग्रांतिरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रसन्न/लघूतरी प्रसन्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रसन्न किए जाएं।

पाठ्य-विषय :

1. पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
2. विषय पत्रकारिता का उदय।
3. हिंदी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास।
4. समाचार-पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार-संकलन एवं लेखन के गूढ़ आयाम।
5. समाचार-पत्रकारिता के सामान्य सिद्धांत : शीर्षकीकरण, पृष्ठ-विचास, आमुख और समाचार पत्र की प्रत्युति-प्रक्रिया।
6. समाचार पत्रों के विभिन्न रूपों की योजना।
7. दृश्य सामग्री (फोटो, रेखांकित, ग्राफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
8. समाचार के विभिन्न जोतों।
9. संवाददाता की अहंता, श्रृंगी एवं कार्य-पद्धति।
10. सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार-वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
11. प्रेस संबंधी प्रमुख कानून तथा आचार सहित।
12. प्रजातात्रिक व्यवस्था में चतुर्थ रूप के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।

—0—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

- | | |
|--------------------------------|--|
| 3 आलोचनात्मक प्रसन्न | $3 \times 20 = 60$ (प्रसन्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 3 लघूतरी प्रसन्न/टिप्पणी | $3 \times 05 = 15$ (प्रसन्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ/आतिलघूतरी प्रसन्न | $5 \times 01 = 05$ (प्रसन्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर –

1. डॉ. ई. स. ठाकुर	—	2. डॉ. फूलदास महंत
3. डॉ. विहरी लाल साहू	—	4. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान
5. डॉ. उमा कौर आठले	—	6. डॉ. वेदियर सिंह साहू
7. श्री रामपुरान चंजारे	—	8. श्री नवनीत जगतरामका
9. श्री राजीव गुप्ता	—	

संदर्भ ग्रंथ :

८०१९-२०१०

1. पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
3. पत्रकारिता एवं सार्वदेशीय चेतना का विषय
4. हिंदी पत्रकारिता
5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ
6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबन्धन
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास
8. पत्रकारिता : मिशन से गोडिया तक
9. प्रेस विधि
10. समाचार और संताददाता
11. पत्रकारिता की चुनौतियाँ
12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल
13. समाचार सम्बन्धन
14. भेटवार्ता और प्रेस कानूनें
15. समाचार पत्र प्रबन्धन
16. हिंदी पत्रकारिता : रवरूप और संदर्भ
17. पत्रकारिता के नये परिषेक्ष्य
18. कॉपीराइट
19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र
20. पत्रकारिता के सदस्यों के हस्ताक्षर :

चिप्य विशेषज्ञ :

1. डॉ. डै. एस. राष्ट्रपति
- प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,
- शासविलासा काच्चा ज्ञातकोत्तर महाविद्यालय विलासपुर
2. डॉ. फूलदास महंत,
- सहा, प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेनन प्रधान-प्राचार्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. उपा विभागाध्यक्ष-आठले-साहस्रपक्ष प्राचार्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वेहियर सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकृष्ण पत्रकार विभाग-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

ओचीगिक / निगम द्वारा :

1. श्री नवनीत जरात्तरामका,
- प्रधान राष्ट्रपतक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़
- भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सन् २०१४-१५) :
- श्री राजीव गुरुता, धनुहारडेश रायगढ़

: सदस्य

-

अनुमोदित

1. टी.डी.एस.आलोक	डॉ. रघुरादत्त शर्मा 'आलोक'
2. डॉ. अर्जुन तिवारी	डॉ. अर्जुन तिवारी
3. डॉ. राजकुमारी रामी	डॉ. राजकुमारी रामी
4. अनिल कियोर पुरोहित	डॉ. अर्जुन तिवारी
5. डॉ. अर्जुन तिवारी	डॉ. अर्जुन तिवारी
6. डॉ. नंदकिशोर त्रिख्या	डॉ. नंदकिशोर त्रिख्या
7. डॉ. गणेश मंत्री	डॉ. गणेश मंत्री
8. डॉ. सुरेश गोतम	डॉ. सुरेश गोतम
9. डॉ. कमल दीक्षित, महेश दर्पण	डॉ. कमल दीक्षित, महेश दर्पण
10. डॉ. नंदकिशोर त्रिख्या	डॉ. नंदकिशोर त्रिख्या
11. डॉ. जुलाव कोठारी	डॉ. जुलाव कोठारी
12. डॉ. विनोद गोदरे	डॉ. विनोद गोदरे
13. डॉ. राजकिशोर	डॉ. राजकिशोर
14. डॉ. कमलेश जेन	डॉ. कमलेश जेन
15. डॉ. रवीन्द्र शुक्ला	डॉ. रवीन्द्र शुक्ला
16. डॉ. एस.के.दुर्वे	डॉ. एस.के.दुर्वे

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावित वर्ष 2017-2018 तक 2018-2019

एम.ए. हिंदी : सेमेस्टर-तृतीय
अनिवार्य प्रसन्नपत्र-चतुर्थ

लोक साहित्य code 912

प्रस्तावना :

हिंदी जगत की लोलियों या दिग्गजों में अनुच्छेद लोकसाहित्य-संपदा विभाग है। इसके सफलन, राष्ट्रीय प्रगति द्वारा ही अपनी मूल राष्ट्रीय संरक्षण को संरक्षित किया जा सकता है और हिंदी का जनाधार बढ़ाया जा सकता है। अस्तु, इसके अध्ययन की उपयोगिता निर्विवाद है। इस प्रसन्नपत्र में समावृत्त पाठ्य-विषय से आतंरिक विकल्प युक्त आलोचनात्मक प्रश्न/लक्ष्यतारी प्रश्न/टिप्पणी लेखन/वस्तुनिष्ठ/आतिलघूतरी प्रश्न किए जाएं।

पाठ्य विषय :

1. लोक की अवधारणा :
लोक शब्द की व्याख्या।
2. लोक साहित्य का स्वरूप:
परिणाम एवं विशेषताएँ, लोकसाहित्य एवं शिष्ट साहित्य में सामान्य-न्यौता।
3. लोक संस्कृति की अवधारणा :
लोकवार्ता और लोकसंस्कृति, लोकसंस्कृति और साहित्य।
4. लोक साहित्य के परिप्रेक्ष्य:
सामाजिक, आर्थिक, नैतिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, सार्वभौमिक तथा भाषाशास्त्रीय।
5. लोक साहित्य के निदिय रूप :
लोक-गीत, लोक-नाट्य, लोक-कथा, लोक-गाथा, लोक-नृत्य, लोक-संगीत,
लोक-सुगमित्र, मुहावरे, कहावतें, फैलियों।
6. लोक साहित्य गत चरण एवं शिल्प सोचन।
7. लोक साहित्य की उपयोगिता, भवत्त एवं चुनौतियों।

अंक विभाजन :

पुष्ट अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न $3 \times 20 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
3 लघूतरी प्रश्न/टिप्पणी $3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)
5 वर्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न $5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्यविषय से)

अध्ययन माडल के सदस्यों के उत्तरांकरण -

- | | | | |
|------------------------|---|---------------------------|---|
| 1. डॉ. एस. ठाकुर | - | 2. डॉ. फूलदास महेंद्र | - |
| 3. डॉ. बिहारी लाल साहू | - | 4. डॉ. मीनकोठन प्रधान | - |
| 5. डॉ. जपा देवगकर आडते | - | 6. डॉ. चंद्रियार लिह साहू | - |
| 7. श्री रामपुराम बंजार | - | 8. श्री नवनीत जगतरमका | - |
| 9. श्री राजीव गुर्जा | - | | |

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी : ऐमेस्टर्स-कृतीय
परियोजना कार्य Code 919

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के उत्तरांतर प्रियाणी ने पाठ्यक्रमोंतर निरी प्रिया एक विषय/उंचा विषेष पर लघुपत्र 20 पुस्तकों का शोध आलेख तथा फर्जा होमा शोधार्थी को शोध-निर्देशक के गार्डर्सन में अध्ययन, होने-कार्य, संभरण, संरोग आदि प्रविधिओं पर केन्द्रित आलेख की खबर इस लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत गरजा अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय 1. लघुपत्र निरों का लोकसाहित्य

1. निरों के लोक-गीतों/लोक-कथाओं का संकलन
2. निरों की कठोरतों एवं गुहाकरों का संकलन
3. लघुपत्र निरों के निरी एक लघुपत्र का समाप्त पत्र का तथ्यप्रक विवेचन
4. हिंदी में प्राग्निति होने वाली चाहिए प्राग्निति प्रतिवेदन
5. लघुपत्र निरों के साहित्यिक/सांख्यिक आधेजनों का प्रतिवेदन
6. उद्घोषणा लेखन/गठनियलभीन-विभागीय कार्यकर्ताओं का लोकसाहित्य
7. पाठ्यपत्र आधुनिक कला (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का प्रदेश
8. छायाचार एवं राष्ट्रीय काल्यास के किसी एक कवि/काव्य-कृति (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का दौषेष्य
9. आधुनिक नाटक/लोकान्द्राय/संगमव का सामाजिक प्रागव
10. भारतीय कालशास्त्र के निरी एक सिद्धांत/आधुनिक हिंदी समीक्षक/हिंदी. आलोचना की प्रवृत्ति से संबंधित सभीका
11. संदर्भगत सामयिक एवं प्रासादिक अन्य विषय (विभागीय संस्थान से)

—0—

अंक विभागन : चुनून अंक – 50
शोध आलेख: 30 अंक (चूनूनतम उत्तीर्ण अंक – 10)
मौजिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक – 08)

अध्ययन-मान्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. अ. एस. बाबू,

प्राच्यानुष्ठान एवं विभागीय-हिंदी,

लघुपत्र आलेख एवं लोकसाहित्य, विभागीय

शोध आलेख-हिंदी

अनुमोदित
हस्ताक्षर

—  —



लघुपत्र निरों का लोकसाहित्य, विभागीय

प्रत्यान लघुपत्र निरों का लोकसाहित्य, विभागीय

प्रत्यान लघुपत्र निरों का लोकसाहित्य, विभागीय

प्रत्यान लघुपत्र निरों का लोकसाहित्य, विभागीय

प्रत्यान लघुपत्र निरों का लोकसाहित्य, विभागीय

प्रत्यान लघुपत्र निरों का लोकसाहित्य, विभागीय

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

ए. प. हिंदी:सोमेरस्टर-तृतीय

आधुनिक हिंदी काव्य-छायावाद एवं राष्ट्रीय काव्य धारा code 90

प्रस्तावना :

हिंदी की विशाल साहित्यिक परम्परा में भवितकाल के लोकजागरण के बाद नवोनेष का विकास छायावाद में ही दिखाई दिया। छायावाद परम्परा की समस्त विकास-प्रक्रिया को जमेटे हुए नई-नई भावनाएँ और नए-नए लघु विचास प्रस्तुत करने में मील का पत्थर साबित हुआ। उसने अपनी साहित्यिक यात्रा पा-पग न चलकर छलांग के द्वारा तय की। खूबिना, इतिवृत्तालाङ्करण की जगह सूझाता, तथ्य की जगह विश्वास करना, सामाजिक घोष की जगह व्यक्तित्व की खबरीनाता, प्रकृति साहचर्य, मानव-प्रेम, वैयक्तिक प्रेम, उच्च नैतिक आदर्श, देश-भवित्व, राष्ट्रीय लाधीनता एवं सारकृतिक जागरण का नया स्वर छायावाद में मुख्यस्त हुआ। छायावाद नूतन और मौलिक भावित का काव्य है। इसमें 'ख' की आन्ध्रतरिक भावित अभिव्यक्ति द्वारा है, जिसमें आत्मीयता, जीवन की लालसा, उच्चतर जीवन की आवासा, त्वाम, प्रेम का संदेश निहित है। इसीतरह दूसरी ओर राष्ट्रीय लाधारा में नवीन भावनाएँ एवं वैचारिक गिरिशिलिता अवतरित हुई। आधुनिकता, इहलीकिकता, विश्वजनीना-ता एवं वैज्ञानिक दृष्टिकोण इसकी प्रमुख विशेषताएँ हैं।

इस प्रस्त चत्र में समादृत काव्य कृतियों से 03 व्याख्यालाङ्क, 03 आलोचनात्मक प्रस्त एवं दुत पाठ से लघुत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रस्त किए जाएंगे, जिनमें आतंकिक विकल्प होंगा। संपूर्ण पाठ्य-विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघुत्तरी प्रस्त किए जाएंगे।

पाठ्य-विषय :

1. मैथिलीशरण गुरुत : साकृत (नवम सर्ग)
2. जयशंकर प्रसाद : कामायनी (विंता, अद्वा इडा सर्ग)
3. सूर्यकात विपाठी निराला : राम की शक्तिपूजा, सरोज सृष्टि, कुकुसुल्ता

दुत पठन : सुनित्रानंदन पंत, महादेवी वर्मा, आयोध्यासिंह उपाध्याय 'हरिजीर्णा', हरिवंशराय बच्चन, मुकुटधर पाण्डेय।

—0—
कुल अंक 80

अंक विभाजन :

- | | |
|--|---|
| 03 व्याख्या | - $3 \times 10 = 30$ (प्रस्त चत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 02 आलोचनात्मक प्रस्त | - $2 \times 15 = 30$ (प्रस्त चत्र में निर्धारित रचनाओं से) |
| 03 लघुत्तरी प्रस्त/टिप्पणी | - $3 \times 05 = 15$ (प्रस्त चत्र में निर्धारित दुत पठन से) |
| 05 वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रस्त-5 × 01 = 05 | (प्रस्त चत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्तांतर -

- | | |
|--------------------------------|---------------------------|
| 1. डॉ. राजेश दुर्वे - | 2. डॉ. वित्तराजन कर - |
| 3. डॉ. विनय कुमार पाठक - | 4. डॉ. मीनकेतन प्रधान - |
| 5. डॉ. (श्रीमती) रघुवीर चौधे - | 6. श्री लक्ष्मणराम कुरे - |
| 7. डॉ. चेतियार सिंह साह - | 8. श्री नवनीत जगतरामका - |
| 9. श्री राजीव गुटा - | |

१. छात्रालय

२. कागजाखोली : एक पुनर्जियर

३. छापालय का सार्वयोगिक अधिकार

४. हिंदी स्वास्थ्यनामांकी काला,

५. बस्तना और छापालय

६. निश्चला

७. महादेवी

८. निश्चला और गुरुकालो : यार लाली

९. प्रताप ला काला

१०. कामालो का बुन्देल्हार्कन

११. मस्तान - निश्चला-बुन्देल्हार्क

१२. अयश्वर करमान

१३. कवि निश्चला

१४. चामालों की टीका

१५. अनिजलन का की माया

१६. बालोलीकरण गुरु : फुल्लेलाल

१७. बालाली काला

१८. नियता की काला-बुन्देल्हार्क

१९. मालो : समाज

२०. कामालों-लोचन - यार एक एक दो

२१. आपालान को निश्चला

२२. आपालान की राहीं परख-प्रखान

अनुमोदित-पुड़ल के सदस्यों के उत्तरार्थ

जिष्ठा शिवालः

१. जा. राजेश दुर्दे,

२. जा. राजेशन कर

३. नियता निश्चला

४. नियता निश्चला (ए)

आपाली दादा नामांकित :

१. जा. रेणा बुरार पालक,

२. जा. रेणा बुरार पालक

३. नियता निश्चला

४. नियता निश्चला (ए)

विषयालीय सदस्य :

१. जा. नियता निश्चला

२. जा. नियता निश्चला

३. जा. नियता निश्चला

४. जा. नियता निश्चला

५. जा. नियता निश्चला

६. जा. नियता निश्चला

७. जा. नियता निश्चला

८. जा. नियता निश्चला

९. जा. नियता निश्चला

१०. जा. नियता निश्चला

११. जा. नियता निश्चला

१२. जा. नियता निश्चला

१३. जा. नियता निश्चला

१४. जा. नियता निश्चला

१५. जा. नियता निश्चला

१६. जा. नियता निश्चला

१७. जा. नियता निश्चला

१८. जा. नियता निश्चला

१९. जा. नियता निश्चला

२०. जा. नियता निश्चला

प्रश्नावना :

खना के वैषिष्ठ्य और मूल्यवोध के उद्धाटन के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहार्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के नर्त और मूल्यपत्ता की वार्ताविक परख की जा सके। हमारे सामाजिक-सांस्कृतिक परिवेश के साथ खना का आस्थाप्राप्त करने, खना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विवेच शीलियों का विद्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समार्थ पाठ्य-विषय से लघूतरी/टिप्पणी लेखन, वस्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न किए जाएंगे। जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) सारंगद्वात् काव्यशास्त्र

1. रस तिद्वांत : काव्य-लक्षण, काव्य हेतु काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार।

2. अलंकार तिद्वांत : रस का स्वरूप, रस के अंग, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा।

3. शीति तिद्वांत : शीति की अवधारणा, काव्य-गुण, शीति एवं शैली, शीति तिद्वांत की प्रमुख स्थापनाएँ।

4. वक्तोक्ति तिद्वांत: वक्तोक्ति की अवधारणा, वक्तोक्ति के नेत्र, वक्तोक्ति एवं अभिव्यञ्जनात्मक

5. घनि तिद्वांत : घनि का स्वरूप, घनि तिद्वांत की प्रमुख स्थापनाएँ, घनि काव्य के प्रमुख नेत्र, घनि-सूत्र-व्याख्या, वित्र-काव्य।

6. औचित्य तिद्वांत: प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के नेत्र।

(ख) (1) आधुनिक हिंदी के प्रमुख सामीलिक एवं उनकी सभीता शैलियाँ :

आचार्य रामचंद्र शुल्क, आचार्य नेदुलारे चाजपेही, आचार्य हजारीप्रसाद दिवेदी, डॉ. नगेन्द्र डॉ. रमाविलास शर्मा।

(2) हिंदी आलोचना की प्रमुख प्रतिलिपियाँ :

शास्त्रीय अतिवादी, ऐतिहासिक, नूलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौदर्यशास्त्रीय, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय।

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न $-3 \times 20 = 60$ (खण्ड के से 02, खण्ड ख से 01)

3 लघूतरी प्रश्न / टिप्पणी $-3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वर्गुनिष्ठ / अतिलघूतरी प्रश्न $-5 \times 01 = 5$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन गण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

1. डॉ. राजेश दुबे -

2. डॉ. चित्तरंजन कर

3. लघूतरी प्रश्न / टिप्पणी $-4 \times 01 = 4$ डॉ. मीनकेतन प्रधान

5 वर्गुनिष्ठ / अतिलघूतरी प्रश्न $-6 \times 01 = 6$ सुशील कुमार चौधरी

7 डॉ. बोहियार सिंह साह $-8 \times 01 = 8$ श्री नवनीत जगतरामका

9 श्री राजीव गुरुता $-$

अधृत पृथकः

- भारतीय एवं पास्त्राल्य काव्यशास्त्र
- भारतीय काव्यानिदान
- भारतीय काव्यशास्त्र की प्रस्तरा
- ध्वनि सिद्धांत और व्यंजना-वृत्ति-विषेध
- एस सिद्धांत का पुनर्विषेध
- एस सिद्धांत
- भारतीय काव्यशास्त्र : सिद्धांत और समस्याएँ
- कर्मनिष्ठ काव्यशास्त्र
- भारतीय एवं पास्त्राल्य काव्यशास्त्र की लघेखा
- हिंदी आलोचना का विभास
- चारकारिक समीक्षा
- हिंदी आलोचना : इतिहास और सिद्धांत
- हिंदी साहित्यशास्त्र
- मानसरबादी, समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना : प्राच्ये शास्त्राभ्युपण शीतांशु
- शीतांशु और आलोचना के यत्तुरुपादी संग्रहकार
- हिंदी आलोचना की बीतीय सती
- हिंदी आलोचना के अधारशास्त्र
- ज्ञातांश्चोत्तर हिंदी समीक्षा सिद्धांत
- हिंदी आलोचना की परम्परा और आवार्य
- समयद्वय शुल्क
- भारतीय काव्यशास्त्र
- भारतीय काव्य किसी
- चारित्रयी काव्यशास्त्र

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. राजेश दुर्वे,

प्राचार्य

2. डॉ. वित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
एवं रविशक्ति शुल्क विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अंग्रेजी-छत्तीसगढ़ी राजनामा आयोग
छ.ग.शासन रायपुर

विभागीय सदस्य :

- डॉ. मीनकर्तन प्रधान-प्राण्यात्मक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्ययन
- डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राण्यापक हिन्दी : सदस्य
- सुशील लक्ष्मणराव कुर्से-सहायक प्राण्यापक हिन्दी : सदस्य
- डॉ. बेट्टियार सिंह लालू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

ओचौंसिक / नियम द्वे :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान स्पष्टक इस्पत टाइम्स, रायपुर
शूलपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडे रायपुर

अनुमोदित
हस्ताक्षर

डॉ. शिवकुमार भिव

डॉ. विष्वनाथनाथ उपायाय

समृद्धि विष्वायी

एस.टो.नरसिंहनिधीरो

डॉ. जमेश कुमार तिह

प्राच्यवर याजेलवाल, सुरेशचंद गुप्त

पूर्णांशु राय

गोपेन्द्र प्रताप तिह

नरकिशोर नवल

ज्ञानेन्द्र शेखर तिवारी

रामचंद्र तिवारी

नरकिशोर नवल

डॉ. सुधारुद्ध कुमार शुल्क

निर्मला जैन

परेशवर याजेलवाल, सुरेशचंद गुप्त

डॉ. ग्राहदेव निश

डॉ. राजेश राय

डॉ. राजेशियोर तिह

डॉ. नोन्द

डॉ. गणपति चंद गुप्त

डॉ. नोन्द

प्रस्तावना :

पत्रकारिता आज जनजीवन की धड़कन वन गई है, निम्नते विश्व में लापु-तंतुओं की तरह कान कर रही है। देनिक समाचार पत्र से लेकर साप्ताहिक, पासिक, ग्राहिक, वार्षिक पत्रिकाओं, मिट मीडिया, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, इंटरनेट आदि में इसका विकसित रूप देखा जा सकता है। इसके बिना आज आदमी का रहना कठिन है। अतः पत्रकारिता के विभिन्न पहलुओं का सेवात्मक एवं व्यावाहारिक विवेचन रोजानारपरकता की दिशा में एक कदम है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लक्ष्यतारी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों में अतिरिक्त विकल्प निर्धारित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 वर्णनिष्ठ/अतिलक्ष्यतारी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य-विषय :

- पत्रकारिता : स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार।
- विश्व पत्रकारिता का उदय।
- हिंदी पत्रकारिता का संक्षेप इतिहास।
- समाचार–पत्रकारिता के मूल तत्व : समाचार–संकलन एवं लेखन के मूल आधार।
- सम्पादन–कला के ज्ञानान्य सिद्धांत : शीर्षिकाकाण्ड, पृष्ठ–विचार, आमुख और समाचार पत्र की प्रस्तुति–प्रक्रिया।
- समाचार पत्रों के विभिन्न स्तरों की योजना।
- दृश्य सामग्री (कार्टून, रेखाचित्र, घाफिक्स) की व्यवस्था और फोटो पत्रकारिता।
- समाचार के विभिन्न खंड।
- संवाददाता की अहता, श्रृंगी एवं कार्य–पद्धति।
- सम्पादकीय लेखन, साक्षात्कार, पत्रकार–वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन।
- प्रेस संबंधी प्रयुक्ति कानून तथा आचार सहित।
- प्रजातात्त्विक व्यवस्था में चर्चाएँ सत्त्व के रूप में पत्रकारिता का वायित्व।

अंक विभाजन :

—0—

कुल अंक 80

- | | |
|--------------------------------------|---|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | $-3 \times 20 = 60$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 3 लक्ष्यतारी प्रश्न/टिप्पणी | $-3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वार्तानिष्ठ / अतिलक्ष्यतारी प्रश्न | $-5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पत्र में निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मान्यता के सदस्यों के हस्ताक्षर —

- डॉ. राजेश दुबे —
- डॉ. विनय कुमार पाठक —
- डॉ.(श्रीमती)रमेशन चौधे —
- डॉ. चंद्रिया सिंह साह —
- श्री राजीव गुरुा —

2. डॉ. वित्तरेणन कर

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. सुशी लक्ष्मणरी कुर्ता

8. श्री नवनीत जगतरामका

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

—

1. पत्रकारिता एवं जनसमर्पक
2. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसंचार
3. पत्रकारिता एवं राष्ट्रीय चेतना का विकास
4. हिंदी पत्रकारिता
5. पत्रकारिता : विविध विधाएँ
6. आधुनिक समाचार पत्र प्रबन्धन
7. हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इतिहास
8. पत्रकारिता : मिशन से शोड़िया तक
9. प्रेस विधि
10. समाचार और संवाददाता
11. पत्रकारिता की त्रुनीतियाँ
12. हिंदी पत्रकारिता : कल, आज और कल
13. समाचार सम्पादन
14. भेटवार्ता और प्रेस कानूनें
15. समाचार पत्र प्रबन्धन
16. हिंदी पत्रकारिता : स्वरूप और संर्दृंश
17. पत्रकारिता के नये पारिषद्य
18. कॉमीटीइट
19. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र
20. पत्रकारिता के नए आयाम

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्तालिर : विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे.

प्राचार्य

शासनवीन यहाविचालय खरोग, सायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वित्तराजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्ययन-छत्तीसगढ़ी चारखाड़ा आयोग
छ.ग.शासन, सायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्ययन

2. डॉ. (श्रीमती) रमेन्द्र चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी

3. श्री लक्ष्मण रामेश्वरी कुर्से-सहायक प्राध्यापक हिन्दी

4. डॉ. वैदियार शिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी

ओर्ध्वोभिक / नियम सेवा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान समादक इस्पात टाइम्स, सायपुर

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) : श्री राजीव गुप्ता, घुनुहारड़ेरा, सायपुर

प्रधान समादक इस्पात टाइम्स, सायपुर

टी.डी.एस.आलोक

डॉ. तकुरदत्त शर्मा 'आलोक'

डॉ. अर्जुन तिवारी

कृष्णविहारी मिश्र

डॉ. राजकुमारी एनी

अनिल किशोर पुरोहित

डॉ. उर्जुन तिवारी

अविलेश मिश्र

डॉ. नंदकिशोर विष्णा

काशीनाथ गोविंद जोगलेकर

गणेश मंत्री

मुरेश गोत्तम

कमल दीक्षित, महेश दर्पण

ग्रो. नंदकिशोर विष्णा

डॉ. गुलाब कोठारी

विनोद गोदरे

राजकिशोर

कमलेश जैन

रवीन्द्र शुक्ला

एस.के.दुबे

अनुमोदि
इस्ताव

- १००० -

प्रसावित दर्श 2019-2020 एवं 2020-2021

ए.पा. ए हिंदीमोर्टल-पृष्ठेय
अनियाप्र प्रसार चौथा
लोकसभादिव्य Code 912

प्रसावित : हिंदी जागत की बोलियों या लिखियों में अद्यता लोकसभादिव्य-चौथा नियमित है। इसके अन्तर्मधार संक्षेप, प्रसारण इसी अन्तर्मधार संक्षेप को सम्भवता दिया जा सकता है और इसी का जागरूक चौथा जा सकता है। अब इसके अन्तर्मधार की विधियों का नियमित है।

इस प्रसावित में प्रसार पाठ्य-विषय से 03 आठोंवर्षालयक प्रश्न, 03 त्र्यात्मी/टिप्पणी लेखन के प्रश्नों ने आठोंवर्ष विकल्प नियमित है। रामाय पाठ्य-विषय से 05 वस्तुज्ञान/आठोंवर्षालय प्रश्न किए जाएं।

प्रश्न विषय :

1. लोक की अन्यायगती :
लोक चाहत की अन्यायगती
2. लोकसभादिव्य का उत्तरण :
3. परिमाण एवं विवेकार्थी लोकसभादिव्य से सामान्य-भेद।
4. लोकसभादिव्य की अन्यायगती की अन्यायगती, लोकसभादिव्य से सामान्य-भेद।
5. लोकसभादिव्य के विवेक लाभ :
लोक-प्राची, लोक-जनराय, लोक-जाग, लोक-जूत्य, लोक-सामीर, लोक-जुगामित, मुहुरलै, लाहौलो, चौहानी।
6. लोकसभादिव्य का भाव एवं विवेक सीढ़ी :
7. लोक सभादिव्य की अपयोगीता, महत्व एवं उनीतियाँ।

चून अक 80

अक विषयागम :

- | | |
|----------------------------------|--|
| 3 आठोंवर्षालयक प्रश्न | -3 × 20 = 60 (प्रश्न प्रति ये नियमित स्वार्थी पाठ्य-विषय से) |
| 3 लघुती प्रश्न/टिप्पणी | -3 × 05 = 15 (प्रश्न प्रति ये नियमित स्वार्थी पाठ्य-विषय से) |
| 5 वस्तुज्ञान/आठोंवर्षालयक प्रश्न | -5 × 01 = 05 (प्रश्न प्रति ये नियमित स्वार्थी पाठ्य-विषय से) |
-
- अन्यायगत अन्याय के सदरस्वी के छात्रान्याय
1. डॉ. राजेश तुला
2. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
3. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
4. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
5. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
6. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
7. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
8. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
9. डॉ. विजय युवराज पाठ्यका
-
1. डॉ. विजय युवराज कर
2. डॉ. विजय युवराज कर
3. डॉ. विजय युवराज कर
4. डॉ. विजय युवराज कर
5. डॉ. विजय युवराज कर
6. डॉ. विजय युवराज कर
7. डॉ. विजय युवराज कर
8. डॉ. विजय युवराज कर
9. डॉ. विजय युवराज कर

संदर्भ पथ :

- लोकसाहित्य की गृहिणी
- खड़ी बोली का लोकसाहित्य
- लोक : परंपरा, पहचान एवं प्रवाह
- भारत में लोकसाहित्य
- लोकसाहित्य सम्मेलन
- लोकसाहित्य और सारचंडी
- मनव और संस्कृति
- लोकसाहित्य : अर्थ और व्याप्ति
- लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
- लोकसाहित्य शास्त्र
- लोकसाहित्य और लोकसंस्कृति
- लोकसाहित्य : विविध आयाम
- हिंदी लोकसाहित्यशब्द
- लोकसंस्कृत की लघुरेखा
- मध्यप्रदेश का लोकसंगीत
- भारत के लोकगृह्य
- लोकगीतों के सदर्म और आयाम
- हिंदी प्रदेश के लोकगीत
- ग्रामीण लोकसाहित्य की लघुरेखा
- लोकसाहित्य के स्वरूप का सैद्धान्तिक विवेचन

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. हॉ. राजेश ठुबे.

प्राचार्य

शासनवीन यहाविद्वालय खरोला, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वित्तरजन कर,

पूर्व किनारायद्वारा भाषा विज्ञान

पूर्व गविशकर युफल विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विनायायक-हिन्दी, अस्स-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयाम

छ.ग.शासन, रायपुर

विद्यार्थी सदस्य :

1. डॉ. गीनकेनन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अस्स

2. डॉ. (श्रीमती) रमेन्द्र चौधे-सहायक प्राच्यापक हिन्दी : सदस्य

3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी कुर्ते-सहायक प्राच्यापक हिन्दी : सदस्य

4. डॉ. बहित्यर सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

ओर्ध्वग्रन्थ / निपाम सेवा :

1. श्री नवनीत जगतरामगांव,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

नूतन विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव युप्ता, धनुहारड़े रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विनय कुमार

- कृष्णदेव उपाध्याय
- सत्या गुप्त
- श्यामसुदर ठुबे
- कृष्णदेव उपाध्याय
- रामनारायण उपाध्याय
- दिनेश्वर प्रसाद
- श्यामानंद ठुबे
- सुरेश गोतम
- उषा सर्वेना
- बापूराव देसाई
- रामनिवास शर्मा
- शशिकांत सोनवणे
- जयश्री गावित
- अनसुइया अग्रवाल
- कणादेव उपाध्याय
- शरीफ मोहम्मद
- गोपनानन्द
- शाति जेन
- कृष्णदेव उपाध्याय
- दुर्गा भागवत
- नारायण चोदारी

प्रस्तावना :

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को पाठ्यक्रमतार किसी एक विषय/अंश विषेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शाखा-निवेशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, क्षेत्र-कार्य, संग्रहण, संवेदन आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वच्छ हस्त लिखित प्रति लिखान द्वारा निवारित लिखि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निर्धारित विषय 1. रायगढ़ जिले का लोकसाहित्य

2. जिले के लोक-गौतों / लोक-कथाओं का संकलन
3. जिले की कहापतों एवं झुंझवरों का संकलन
4. रायगढ़ जिले के किसी एक स्थानीय सामाचार पत्र या तथ्यप्रक विवेचन
5. हिंदी में प्रकाशित होने वाली साहित्यिक पत्रिकाएं
6. रायगढ़ जिले के साहित्यिक / सारस्कृतिक आयोजनों का प्रतिवेदन
7. उद्घोषणा हेज्जन

8. पाठ्येतर आधुनिक कवि (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का प्रदेश

9. ज्यावाद एवं राष्ट्रीय काल्यास के किसी एक कवि / काव्य-कृति (हिंदी/छत्तीसगढ़ी) का वीशेष्य
10. आधुनिक नाटक / लोकनाट्य / रायगढ़ का सामाजिक प्रभाव
11. पाठ्येतर आधुनिक हिंदी सामोहिक / हिंदी अलोचना की प्रवृत्ति से सम्बन्धित जीविका
12. संदर्भात् सामग्रिक एवं प्रासादिक अन्य विषय (लिखानीय संस्कृति से)

गंक विभाजन : कुल अंक : 50, शोध आलेख : 30 अंक, यौविकी : 20 अंक
आध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,

प्राचार्य

शास.नवीन महाविद्यालय खरोंसा, रायगढ़ (छ.ग.)

2. डॉ. चित्ररंजन कर,

पूर्व निमागच्छ सापा विज्ञान

प. रायेशकर शुक्ल विवि. रायगढ़ (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्यक्ष-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकौतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) ख्वीन्द चौधे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुशी लक्ष्मणसो कुरुदे-सहायक प्राध्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेतियार सिंह साह-अलिंगि याच्छाता हिन्दी : सदस्य

अधिकारी/नियम सेवा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

: सदस्य

प्रधान सपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़
सन्तार्प विद्यार्थी (सनातकोत्तर हिन्दी सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश रायगढ़

: सदस्य

कि.शास.कला एवं विज्ञान महाविद्यालय, रायगढ़ छत्तीसगढ़

सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

पाठ्यक्रम : हिंदी साहित्य

एम. ए. चतुर्थ-सेमेस्टर

क्र.	प्रश्नपत्र	प्रश्नपत्र का नाम	अंक विभाजन				
			सेमेस्टर परीक्षा		आंतरिक मूल्यांकन		योग
1.	प्रथम	छायावादोत्तर काव्य	अधिकतम	न्यूनतम	अधिकतम	न्यूनतम	100
2.	द्वितीय	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	80	29	20	07	100
3.	तृतीय	प्रयोजनमूलक हिंदी	80	29	20	07	100
4.	चतुर्थ	छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य अथवा लघु शोध प्रबंध	80	29	20	07	100
5.		परियोजना कार्य			50	18	50
					कुल		450

बैठक दिनांक : 30.11.2016

मी.वी.वी.वी.वी.
विभागाध्यक्ष – हिन्दी

विस्तृत पाठ्यक्रम एवं संदर्भ ग्रन्थ सूची संलग्न

नोट : परीक्षार्थी को प्रत्येक प्रश्नपत्र में सेमेस्टर परीक्षा एवं आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा में अलग-अलग 36 प्रतिशत अंक प्राप्त करना अनिवार्य है।

अध्ययन--मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,

शास.विलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फूलदास महंत,

राहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास.महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला जौंजगीर-चांपा

अनुमोदित

हस्ताक्षर

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

दिभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

-

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य

-

3. डॉ. वेठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

-

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

-

औद्योगिक / निगम क्षेत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका, : सदस्य

-

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री राजीव गुप्ता : सदस्य

-

धनुहारडेरा रायगढ़

18

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-19
एम. ए हिंदी:सेमेस्टर-चतुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य Code - 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतियाँ में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संरेखिति थी। गण्डीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समास्त शक्ति-समर्थ तथा कठिप्पि नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जौर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। अंदोगोकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्युपताओं ने प्राति शीत साहित्यिक आदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अचैपी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्याधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहम्मद की स्थिति ने जन्म लिया। ख्यान अधरे रहे, संकल्प दृटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिवर्तित हुई, जिन्हाँ ने चैदिकाका का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए विष्य, प्रतीक एवं अभिव्यजना-रूप विकसित हुए। अतिरिक्ती स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहम्मद की स्थिति पेटा की अभिव्यजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विश्वजनीन हो गई। इस वैशिष्टक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यन्त अत्यधिक है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। दुत पाठ से विकल्प-युक्त लघूतरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के सम्पूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सामिक्षदानानंद हीरानंद वात्यायन 'अज्ञेयः' नदी के हीप असाध्य वीणा, वावरा अहोमि साँप।
2. नागार्जुन वादल को चिरते देखा है, यह तुम थी, यह तो था बीमार, नईपोष, कालिदास, मै तुम्हे अपना चुम्हन देंगा, ऐन दौँतों वाली, तो किर क्या हुआ त्यासन की बढ़क, अकाल और उसके बाद। अद्वे मै।

तृत पठन : रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', स्मृति सहाय, धूमिल, दुष्टं कुमार, अरुणकर्मल

अंक विभाजन :

03-व्याख्यात्मक प्रश्न	3 × 10 = 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)	कुल अंक 80
02-आलोचनात्मक प्रश्न	2 × 15 = 30 (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)	-
03-लघूतरी प्रश्न /टिप्पणी लेखन	3 × 05 = 15 (दुत पाठ से)	-
05-वस्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न	5 × 01 = 05 (समादृत पाठ्य विषय से)	-

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर	
1.डॉ. ई.स. गुरुर	-
2.डॉ. विहीरी लाल साहू	-
3.डॉ. उषा वैरागकर आठतो	-
4.डॉ. मीनकंतन प्रधान	-
5.डॉ. श्री रामकुमार बंजारे	-
6.डॉ. बीतेयार लिह साहू	-
7.श्री नवीत जगतरामका	-
8.श्री राजीव गुप्ता	-

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम.ए.हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ
आनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय

पाठ्यात्मक काव्यशास्त्र Code - 914

प्रस्तावना :

रचना के वैशिष्ट्य और मूल्यबोध के उद्धारण के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान आवश्यक है। इससे साहित्यक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके अधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवाता की वास्तविक परिष्ठ की जा सके। पाठ्यात्मक काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाठ्यात्मक काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विविध शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघूतरी/टिप्पणी लेखन/ वर्सुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) पाठ्यात्मक काव्य सिद्धांत

1. खोलो : काव्य-सिद्धांत।
2. अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
3. लौंजाइनस : उदात्त की अवधारणा।
4. बईसवर्थ : काव्य-भाषा का सिद्धांत।
5. कॉलरिज : कल्पना-सिद्धांत और ललित कल्पना।
6. मैथू ऑनल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार।
7. टी. एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयाकारिक प्रज्ञा, निर्वाचितकता का सिद्धांत, वर्सुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
8. आई.ए.रिचर्ड्स : रागालंक अर्थ, संवेदों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) पाठ्यात्मक समीक्षा

1. सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वाच्छदता वाद, अमियंजना वाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण वाद, तथा आर्तित्व वाद।
2. आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियों —0—

अंक विभाजन :

3 आलोचनात्मक प्रश्न

$3 \times 20 = 60$ (खण्ड के से 02 एवं खण्ड ख से 01)

3 लघूतरी प्रश्न / टिप्पणी

$3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

5 वर्सुनिष्ठ / अतिलघूतरी प्रश्न

$5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

कुल अंक 80

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर —

1. डॉ. एस. ठाकुर —

2. डॉ. पूर्णलाल महंत —

3. डॉ. विहारी लाल साहू —

4. डॉ. मीनकर्तन प्रधान —

5. डॉ. उषा वैराग्यकर आठले —

6. डॉ. बीठियार सिंह साहू —

7. श्री रामचुम्बर बंजारे —

8. श्री नवनीत जगतरमाका —

9. श्री राजीव मुरा —

संदर्भ ग्रंथ :

1. पारचात्य काव्यशास्त्र के सिद्धांत
2. साहित्य समीक्षा के पारचात्य मानदंड
3. पारचात्य साहित्य चितन
4. पारचात्य साहित्यालोचन के सिद्धांत
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक चिमर्श
6. देरिं विखड़न की सेक्ष्टिकी
7. शैलीविज्ञान और सरचनावाद
8. शैलीविज्ञान
9. पारचात्य काव्य चितन
10. साहित्य सिद्धांत
11. स्थातन्त्र्योत्तरहिती समीक्षा सिद्धांत
12. पारचात्य काव्यशास्त्र : अध्यानात्मन संदर्भ
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु
14. पारचात्य काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद: डॉ. भगवीरथ मिश्र
15. सौंदर्यवेषास्त्र
16. पारचात्य काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ
17. पारचात्य काव्य चितन
18. पारचात्य काव्यशास्त्र

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. गाफुर,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,

शासविलासा कन्या सानातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महत्त,

सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य

शास-महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जैजगमी-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बैठियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

ओपीमीक / निगम कीर्त :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान समादक, इस्यात टाइम्स रायगढ़

महापूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी.सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहरड़ेरा रायगढ़

: सदस्य

-

: सदस्य

-

1. डॉ. शांतिस्वरूप गुप्त
2. डॉ. राजेन्द्र वर्मा
3. सपादक - निर्मला जैन
4. डॉ. लीलाघर गुप्त
5. सुधीश पवीरी
6. सुधीश पवीरी
7. डॉ. नरेन्द्र सैनी
8. डॉ. सुरेश कुमार
9. डॉ. करुणाशक्ति उपाध्याय
10. डॉ. वेलेक, ऑस्ट्रेन वारेन
11. डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र
12. डॉ. सत्यदेव मिश्र
13. डॉ. मर्गीरथ मिश्र
14. डॉ. जगदीश सिंह मन्त्रास
15. डॉ. राजनाथ उपाध्याय
16. डॉ. उमेशकुमार सिंह

अनुमोदित

हस्ताक्षर

प्रस्तावना :

सूखना प्रैचीनिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य-शब्द माध्यमों से संबंधित विद्याओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजारपत्रक है। इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक प्रश्न / लघुत्तरी / टिप्पणी लेखन / वस्तुनिष्ठ / अतिलघुत्तरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेगा।

(अ) मीडिया लेखन :

1. जनसचार : प्रैचीनिकी और चुनौतियाँ।
2. विभिन्न जनसचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, शब्द, दृश्य-शब्द, इंटरनेट।
3. शब्द माध्यम (लेडियो) : मीडियाक माध्यम की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्धोषणा-लेखन, विज्ञापन-लेखन, फीचर तथा रिपोर्टज।
4. दृश्य-शब्द माध्यम (फिल्म, टेलिविजन एवं बीडियो) : दृश्य माध्यमों में भाषाकी प्रकृति, दृश्य एवं शब्द सामग्री का सामर्जन्य, पार्श्व वाचन (वॉट्स ऑवर), पटकथा लेखन, टरली झामा, संवाद-लेखन, साहित्य की विद्याओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, लेजापन की भाषा।

(ब) हिंदी काम्यूटिंग :

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग-क्षेत्र
2. इंटरनेट एवं वेब वर्ल्ड वाइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटस्क्रॉप।
4. लिंक, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट फोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के ब्लॉग्स, हिंदी सोशलवेपर ऐकोजेस।
6. एम.एस.वर्ड, फाटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मल्टीमीडिया, ई-कॉमर्स का सामान्य परिचय।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार :

1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि।
2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. नशीनी अनुवाद।

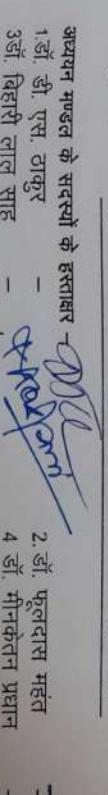
अंक विभाजन :

३ आलोचनात्मक प्रश्न	३ × २० = 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
३ लक्ष्यतारी प्रश्न / टिप्पणी	३ × ०५ = १५ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
५ वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरी प्रश्न	५ × ०१ = ०५ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

—0—

कुल अंक ८०

१ डॉ. ई.स. राकुर	—	२ डॉ. फूलदास महत
२ डॉ. बिहसी लाल शाह	—	३ डॉ. मीनकेतन प्रधान
५ डॉ. चंपा वैराग्यकर आठले	—	६ डॉ. वैतिपार सिंह शाह
७ श्री रामकुमार बंजारे	—	७ श्री नवनीत जातरामका
९ श्री राजीव गुदा	—	८ श्री नवनीत जातरामका

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर — 

संदर्भ ग्रंथ :

1. पत्रकारिता और जनसंचार
2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग
3. हिंदी पत्रकारिता एवं जनसम्पर्क
4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग
5. इंटरनेट और ई मेल
6. कम्स्टी कम्प्यूटर कोर्स
7. मीडिया लेखन हिंदी
8. प्रयोजनमूलक हिंदी
9. मीडियाकालीन हिंदी : स्वरूप और समाचार
10. फीचर लेखन : स्वरूप और शिल्प
11. रेडियो नाटक की कला
12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी
13. कम्प्यूटर और हिंदी
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एफ
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : टो
16. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी
17. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी
18. दूरदर्शन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण
19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार
20. रेडियो का कलाप्रयोग
21. सम्मेलन और रेडियो शिल्प
22. 1000 कम्प्यूटर-इंटरनेट प्रश्नोत्तरी
23. अनुवाद के व्यापीक पत्र
24. अनुवाद क्या है?
25. अनुवाद क्या है?
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य
27. साहित्यानुवाद : संवाद और संवेदना
28. लिप्यतरण : सिद्धांत और प्रयोग
29. आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

1. डॉ. ई. एस. ठाकुर,

प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी,

शास्त्र विलास कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ.

फूलदास महंत,

सहा. प्राध्यापक/प्रमारी प्राचार्य

शास्त्र महाविद्यालय, जैजपुर, जिला-जॉर्जगढ़-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. बिहारी लाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्यक्ष

2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिंदी : सदस्य

3. डॉ. बेतियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिंदी

4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिंदी

आधोगिक /निगम सेवा :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक, इस्पात, टाइम्स रायगढ़

मृष्टपुर्ण विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दीसभ 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धुलुवरडे रायगढ़

डॉ. ताकुरदत्त शर्मा 'आलोक'

विष्णु राजगढिया

डॉ. टी. ई.स.आलोक

दगल झाल्टे

हेमत कुमार गोयल

कपिलदेव सपडा

उमीत मोहन

डॉ. विनोद गोदरे

डॉ. अर्जुन चक्रवर्ण

डॉ. मनाहर प्रमाकर

सिद्धनाथ कुमार

डॉ. अमरसिंह व्यान

डॉ. रमनारायण पटेल

डॉ. रमनारायण पटेल

डॉ. सुधीश पवारी

डॉ. यूसी.गुला

डॉ. उमेश निश

डॉ. अर्जुन तिवारी

डॉ. नीरजा माधव

विश्वनाथ पाण्डेय

विनयभृष्ण

विमा गुरु

डॉ. भ.राजेन्द्रकर

राजनन्द छोरा

रोतारानी पालीवाल

डॉ. आरसु

रामप्रकाश सक्सेना

अनुमोदित
हस्ताक्षर

- 


- 

-

: सदस्य

-



-

: सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर-चतुर्थ
अनिवार्य प्रस्तापना-चतुर्थ
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य Code ११६

प्रस्तावना

प्रस्तवना : हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक सीमित नहीं है। उसकी अनेक विभाषाओं में आज भी प्रयोग साहित्य-सूजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतीक्षित हो चुकी है। आतः इसके पृथक् अध्ययन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास ही होगा। इस प्रश्नात्र में समस्त पाठ्य-विषय से अलीचेनालक प्रश्न/लघूतरी/टिप्पणी तेज्जन/वस्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आनारिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय

1. छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास।
 2. छत्तीसगढ़ /छत्तीसगढ़ी का नामकरण।
 3. छत्तीसागढ़ी का भौगोलिक, सामाजिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
 4. छत्तीसगढ़ी की उपबोलियाँ एवं उनका वर्गीकरण।
 5. छत्तीसगढ़ी का शब्दरेखा।
 6. छत्तीसगढ़ी का मानक व्याकरण।
 7. छत्तीसगढ़ी साहित्य - मुा-प्रतीतियाँ एवं विकास के चरण।
 8. छत्तीसगढ़ी ग्रन्थ-साहित्य की तिथिव विधारै।
 9. छत्तीसगढ़ी पद्ध-साहित्य की विधिव विधारै।
 10. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विषेष रखनाकार।

अंक विभाजन :

3x20 फूल अंक 80

4 आलोचनात्मक प्रश्न	4 × 15 = 60 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघुत्तरी प्रश्न / टिप्पणी	3 × 05 = 15 (निर्धारित सापूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ / अति लघुत्तरी प्रश्न	5 × 01 = 05 (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर	
१. डॉ. ई. स. ठाकुर	-
३. डॉ. विहारी लाल साहू	-
५ डॉ. उपा बैरागकर आठाने	-
७ श्री रामकृष्ण पर यज्ञो	-
९ श्री राजत गुप्ता	-
2. डॉ. फूलदास महत	
4 डॉ. मीनकेतन प्रधान	
6 डॉ. वेठार सिंह साहू	
8 श्री नवनीत जगतरामका	

संदर्भ ग्रंथ :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य : डॉ. विहारीलाल साहू
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्दिकास : डॉ. नरन्ददेव वर्मा
3. छत्तीसगढ़ी, हल्ली, भट्टी भाषाओं का मालवंद्रधाव तैलंग
4. ऐड्जनिक अध्ययन : डॉ. नंदिकेशो तिवारी
5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश : हीरालाल शुक्रल
6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा : डॉ. तृष्णा शर्मा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश : डॉ. स्मशच्छद महरोत्रा
8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी : डॉ. मुख्यर शर्मा
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल : डॉ. किरण गजपाल
10. मानक छत्तीसगढ़ी व्याकरण : डॉ. उमा वैरागकर आठते
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं चेतावनी : डॉ. चित्तरंजन कर
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी : डॉ. विहारीलाल साहू
13. छत्तीसगढ़ी अभियन्ति के परिप्रेक्ष : डॉ. कनिकुमार
14. छत्तीसगढ़ी बोली, व्याकरण और ज्ञान : डॉ. व्यासनारायण दुवे
15. छत्तीसगढ़ी ज्ञानाधार : डॉ. विहारीलाल गुप्त
16. प्राचीन छत्तीसगढ़ : डॉ. विहारीलाल साहू
17. छत्तीसगढ़ी पहलियों : संपा - रमेशचंद्र महरेत्रा एवं चित्तरंजन कर
18. छत्तीसगढ़ी मुहावरा कोश : डॉ. विहारीलाल साहू
19. प्रहोलिकार्ण और छत्तीसगढ़ी संस्कृति : डॉ. पाले वर प्रसाद भार्मा
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं प्रम्भा : डॉ. शंकर शेष
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,

शास्सविलासा कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महेत,

सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य

कुलपति द्वासा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. नीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्यक्ष

2. डॉ. ऊर्जा वेरागकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिन्दी : सदस्य

3. डॉ. बेंटियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

4. श्री रामकृष्ण चंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

ओर्डिनिक / निमान कौत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान सम्पादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

भूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

: सदस्य

-

-

-

-

: सदस्य

-

-

-

-

अनुमोदित

हस्ताक्षर

—

—

—

: सदस्य

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

-

प्रस्तावना:-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का मौलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। शोधार्थी को शोध-निरेशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, हक्कें-कार्य, संग्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रविधियों पर केन्द्रित आलेख की स्वरूप/स्पष्ट-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

निधित्ति विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साक्षात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधप्रबल लेख।
3. इंटरस्ट-माध्यम से किसी एक साहित्यिक ल्लोग का विश्लेषण।
4. किसी फिल्म/रेडियो नाटक/टी बी धारावाहिक/वृत्तान्वित के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिंदी/उडिया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के सदर्म में लगभग 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. पश्चात्य काल्पनिक के किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायाचादोत्तर / इक्कीसवीं सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उडिया/अन्य भाषा के कवि/काव्य-कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित काम्पक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. संदर्भगत सामग्रिक एवं प्रासादिक अन्य विषय (विभागीय संस्कृति से)

—0—

अंक विभाजन : कुल अंक - 50
रोप आलेख: 30 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 10)
मौखिकी : 20 अंक (न्यूनतम उत्तीर्ण अंक - 08)

अध्ययन-प्रणाली के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुमोदित
हस्ताक्षर

विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. एस. गावकर,

शासकिलाता कर्म्मा स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
प्रश्नापत्रक एवं विभागाभ्यास-हिंदी

2. डॉ. पृष्ठलदास महेत,

सहा. प्राच्याभ्यासक /मन्मदी प्राचार्य

शासक महाविद्यालय, जैजेपुर, जिला-जैजेपुर-चापा

कुलपति द्वारा नामांकितः

1. डॉ. विहरी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17, किरोड़ीमल कालोनी, रायगढ़

विभागीय सदस्यः

1. डॉ. मानकेतन प्रधान-प्राच्याभ्यास-हिन्दी : अव्यास-

2. डॉ. उषा वरेशकर अठले-सहायक प्राच्याभ्यास-हिन्दी : सदस्य-

3. डॉ. बेतियार सिंह साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

4. श्री रामकृष्णर बर्जारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-

ओद्योगिक /निगम हक्कः

1. श्री नवनीत जगतरमका,
प्रधान सचिव, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

प्रधान सचिव (न्यातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

1. श्री रामेश युवा,

चार्जहारेला रायगढ़

: सदस्य-

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी समस्तर - चतुर्थ

काल्पक प्रवनपं चूः
लघु शोध-प्रबंध code- ९२।

विवाहा -
इस प्रश्न पत्र की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध-प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता विद्यार्थी को हितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार इस की समर्तति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्दर्शक के मार्गदर्शन में मौलिक रूप लगाया 100 पृष्ठों का लघु शोध-प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित / टिकित प्रतियाँ लगाया गया होंगी। इसके अलावा इसके अंत में एक अनुच्छेद लगाया जाना चाहिए जिसमें विभिन्न विषयों के बारे में विवरण दिये जाने चाहिए। इसके अलावा इसके अंत में एक अनुच्छेद लगाया जाना चाहिए जिसमें विभिन्न विषयों के बारे में विवरण दिये जाने चाहिए।

निधारित तीव्रतया ५ परदाना...
के लिए निमानुसार अंक निधारित है-
अंक विभाजन

आंतरिक मूल्यांकन परीक्षा

बाह्य परीक्षक

三

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विषय विशेषज्ञ :

१. डॉ. ई. एस. ठाकुर.

प्राध्यापक एवं प्रभागी स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर

2. डॉ. फुलदास महेत,
— अभ्यास / प्राप्ति पाठ्य

सहा. प्राध्यापक / प्रभारी प्राची य
चाम मङ्गविद्यालय, जैजेपुर, जॉर्जगढ़-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :
१. डॉ. बिहारी लाल साहू

विमानीय सदस्य : - - - - - विमानाश्रम दिव्यनी : अद्युक्त

डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्रध्यापक एवं विमानाव्यवस्था-एवं सदर सरकार के दो उपराज्यकार आठले—सहायक प्रध्यापक हिन्दी सदर सरकार के दो उपराज्यकार आठले—सहायक प्रध्यापक हिन्दी सदर सरकार के दो उपराज्यकार आठले—सहायक प्रध्यापक हिन्दी

आधारक / नियन्त्रक :
१. श्री नवनीत जगतरामका

प्रधान मंत्रीद्वारा दिया गया। अतः इसका उल्लेख करना चाहिए।

१८

10

अनुमोदित

- 1

Chittaranjan

— — —
Hannover
Pankow

2

-

1

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-19

एम. ए. हिंदी: सेमेस्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिय में यथार्थ और रचन दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समर्त शक्ति-सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगिकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विदूपताओं ने प्रगतिशील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। रचनात्रता के बाद मोहम्मद की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए विभ्व, प्रतीक एवं अभिव्यञ्जना-रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहम्मद की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यञ्जना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता विवृतजनीन हो गई। इस वैशिक संदर्भ की जानकारी और समझादारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में समादृत रचनाओं से आंतरिक विकल्प-युक्त व्याख्यात्मक एवं आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे। द्रुत पाठ से विकल्प-युक्त लघूत्तरी / टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जायेंगे। इस प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से विकल्प-युक्त वस्तुनिष्ठ / अतिलघूत्तरी प्रश्न किये जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अङ्गेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
2. नागार्जुन : बादल को धिरते देखा है, यह तुम थी, वह तो था बीमार, नईपौध, कालिदास, मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूळा, पैने दाँतों वाली, तो फिर क्या हुआ ? शासन की बंदूक, अकाल और उसके बाद।
3. गजानन माधव मुकितबोध : अंधेरे में।

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरुणकमल

—0—

अंक विभाजन :

कुल अंक 80

03-व्याख्यात्मक प्रश्न	$3 \times 10 = 30$ (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
02-आलोचनात्मक प्रश्न	$2 \times 15 = 30$ (समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-लघूत्तरी प्रश्न/टिप्पणी लेखन	$3 \times 05 = 15$ (द्रुत पाठ से)
05-वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	$5 \times 01 = 05$ (समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर

- | | | | |
|-------------------------|------------------------|--------------------------|------------------------|
| 1. डॉ. डी. एस. ठाकुर | - <i>Q. M. S. Jam.</i> | 2. डॉ. फूलदास महंत | - <i>Q. M. S. Jam.</i> |
| 3. डॉ. विहारी लाल साहू | - <i>Q. M. S. Jam.</i> | 4. डॉ. मीनकेतन प्रधान | - <i>Q. M. S. Jam.</i> |
| 5. डॉ. उषा वैरागकर आठले | - <i>Usha</i> | 6. डॉ. वेठियार सिंह साहू | - <i>Q. M. S. Jam.</i> |
| 7. श्री रामकुमार वंजारे | - <i>Ramkumar</i> | 8. श्री नवनीत जगतरामका | - <i>Q. M. S. Jam.</i> |
| 9. श्री राजीव गुप्ता | - <i>Rajeev</i> | | |

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम.एहिंदी : सोमेर्स्टर-चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र-द्वितीय

प्रश्नात्मक काव्यशास्त्र code ११४

प्रस्तावना :

रचना के वैषेषिक्य और मूल्यवोध के उद्धारण के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहर्य है। इससे साहित्यिक समझ विभिन्न होती है तथा वह दृष्टि निर्णी है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवत्ता की वास्तविक परिष की जा सके। प्रश्नात्मक काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ता है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए प्रश्नात्मक काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विधिय शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न किये जायेंगे जिनमें आंतरिक विकल्प रहेगा। लघुतरी/टिप्पणी लेखन/ वस्तुनिष्ठ/ अतिनधूतरी प्रश्नों में आंतरिक विकल्प रहेगा।

पाठ्य विषय :

(क) प्रश्नात्मक काव्य सिद्धांत

1. चार्टों : काव्य-सिद्धांत।
2. अर्थात् : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेदन।
3. लोजाइन्स : उदात्त की अवधारणा।
4. बहुस्वर्य : काव्य-भाषा का सिद्धांत।
5. कॉलरिज : कल्पना-सिद्धांत और लेलित कल्पना।
6. मध्य आँर्नल्ड : आलोचना का व्यालप और प्रयोग।
7. टी. एस. इलियट : प्रश्न परीक्षण का व्यालप और प्रयोगिकता का सिद्धांत, वार्तुनिष्ठ समीकरण, संबंदनशीलता का असाहचर्य।
8. आई.ए.प्रिचर्ड्स : राचनाके अर्थ, संबंदहोने का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

(ख) प्रश्नात्मक समीक्षा

1. सिद्धांत और वाद : अनियात्याद, सच्छब्दाता वाद, अनियोगना वाद, भावरूपाद, मनोविश्लेषण ताद तथा अस्तित्व वाद।
2. आधुनिक समीक्षा : सरदनावाद, विख्यान वाद, रौलीपिजान, उत्तर आधुनिकता वाद।

—0—

कुल अंक 80

- | | |
|-------------------------------|---|
| 3 आलोचनात्मक प्रश्न | $3 \times 20 = 60$ (खण्ड के से 02 एवं खण्ड ख से 01) |
| 3 लघूतरी प्रश्न/टिप्पणी | $3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पर के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |
| 5 वस्तुनिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न | $5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पर के संपूर्ण पाठ्य विषय से) |

अध्ययन मान्यता के सदस्यों के हस्ताक्षर -

- | | |
|---------------------------|---|
| 1. डॉ. एस. नकुर | - |
| 2. डॉ. फूलदास महेता | - |
| 3. डॉ. विहरी लाल साहू | - |
| 4. डॉ. मनकरतन प्रधान | - |
| 5. डॉ. उपा वरोगर आठोले | - |
| 6. डॉ. चंद्रेश लिहां साहू | - |
| 7. श्री रामकृष्ण बंगोरे | - |
| 8. श्री राजीव गुप्ता | - |

संदर्भ ग्रंथ :

- पारचाल काव्यशास्त्र के निदृष्टि
- साहित्य समीक्षा के पारचाल मानदण्ड
- पारचाल साहित्य वित्तन
- पारचाल साहित्यलोकन के निदृष्टि
- उत्तरवाच्चनिक साहित्यिक विषय
- देशिं विष्णुदेव की सौदारितेकी
- शैलीविज्ञान और संरचनावाद
- शैलीविज्ञान
- पारचाल काव्य वित्तन
- साहित्य निदृष्टि
- सांस्कृतलिखिती समीक्षा निदृष्टि
- पारचाल काव्यशास्त्र : अध्युनात्मन संदर्भ
- भाषा और समीक्षा के निदृष्टि
- पारचाल काव्यशास्त्र : इतिहास, निदृष्टि और वादः डॉ. जगदीश तिङे महास
- सौदर्यवेच्छास्त्र
- पारचाल काव्यशास्त्र : नई प्रृतियाँ
- पारचाल काव्य वित्तन
- पारचाल काव्यशास्त्र

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर,

प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी,

शासविलासा काव्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर

2. डॉ. फूलदास महेत,

सहा. प्राच्यापक / प्रभासी प्राचार्य

शास. महाविद्यालय, जैजुपुर, जिला-जैजगीर-चापा

कुलपती द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहंडी लाल साहू,

सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोडीमल कालोनी, रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

ठ. शास्त्रिस्वरूप गुप्त
डॉ. राजेन्द्र वर्मा
समाप्तक - निर्मला जैन
डॉ. लीलाचर गुप्त
मुमीष पर्णी
मुमीष पर्णी
डॉ. नरेन्द्र सौनी
डॉ. दुरेश कुमार
डॉ. कलणगाथकर उपाध्याय
सेवे बोलेक, ऑस्ट्रेन वारेन
डॉ. ब्रह्मदेव तिथि
डॉ. सत्यदेव निश
डॉ. भगीरथ निश
डॉ. जगदीश तिङे महास
राजनाथ
कल्याणकर उपाध्याय
डॉ. उमेशकुमार तिङे

मृत्पूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी.सत्र 2014-15) :

नृत्पूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी.सत्र 2014-15) :

नृत्पूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी.सत्र 2014-15) :

प्रधान संपादक, इसात टाइम्स.संयोगाद

श्री राजीव गुटा, धनुहारड़ा यायगढ़

: सदस्य

-

प्रस्तावित सत्र 2017–2018 एवं 2018–2019

एम. ए. हिंदी : सेमेस्टर–चतुर्थ

अनिवार्य प्रश्नपत्र – तृतीय code 915

प्रश्नावली :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस युग में इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की जूँकिया अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन माध्यमों में अधिकारिक स्तरों प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य-शब्द माध्यमों से सबैषित विद्याओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम दृश्य-शब्द माध्यम (फिल्म, टीवी-विद्युत) में भाषाकी प्रकृति, दृश्य एवं शब्द सामग्री का सामाजिक, पार्श्व वाचन (वैराग्य और प्रत्यक्ष, प्रत्यक्ष लेखन, लेखनी झना, संचार-लेखन, साहित्य की विद्याओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विश्वासन की गाथा।

(अ) मीडिया लेखन :

1. जनसंचार : प्रौद्योगिकी और चुनौतियों।
2. विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप : मुद्रण, शब्द, दृश्य-शब्द, इंटरनेट।
3. शब्द भाष्य (रेडियो) : मीडिया भाषा की प्रकृति, सामाजिक-लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्योगपत्र-लेखन, विज्ञापन-लेखन, फीचर तथा रिपोर्टज।
4. दृश्य-शब्द माध्यम (फिल्म, टीवी-विद्युत) : दृश्य माध्यमों में भाषाकी प्रकृति, दृश्य एवं शब्द सामग्री का सामाजिक, पार्श्व वाचन (वैराग्य और प्रत्यक्ष, प्रत्यक्ष लेखन, लेखनी झना, संचार-लेखन, साहित्य की विद्याओं का दृश्य माध्यमों में रूपान्तर, विश्वासन की गाथा।

(ब) हिंदी कार्यालय :

1. कार्यालय : परिचय, घरेला, उपयोग-शब्द
2. इंटरनेट एवं बैठक वाइड का परिचय।
3. इंटरनेट एवं सोशल नेटवर्क।
4. लिंक, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के लोगों।
6. एम.एस.वर्ड, फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डीटीपी, मल्टीमीडिया, ई-कॉमर्स का सामान्य परिचय।
7. इंटरनेट : सामग्री-सूचना।

(स) अनुवाद : भिन्नत एवं व्यवहार :

1. अनुवाद का स्वरूप, क्रेन, प्रिक्रेना एवं प्रतिविधि।
2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. नरीनी अनुवाद।

— 0 —

कुल अंक 80

3 आलोचनात्मक प्रश्न	$3 \times 20 = 60$ (नियरिति संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघुतरी प्रश्न / दिपाणी	$3 \times 05 = 15$ (नियरिति संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वर्तनिष्ठ / अति लघुतरी प्रश्न	$5 \times 01 = 05$ (नियरिति संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन महत्व के सदस्यों के छात्रावार

1. डॉ. श्री एस. ठाप्ता -
2. डॉ. फूलदास गंगत -
3. डॉ. विहारी लल चाहू -
4. डॉ. मीनकरता प्रधान -
5. डॉ. उषा देवरामकर आठते -
6. डॉ. बेठियार चिंह चाहू -
7. श्री रामकृष्ण चंद्रार -
8. श्री नवनीत जगतरामकर -
9. श्री राजीव गुप्ता -

सदर्न ग्रंथः

1. प्रवकारिता और जनसंचार
2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुभवोंमें
3. हिंदी प्रकारिता एवं जनसंचारकी
4. प्रयोगनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग
5. इटरनेट और ई गेट
6. कम्प्यूटर काम्प्यूटर कोर्स
7. लीडिंग तेजन
8. प्रयोजनमूलक हिंदी
9. भाषिकालीन : सारणी और समाचारार्थे
10. लीक्टर लेवल : सारणी और लिख्य
11. ऐडिंग नाटक की कला
12. काम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी
13. काम्प्यूटर और हिंदी
14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक
15. प्रयोजनमूलक हिंदी : दो
16. ना जनसंचार माल्यम् और हिंदी
17. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया और सूचना प्रौद्योगिकी
18. काम्प्यूटरीन का स्वारूप एवं हिंदी प्रसरणीकरण
19. जनसंचारकी : सिद्धांत और व्यवहार
20. ऐडिंगों का बनावधा
21. संखेपत्र और ऐडिंगों का स्वारूप
22. 1000 काम्प्यूटर-इटरनेट प्रयोजनोंतरी
23. अनुवाद के नाविक पत्र
24. अनुवाद क्या है?
25. अनुवाद क्या है?
26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य
27. साहित्यनुवाद : स्वारूप और सेवनदना
28. लिप्यतरण : सिद्धांत और प्रयोग
29. आज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ

अध्ययन-योग्यता के सदस्यों के हस्ताक्षरः

विषय विशेषज्ञः

1. डॉ. एस. ठाकुर.
2. डॉ. फूलदास महेत.
- सहा. प्राच्यापक / प्रभारी प्राचार्य
- शास्त्र महाविद्यालय, जौनपुर, जिला-जौनपुर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकितः

1. डॉ. विहारी लाल शाहू.
- सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोड़ीगढ़ कालोनी, रायगढ़
- विभागीय सदस्यः

 1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राच्यापक एवं किम्बागायस-हिन्दी : अध्यक्ष
 2. डॉ. उषा वैष्णवकर आठले-सहायक प्राच्यापक-हिन्दी : सदस्य
 3. डॉ. वेंटियार सिंह साहू-जीतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
 4. श्री रामकुमार बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

- गोदामिक / लिंगम् क्षेत्रः

 1. श्री नवनीत जगतसमाजः
 - प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़
 - मृतपूर्ण विद्यार्थी (इलाकोत्तर हिन्दी) सत्र 2014-15 :
 - श्री राजीव गुप्ता, धुनुहारड़ेरा रायगढ़

- मृतपूर्ण विद्यार्थी (इलाकोत्तर हिन्दी) सत्र 2014-15 :
- प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

जै साकुरदरता शर्णा आलोक

जै लिपु राजगढ़ीया डॉ. टॉ. डॉ. एस.आलोक

जै विनार नारेदे डॉ. रागत शास्त्रे

जै देवत कुमार गोयल हेमत समझा

जै सुमीत माहन डॉ. विनार नारेदे

जै अनुन चद्वला डॉ. अमरसिंह व्यान

जै उद्धव निश्चिन्द्र डॉ. उद्धव निश्चिन्द्र

जै रामनारायण पटेल डॉ. रामनारायण पटेल

जै सुर्विया पवारी डॉ. सुर्विया पवारी

जै नीरजा माईव डॉ. नीरजा माईव

जै विष्वनाथ पांडेय डॉ. विष्वनाथ पांडेय

जै रामप्रसाद रामसेना डॉ. रामप्रसाद रामसेना

जै राहुल छोप्य राजपाल छोप्य

जै शीतला सरोदार शीतला सरोदार

जै अरसु रामप्रसाद रामसेना

जै रामप्रसाद रामसेना

जै रामप्रसाद रामसेना

अनुमोदित

: सदस्य

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स, रायगढ़

प्रस्तावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019
 ए. ए. हिंदी : लेनस्टर-चतुर्थ
 अनियार्प प्रश्नपत्र-चतुर्थ
 छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य code 916

प्रस्तावना :

हिंदी साहित्य मात्र खड़ी बोली तक शीघ्रता नहीं है। उसकी अनेक लिमापाओं में आज भी एवं साहित्य-सृजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की चाजमापा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके प्रधान अध्ययन से इस विषय का उत्तरात्मक प्रश्न/लघुतरी/टिप्पणी प्रश्नपत्र में सामान्य पाठ्य-विषय से आलोचनात्मक इस प्रश्नपत्र के जारी, जिसमें आन्तरिक विकल्प रहेंगे। तेजन/वस्तुनिष्ठ/आतिलघुतरी प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आन्तरिक विकल्प रहेंगे।

पाठ्य विषय :

- छत्तीसगढ़ी भाषा का इतिहास।
- छत्तीसगढ़/छत्तीसगढ़ी का नामकरण।
- छत्तीसगढ़ी की उपमालियों एवं उनका वर्णकरण।
- छत्तीसगढ़ी का शब्दकोश।
- छत्तीसगढ़ी का गानक व्याकरण।
- छत्तीसगढ़ी साहित्य: युग-पृष्ठेमें एवं लिकास के चरण।
- छत्तीसगढ़ी गद्य-साहित्य की विविध विधाएँ।
- छत्तीसगढ़ी पद्य-साहित्य की विविध विधाएँ।
- छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशेष लक्षणकार।

प्रभा

कुल अंक 80

$$\frac{3 \times 20}{4 \times 15} = 60 \text{ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)}$$

$$3 \times 05 = 15 \text{ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)}$$

$$5 \times 01 = 05 \text{ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)}$$

अंक लिमाजन :

- आलोचनात्मक प्रश्न
- लघुतरी प्रश्न/टिप्पणी
- वस्तुनिष्ठ/आतिलघुतरी प्रश्न

- डॉ. डॉ. एम. ठाकुर
- डॉ. विठारी लाल साहू
- डॉ. उपा पौराणकर आठते
- श्री रमकुमार बंजारा
- श्री राजीव गुदा

—0—

कुल अंक 80

$$\frac{3 \times 20}{4 \times 15} = 60 \text{ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)}$$

$$3 \times 05 = 15 \text{ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)}$$

$$5 \times 01 = 05 \text{ (निर्धारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)}$$

संदर्भ चार्ट :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्दिकास
3. छत्तीसगढ़ी हल्डी भूती भाषाओं का वैज्ञानिक अध्ययन
4. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश
5. छत्तीसगढ़ : सुरिङ्ग, संस्कृति एवं प्रम्परा
6. छत्तीसगढ़ : सुरिङ्ग, संस्कृति एवं प्रम्परा
7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश
8. जननामा छत्तीसगढ़ी
9. छत्तीसगढ़ का भूगोल
10. भजक छत्तीसगढ़ी व्याकरण
11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं संग्रह
12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी
13. छत्तीसगढ़ी : अभियंत्रित के परिवेद्य
14. छत्तीसगढ़ी बोली व्याकरण और कोश
15. छत्तीसगढ़ी जननामा
16. प्राचीन छत्तीसगढ़
17. छत्तीसगढ़ी पोहेलियों
18. छत्तीसगढ़ी महावास कोश
19. प्रौढिकारे और छत्तीसगढ़ी संस्कृति
20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं प्रम्परा
21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन

अध्ययन-मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय दिशेषज्ञ :

1. डॉ. डी. एस. ठाकुर
प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी, शास.विलास कन्या सन्नातकोत्तर महाविद्यालय, विलासपुर महंत.
2. डॉ. फूलदास /प्रभारी प्राचार्य
सहा. प्राध्यापक /प्रभारी प्राचार्य
शास-महाविद्यालय, जैजपुर, जिला-जैजपीर-चांपा

कृतपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विहारी लाल साहू, 17. किरोडीमत कालोनी, रायगढ़ सेवा नियुक्त प्राचार्य,
2. डॉ. फूलदास महंत,
3. सहा. प्राध्यापक /प्रभारी प्राचार्य
शास-महाविद्यालय, जैजपुर, जिला-जैजपीर-चांपा


Dr. DEBI PRASAD SAHU

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्ययन
2. डॉ. उषा वैरागकर आठले-सहायक प्राध्यापक-हिन्दी : सदस्य
3. डॉ. वेठियर सिंह लाहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य
4. श्री रामकृष्ण बंजारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य

ओर्ध्वोमिनि /निगम द्वारा :

1. श्री नवनीत जगतरामका, प्रधान सपादक, इस्पत् टाइम्स,रायगढ़
- भूतपूर्व विद्यार्थी (ननातकोत्तर हिन्दी सत्र 2014-15) : श्री राजीव गुप्ता, धनुहारड़े रायगढ़

1. डॉ. विहारीलाल साहू : सदस्य
2. डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा : मातृचंद्रराव तेलंग
3. डॉ. उर्पा शर्मा : नदिकिशोर तिवारी
4. डॉ. रुपा शर्मा : हीरालाल शुभेत
5. डॉ. स्मृति शर्मा : नदिकिशोर तिवारी
6. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. उषा वैरागकर आठले
7. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. सुधीर शर्मा
8. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. विहारीलाल साहू
9. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. कानिकुमार
10. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. व्यापासनारायण दुबे
11. डॉ. किरण गजपाल : घारेलाल गुरुत
12. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. विहारीलाल साहू
13. डॉ. किरण गजपाल : समा. -रसेश्वर महसूत्रा एवं वित्तरंजन कर
14. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. पाले वर प्रसाद मार्ग
15. डॉ. किरण गजपाल : डॉ. शकर शोष

अनुमोदित


: सदस्य

-

: सदस्य

-

प्रस्तावना :-

परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी को विभाग द्वारा आवंटित पद्धतिक्रमेतर किसी एक विषय/अंश विशेष पर लाभगत 20 पूँछों का गोलिक रूप से शोध आलेख प्रस्तुत करना होगा। विद्यार्थी को शोध-निरोक्त के भागदर्शन में अध्ययन, शेत्र-कार्य, संप्रहण, सर्वेक्षण आदि प्रतिविधों पर केंद्रित आलेख की स्वच्छ/स्पष्ट-हस्त लिखित प्रति विभाग द्वारा निर्धारित तिथि में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा।

नियमित विषय

1. रायगढ़ जिले के साहित्यकारों से साझात्कार।
2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की रचनाओं पर शोधप्रकरण लेख।
3. इंटरनेट-माध्यम से किसी एक साहित्यिक लोंग वा विशेषण।
4. किसी फिल्म/रेडियो नाटक / टी वी धाराचरित्र/कृतलिपि के लिए पटकथा लेखन।
5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी/हिन्दी/उडिया का पारस्परिक अनुवाद।
6. छत्तीसगढ़ के सदर्म में लाभगत 25 विज्ञापन तैयार करना।
7. परचात्य कार्यशालाएँ के किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा/तुलनात्मक अध्ययन।
8. छायाचारोंतर/इलाकीसमीं सदी के किसी एक हिन्दी/छत्तीसगढ़ी/उडिया/अन्य भाषा के काव्य/काव्य-शृंग का साहित्यिक मूल्यांकन।
9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित कार्यक्रमों की समीक्षा।
10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
11. संदर्भगत सामरिक एवं प्रासादिक अन्य विषय (विभागीय संरचना से)

अंक विभाजन : कुल अंक - 50

शोध आलेख: 30 अंक (चूनातम उत्तीर्ण अंक - 10)
मीखिकी : 20 अंक (चूनातम उत्तीर्ण अंक - 03)

अध्ययन-भण्डाले के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञः :

1. डॉ. डी. एस. चतुर्भुज.
2. डॉ. चूलदास गहर्त.

सामाजिक प्रयोगकर्ता विभाग-हिन्दी,
सहा. प्राच्यापक / प्रामाणी प्राचार्य

शास्ति गहर्तविद्यालय, जैजपुर, जिला-जैजगढ़ी-चांपा

- कुलपति द्वारा नामांकित :**
1. डॉ. बिहसी लाल चाहूँ
सेवा निवृत्त प्राचार्य, 17. किरोड़ीमत कलोनी, रायगढ़

अनुमोदित
हस्ताक्षर

—

—

विभागीय सदस्यः

1. डॉ. मीनकेन प्रधान-प्राच्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्ययन-

प्राच्यापक
2. डॉ. उमा देवप्रलड़ आठते-सहायक प्राच्यापक-हिन्दी : सदस्य-
3. डॉ. चैतियार जिले साहू-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-
4. श्री रामकृष्ण चंद्रारे-अतिथि व्याख्याता-हिन्दी : सदस्य-


- ओर्डोग्राफ़िक/निपन्न शक्ति :**
1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक, इस्पात टाइम्स रायगढ़

- मृतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी) सत्र 2014-15 :

1. श्री रघुविजय गुप्ता,

धनुहारड़ा रायगढ़

: सदस्य-



प्रसावित सत्र 2017-2018 एवं 2018-2019

एम. ए. हिंदी सेमिस्टर - चतुर्थ
वैकल्पिक प्रश्नपत्र चतुर्थ
लघु शोध-प्रबंध code 92।

प्रस्तावना -

इस प्रश्न पत्र की जिल्हित परीक्षा के विषय में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की पात्रता हेतु विद्यार्थी को हितीय सेमिस्टर में ३० प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। तदनुसार विभाग की संस्कृति से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निदेशक के मार्गदर्शन में गोलिक रूप चेतना १०० पूर्वों का लघु शोध-प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी ०५ शुद्धित/टटिकत प्रतियों चर्चुर्ख सेमिस्टर परीक्षा समाप्ति के दस दिवस तक परीक्षणार्थी विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य है। अंतरिक एवं बाह्य परीक्षक द्वारा लघु शोध-प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंकों को पृथक्-पृथक् जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

लघु शोध प्रबंध के अंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/गोखिकी हेतु विभाग द्वारा लघु शोध प्रबंध के अंतरिक मूल्यांकन/सेमिनार/गोखिकी हेतु विभाग द्वारा लघु शोध प्रबंध प्रस्तुति जिल्हित तिथियों में परीक्षार्थी की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध-प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्ननुसार अंक निर्धारित है-

अंक विभाजन कुल अंक-१००

आंतरिक गृहांकन परीक्षा	10
सेमिनार	10
बाह्य परीक्षक	40

आंतरिक परीक्षक

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

अनुगोदित हस्ताक्षर

- विषय विशेषज्ञ :
 १. डॉ. डी. एस. ठाकुर,
 प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी
 शासकियासा कन्ना स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बिलासपुर
 २. डॉ. छुलदास भहत,
 सहाय प्राध्यापक / प्रभारी प्राचार्य
 शासकियासा कन्ना स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जैजेपुर, जैजगीर-चांपा

कुलपति द्वारा नामांकित :

१. डॉ. विठ्ठली लाल चाहूँ

अनुगोदित हस्ताक्षर

विभागीय सदस्य :
 १. डॉ. गोनकेतन प्रधान-प्राध्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिंदी : अध्ययन
 २. डॉ. उषा रेतानकर अठते-स्नातकोत्तर प्राध्यापक हिंदी : सदस्य
 ३. डॉ. बैठियार सिंह चाहूँ-अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य
 ४. श्री रामकुमार वंजारे-अतिथि व्याख्याता हिंदी : सदस्य

- ओर्डोनेक्षिक / नियम सीच :
 १. श्री नवनीत जगतरामका,

: सदस्य

- प्रधान सचिव द्वारा इस्पात टाइप्स रायगढ़
 श्री राजीव गुर्जर, धनुषरहेंड्रा रायगढ़

: सदस्य

प्रस्तावित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021
 एम. ए. हिंदी:सेमेस्टर-चतुर्थ
 अनिवार्य प्रश्नपत्र-प्रथम : छायावादोत्तर काव्य code 913

प्रस्तावना :

छायावादी कृतिव में यथार्थ और स्वप्न दोनों की समान संस्थिति थी। राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक जागरण की प्रवृत्ति अपनी समस्त शक्ति-सामर्थ्य तथा कतिपय नवीन प्रयोगवादिता के साथ छायावादोत्तर काव्य में विकसित होती रही। यहाँ प्रयोग और प्रगतिशीलता के स्वर जोर पकड़ते गए, जिसके बीज-बिंदु छायावाद में पड़ चुके थे। औद्योगीकरण के साथ-साथ शोषण की वृत्ति तथा अन्य सामाजिक विद्रूपताओं ने प्रगति लील साहित्यिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। नए मार्ग की अन्वेषी विचारधारा ने प्रयोगवादी काव्यधारा के रूप में अपने को विकसित किया। स्वतंत्रता के बाद मोहम्मंग की स्थिति ने जन्म लिया। स्वप्न अधूरे रहे, संकल्प टूटे। आक्रोश और विद्रोह की प्रवृत्तिव्यापक पैमाने पर परिलक्षित हुई। विज्ञान ने बौद्धिकता का विकास किया। फलस्वरूप नए-नए विष्व, प्रतीक एवं अभिव्यंजना-रूप विकसित हुए। अंतर्विरोधी स्थितियों ने मूल्य-विघटन, तनाव-संक्रमण, मोहम्मंग की स्थिति पैदा की, जिसकी अभिव्यंजना विविध रूपों में हुई। वर्तमान समस्याओं, संवेदनाओं की व्यापकता वि वजनीन हो गई। इस वैश्विक संदर्भ की जानकारी और समझदारी के लिए छायावादोत्तर तथा समकालीन साहित्य का विशेष अध्ययन अत्यंत आवश्यक है।

इस प्रश्न पत्र में समादृत कवियों से 03 व्याख्यात्मक, 03 आलोचनात्मक प्रश्न एवं द्रुत पाठ से लघूत्तरी/टिप्पणी लेखन के प्रश्न किये जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प होगा। संपूर्ण पाठ्य-विषय से वस्तुनिष्ठ/अति लघूत्तरी प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

1. सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अङ्गेय': नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, बावरा अहेरी, साँप।
 बादल को धिरते देखा है, यह तुम थी,
 वह तो था बीमार, नईपौध, कालिदास,
 मैं तुम्हें अपना चुम्बन दूँगा, पैने दाँतों वाली,
 तो फिर क्या हुआ ?शासन की बंदूक,
 अकाल और उसके बाद।
 अंधेरे में।
2. नागार्जुन
3. गजानन माधव मुकितबोध

द्रुत पठन :

रामेश्वर शुक्ल 'अंचल', रघुवीर सहाय, धूमिल, दुष्यंत कुमार, अरुणकमल

—0—

कुल अंक 80

अंक विभाजन :

03-व्याख्या	$-3 \times 10 = 30$	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-आलोचनात्मक प्रश्न	$-3 \times 10 = 30$	(समादृत पाठ्य विषय की रचनाओं से)
03-लघूत्तरी प्रश्न	$-3 \times 05 = 15$	(द्रुत पाठ से)
05-वस्तुनिष्ठ/अतिलघूत्तरी प्रश्न	$-5 \times 01 = 05$	(समादृत पाठ्य विषय से)

अध्ययन मण्डल के सदस्यों के हस्ताक्षर -

1. डॉ. राजेश दुबे
2. डॉ. विनय कुमार पाठक
3. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौबे
4. डॉ. वेठियार सिंह साहू
5. श्री राजीव गुप्ता

*Ram Fors
Lenny*

2. डॉ. चित्तरंजन कर

4. डॉ. मीनकेतन प्रधान

6. सुश्री लक्ष्मणराम कुर्मा

8. श्री नवनीत जगतरामका

M. T. P. M. Ch. / 8/18

✓

V

Mr. A. M.

प्रसारित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

एम.पु.हिंदी : सोमेरस्ट-वर्तुर्थ
अनिवार्य प्रश्नपत्र-हितीय

पाठ्यचालन काव्यशास्त्र code 914

प्रसारित :

रचना के बैशिष्ट्य और गृह्णयोग के उदाहरण के लिए काव्यशास्त्र और साहित्यालोचन का ज्ञान अपरिहर्य है। इससे साहित्यिक समझ विकसित होती है तथा वह दृष्टि मिलती है जिसके आधार पर साहित्य के मर्म और मूल्यवाता की वास्तविक परिष की जा सके। पाठ्यालय काव्यशास्त्रीय सिद्धांतों का भी हमारी काव्य-दृष्टि पर प्रभाव पड़ा है अतः आधुनिक रचना को उसकी समग्रता में समझने और विश्लेषण के लिए पाठ्यालय काव्यशास्त्र के विभिन्न सिद्धांत और साहित्यालोचन की विषेष शैलियों का अध्ययन आवश्यक है।

इस प्रश्नपत्र में खण्ड (क) से 02, खण्ड (ख) से 01 आलोचनात्मक प्रश्न तथा, समस्त पाठ्य-विषय से लाभात्मक प्रश्न किए जाएंगे, जिनमें आंतरिक विकल्प रहेंगा।

पाठ्य विषय :

- (क) 1. स्तो
2. अरस्तू
3. लोजाइनस
4. वर्ड्सवर्झ
5. कॉलरिज
6. शैक्षु अन्तर्वर्त
7. टी. एस. इलियट
8. आई.ए.रिचर्ड्स
- (ख) (1) सिद्धांत और वाद : अभियानात्मक प्रश्न, निवेद्यवित्तकर्ता का सिद्धांत, वर्जुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
(2) आधुनिक सामाजिक अर्थ, संवेदनों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना, पनोविश्लेषणवाद तथा अतिरिक्तवाद।
- काव्य-सिद्धांत।
अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन।
उदात्त की अवधारणा।
काव्य-भाषा का सिद्धांत।
कल्पना-सिद्धांत तोर ललित कल्पना।
आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य।
परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निवेद्यवित्तकर्ता का सिद्धांत, वर्जुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।
सामाजिक अर्थ, संवेदनों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना, साक्षरतावाद, शैलीविज्ञान, पनोविश्लेषणवाद तथा अतिरिक्तवाद।
उत्तराभ्युनिकालवाद।

अंक विभाजन :

- 3 आलोचनात्मक प्रश्न
3 लघुती प्रश्न/टिप्पणी
5 वर्तुनिष्ठ / अति लाभात्मक प्रश्न
- $-3 \times 20 = 60$ (खण्ड क से 02 एवं खण्ड ख से 01)
 $-3 \times 05 = 15$ (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)
 $-5 \times 01 = 05$ (प्रश्न पत्र के संपूर्ण पाठ्य विषय से)

—0—

कुल अंक 80

अध्ययन पाठ्यक्रम के सम्बन्धों के हस्तालिका	-	2. डॉ. वित्तरेजन कर
1. डॉ. राजेश तुम्हे	-	4. डॉ. मीनकेतन प्रधान
3. डॉ. विनय कुमार पाठक	-	6. सुशी लक्ष्मणराव कुरु
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे	-	8. श्री नवनीत जगतरामका
7. डॉ. गंडियार सिंह साह	-	
9. श्री राजीव गुरुता	-	



मुल्यांकन

संदर्भ ग्रंथ :

1. पारमात्मा काव्यशास्त्र के सिद्धांत
2. साहित्य समीक्षा के पारमात्मा मानदंड
3. पारमात्मा साहित्य वित्तन
4. पारमात्मा साहित्यालोचन के सिद्धांत
5. उत्तरआधुनिक साहित्यिक मिमर्श
6. दीरिदा विखड़न की जैद्वातिकी
7. शीलीविज्ञान और सर्वकावाद
8. शीलीविज्ञान
9. पारमात्मा काव्य चित्रन
10. साहित्य सिद्धांत
11. स्वातंत्र्योत्तरहिंदी समीक्षा सिद्धांत
12. पारमात्मा काव्यशास्त्र : अधुनातन संदर्भ
13. भाषा और समीक्षा के बिन्दु
14. पारमात्मा काव्यशास्त्र : इतिहास, सिद्धांत और वाद
15. सौंदर्यवेदशास्त्र
16. पारमात्मा काव्यशास्त्र : नई प्रवृत्तियाँ
17. पारमात्मा काव्य चित्रन
18. पारमात्मा काव्यशास्त्र

अध्ययन—मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश ठुबे,
- प्राचार्य
- शास्त्रवीन महाविद्यालय एरोड, शियपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष मापा विज्ञान

पै. रविशंकर शुक्ल विजि. शियपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाटक,

पूर्व विभागाध्यक्ष—हिन्दी, अव्याक्ष—छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शास्त्रन, शियपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. गीनकेतन प्रधान—प्राच्यापके एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अव्याक्ष
2. डॉ. (श्रीमती) ख्वान्द चौधे—साहित्यक प्राच्यापक हिन्दी : सदस्य
3. सुशी लक्ष्मेश्वरी कुरु—सहायक प्राच्यापक हिन्दी : सदस्य
4. डॉ. बेहियार जित शाह—अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य

ओर्डोग्राफ / निपाम होत्र :

1. श्री नवगीत जगतरामका,

प्रधान समादक इस्पत टाइम्स, शियपुर

मृतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 2014-15) :

श्री राजीव गुप्ता, धनुहारडेश शियपुर

अनुगोदित
हस्ताक्षर

२०१४

डॉ. उमेशकुमार सिंह

जून देव

सुखीष पचौरी

जून देव

नरेन्द्र सी

प्रश्नावली :

सूचना प्रौद्योगिकी के इस पुस्तक में इलेक्ट्रॉनिक गोडिया की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो गई है। हिंदी भाषा और साहित्य का इन गोडियों में अधिकाधिक स्तरीय प्रयोग तभी हो सकता है, जब इन दृश्य-शब्द माध्यमों से संबंधित विद्याओं का व्यवस्थित प्रशिक्षण प्राप्त कर लिया जाए। यह पाठ्यक्रम अत्यंत रोजगारप्रक है।

इस प्रश्नपत्र में समस्त पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघूतरी/टिप्पणी लेजन के प्रश्नों में आतंरिक विकल्प विद्यार्थित है। समस्त पाठ्य-विषय से 05 चर्चानिष्ठ/अतिलघूतरी प्रश्न किए जाते हैं।

पाठ्य विषय :

(अ) गोडिया लेखन : जनसंचार : प्रौद्योगिकी और उन्नीतियों।

2. विभिन्न जनसंचार भायामों का स्वरूप : मुद्रण, शब्द, दृश्य-शब्द, इंटरनेट।
3. शब्द भायाम (लेडियो) : मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार-लेखन एवं वाचन, लेडियो नाटक, उद्धोषणा-लेखन, विज्ञापन-लेखन, कीचर तथा रिपोर्टेज वाचन, लेडियो नाटक, उद्धोषणा-लेखन एवं लेडियो) : दृश्य भायामों में भाषा की प्रकृति, दृश्य एवं शब्द सामग्री का सामाजिक, पारम्पर्य वाचन (वोयस ऑफ़) पटकथा लेखन, टेली भ्रामा, सावाद-लेखन, साहित्य की विद्याओं का दृश्य भायामों में लघूतर विज्ञापन की भाषा।

(ब) हिंदी काम्प्लिंग : 1. कम्प्यूटर : परिचय, लूपरेखा, उपयोग-क्षेत्र

2. इंटरनेट एवं वेब बल्ड ग्राइड का परिचय।
3. इंटरनेट एक्सप्लोरर अथवा नेटर्सेप।
4. लिंक, ई-मेल भेजना, प्राप्त करना, डाउनलोडिंग, अपलोडिंग।
5. हिंदी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, हिंदी की प्रमुख वेबसाइट्स, हिंदी के लोकनाम, हिंदी साप्टवेयर फ़ैक्जेस।
6. एन.एस.जे.डी., फोटोशॉप, कवर डिजाइनिंग, ग्राफिक्स, डी.टी.पी., मॉटनीमीडिया, ई-कॉमर्स का सामाजिक परिचय।

7. इंटरनेट : सामग्री-सूचना।

(स) अनुवाद : सिद्धांत एवं व्यवहार : 1. अनुवाद का स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया एवं प्रविधि ।

2. हिंदी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. नवीनी अनुवाद।

—0—

चुन अंक 80

अंक विभाजन :	$-3 \times 20 = 60$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 अलोचनालक प्रश्न	$-3 \times 05 = 15$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघूतरी प्रश्न/टिप्पणी	$-5 \times 01 = 05$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वस्तुनिष्ठ / अंति लघूतरी प्रश्न	$-5 \times 01 = 05$ (निवारित संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन भूमिका के सदस्यों के हस्ताक्षर	2. डॉ. वित्तराजन कर
1. डॉ. राजेश दुवे	4. डॉ. मीनकोरन प्रधान मीनकोरन
2. डॉ. विनय कुमार पाठक	6. सुनील क्षेत्रस्थानी कुरौ
3. डॉ. (श्रीमती) स्वीन चौधे	8. श्री नवनीत जगतरामका
4. डॉ. बैठियार सिंह साह	
5. श्री राजीव गुप्ता	
6. श्री राजीव गुप्ता	
संदर्भ पृष्ठ :	

2. जनसंचार : सिद्धांत और अनुप्रयोग : विष्णु राजगद्विया
 3. हिंदी पत्रकालिन एवं जनसम्पर्क : डॉ. टी.डी.एस.आलोक
 4. प्रयोजनमूलक हिंदी : सिद्धांत और प्रयोग : दंगल शाहौदे
 5. इंटरनेट और ई मेल : हेमत कुमार गोयल
 6. कम्प्यूटर कम्प्यूटर कोर्स : कपिलदेव सप्तर्णा
 7. हिंदी लेखन : सुमित मोहन

8. प्रयोजनमूलक हिंदी : बिनोद गात्रे
 9. मीडियाकालीन हिंदी : चबूल और संभावनाएँ : डॉ. अर्जुन चहोण
 10. फोटो लेखन : स्वरूप और विष्ट्य : डॉ. मनोहर प्रभाकर
 11. रेडियो नाटक की कला : सिद्धनाथ कुमार
 12. कम्प्यूटर प्रयोग और हिंदी : डॉ. अमरसिंह वधान
 13. कम्प्यूटर और हिंदी : डॉ. हरिमोहन
 14. प्रयोजनमूलक हिंदी : एक : डॉ. रामनारायण पटेल
 15. प्रयोजनमूलक हिंदी : डॉ. सुलीश पवारी
 16. नए जनसंचार माध्यम और हिंदी : डॉ. यू.सी.गुरुदा
 17. इंटरनेट की भूमिका और सूखना प्रौद्योगिकी : डॉ. उमेष मिश्र
 18. दूरध्वधन का स्वरूप एवं हिंदी प्रस्तुतीकरण : डॉ. अर्जुन तिवारी
 19. जनसम्पर्क : सिद्धांत और व्यवहार : डॉ. नीरज नाथव
 20. रेडियो का कलात्मक : विश्वनाथ पाण्डेय
 21. सम्बोधन और रेडियो शिल्प : विनयभूषण
 22. 1000 कम्प्यूटर-इंटरनेट प्रश्नोत्तरी : विमा गुप्ता
 23. अनुवाद के भाविक पक्ष : डॉ. महराजरकर
 24. अनुवाद क्या है? : राजमत्र छोरा
 25. अनुवाद क्या है? : रीताराजी पालीबाल
 26. अनुवाद : प्रक्रिया और परिदृश्य : डॉ. आरसु
 27. शाहित्यनुवाद : संचाट और संदेशना : डॉ. चम्पकला चबूल
 28. लिप्ततरण : सिद्धांत और प्रयोग : डॉ. रामप्रसाद लक्ष्मण
 29. अज की हिंदी और अनुवाद की समस्याएँ : डॉ. रामप्रसाद

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
विष्य विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुबे,
प्राचार्य

शास्त्र-नवीन महाविद्यालय खरोला, चापुर (छ.ग.)

2. डॉ. चितररंजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प्र. रविशकर शुक्ल विवि. चापुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनय कुमार पाठक,
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अध्ययन-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, चापुर

विभागीय सदस्य :
 1. डॉ. गीनकोनन प्रसान-प्राच्याध्यक्ष एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अध्ययन
 2. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र चौधे-सहायक प्राच्याध्यक्ष हिन्दी : सदस्य
 3. शुभी लक्ष्मणी कुर्स-सहायक प्राच्याध्यक्ष हिन्दी : सदस्य
 4. डॉ. वैतियार सिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी : सदस्य
 और्ध्वाधिक / निपाम कीत्र :

1. श्री नवनीत जगतरामका,

प्रधान संपादक इस्पात टाइम्स, चापुर

चूतपूर्व विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी-सत्र 2014-15) :
श्री राजीव गुप्ता, धुमरडेश चापुर

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-
-
-

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अनुमोदित
हस्ताक्षर

अनुमोदित
हस्ताक्षर

-
-
-

विमा गुप्ता

प्रसापित सत्र 2019-2020 एवं 2020-2021

एम. ए. हिंदी : सोमेस्टर-चतुर्थ

अधिवार्य प्रश्नपत्र-चतुर्थ
छत्तीसगढ़ी भाषा एवं साहित्य code 916

प्रसापना :

हिंदी साहित्य भाषा खड़ी बोली तक शीमित नहीं है। उसकी अनेक लिंगायाँ में आज भी पर्याप्त साहित्य-सैजन किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य की राजभाषा के रूप में छत्तीसगढ़ी प्रतिष्ठित हो चुकी है। अतः इसके पृथक् उत्थयन से इस विभाषा का उत्तरोत्तर विकास हो सकता है। इस प्रश्नपत्र में जमात पाठ्य-विषय से 03 आलोचनात्मक प्रश्न, 03 लघुतंत्री/टिप्पणी तथेज्ञन के प्रश्नों भैं आंतरिक विकल्प निर्वाचित हैं। सामात पाठ्य-विषय से 05 वर्गनिष्ठ/अतिलघूतंत्री प्रश्न किए जाएंगे।

पाठ्य विषय :

ज्ञान - ग. छत्तीसगढ़ी भाषा

1. छत्तीसगढ़ का नामकरण।
2. छत्तीसगढ़ी भाषा : उद्भाव, विकास एवं प्रसंग।
3. छत्तीसगढ़ी भाषा का भौगोलिक, सांस्कृतिक परिदृश्य।
4. छत्तीसगढ़ी की उपव्योलियाँ एवं उनका वर्णिकण।
5. छत्तीसगढ़ी का मानक ल्याकरण एवं शब्दकोश।

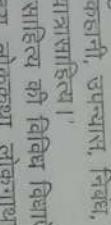
ज्ञान - ५. छत्तीसगढ़ी साहित्य

1. छत्तीसगढ़ी साहित्य : उदयव, विकास एवं प्रतिवर्धी-पद्ध साहित्य- युताक काव्य/गीत, खण्ड काव्य, नाटकाव्य, नई कविता। गद्य साहित्य- कहानी, उपन्यास, निवास, नाटक, एकांकी, आलोचना, संस्मरण,
2. छत्तीसगढ़ी लोक साहित्य की विविध विधाएँ-
लोकगीत, लोकनाट्य, लोककथा, लोकनाथा, लोकसंगीत, लोक सुनापित, हाना।

अंक विभाजन :

अंक विभाजन :	पूँज अंक 80
3 आलोचनात्मक प्रश्न	$-3 \times 20 = 60$ (समाप्त संपूर्ण पाठ्य विषय से)
3 लघुतंत्री प्रश्न/टिप्पणी	$-3 \times 05 = 15$ (समाप्त संपूर्ण पाठ्य विषय से)
5 वर्गनिष्ठ / अति लघुतंत्री प्रश्न	$-5 \times 01 = 05$ (समाप्त संपूर्ण पाठ्य विषय से)

अध्ययन भाष्यक के सरस्वतों के उत्तमाकार -

1. डॉ. राजेश दुर्घे - 2. डॉ. वित्तरंजन कर
3. डॉ. विनय कुमार पाठक - 4. डॉ. मीनकेन्द्र प्रधान 
5. डॉ. (श्रीमती) रवीन्द्र घोष - 6. सुशी लक्ष्मणराम कुर्मा
7. डॉ. वेदियर सिंह साह - 8. श्री नवनीत जगतरामका -
9. श्री राजीव गुप्ता

संदर्भ यथा :

1. छत्तीसगढ़ी भाषा और लोकसाहित्य
2. छत्तीसगढ़ी भाषा का उद्दिष्टिका

डॉ. विहारीलाल साह
डॉ. नरेन्द्रदेव वर्मा

3. छत्तीसगढ़ी, हल्ली, मतरी भाषाओं का

: भाजचन्द्र राव तेलंगा

भौजानिक अध्ययन

4. छत्तीसगढ़ी : दशा एवं दिशा

: नंदकिशोर तिवारी

5. छत्तीसगढ़ ज्ञानकोश

: हीरतलाल शुक्ल

6. छत्तीसगढ़ : इतिहास, संस्कृति एवं परम्परा

: डॉ. एषा शर्मा

7. छत्तीसगढ़ी शब्दकोश

: डॉ. लक्ष्मीराम महरोज़ा

8. राजभाषा छत्तीसगढ़ी

: डॉ. तुषीर शर्मा

9. छत्तीसगढ़ का भूगोल

: डॉ. किरण गजपाल

10. नगनक छत्तीसगढ़ी व्याकरण

: डॉ. चंद्रलाल चंद्रलाल

11. छत्तीसगढ़ी साहित्य एवं संग्रहालय

: डॉ. चंद्रलाल आठले

12. बोलचाल की छत्तीसगढ़ी

: डॉ. वित्तरंजन कर

13. छत्तीसगढ़ी : औद्योगिक के परिप्रेक्ष्य

: डॉ. वित्तरंजन साहू

14. छत्तीसगढ़ी गोडी व्याकरण और कोश

: डॉ. कतिकुमार

15. छत्तीसगढ़ी जनभाषा

: डॉ. व्यासनरायण दुबे

16. प्राचीन छत्तीसगढ़ी

: डॉ. वित्तरंजन गुरु

17. छत्तीसगढ़ी पहेलियाँ

: सपा - स्मशान महरोज़ा एवं चित्तरंजन कर

18. छत्तीसगढ़ी मुळवारा कोश

: डॉ. वित्तरंजन साहू

19. ग्रन्थिकारे और छत्तीसगढ़ी संस्कृति

: डॉ. पालेश्वर प्रसाद शर्मा

20. छत्तीसगढ़ का इतिहास एवं प्रस्तुति

: डॉ. शंकर शंकर

21. छत्तीसगढ़ी का भाषा शास्त्रीय अध्ययन

: डॉ. विनेश कुमार पाठक

22. छत्तीसगढ़ी साहित्य का ऐतिहासिक अध्ययन

: डॉ. विनेश कुमार पाठक

23. छत्तीसगढ़ी को व्याकरणिक कोटियों

: डॉ. विनेश कुमार पाठक

24. छत्तीसगढ़ी साहित्य के सम्बन्धि हस्ताक्षर

: डॉ. मंजु शर्मा

25. शीसमी रहाती का छत्तीसगढ़ी साहित्य

अध्ययन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :

विषय विशेषज्ञ :

1. डॉ. राजेश दुवे,

प्राचार्ण

शास्त्रज्ञन महाविद्यालय खरोंगा, रायपुर (छ.ग.)

2. डॉ. वित्तरंजन कर,

पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान

एवं विशेषज्ञक शुखल विवि. रायपुर (छ.ग.)

कुलपति द्वारा नामांकित :

1. डॉ. विनेश कुमार पाठक,

पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अव्याख्या-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग

छ.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :

1. डॉ. मोकेतन प्रधान-प्राव्यापक एवं विभागाध्यक्ष-हिन्दी : अव्याख्या

-

2. डॉ. (श्रीमती) रखीन्द्र चौधे-सहायक प्राव्यापक हिन्दी

-

3. श्री लक्ष्मेश्वरी कुर्स-सहायक प्राव्यापक हिन्दी

-

4. डॉ. वेनियर सिंह साह-अतिथि व्याख्याता हिन्दी

-

ओपोगिक / नियम सेवा :

1. श्री नवनीत जापतरामका,

प्रधान रायपुरक इस्पात टाइम्स रायपुर

2. श्री राजेश गुप्ता, भजुरखेड़ा रायपुर

पूर्वपूर्व विभागीय (नानाकोत्तर हिन्दी) संघ 2014-15) :

: सदस्य

प्रधान रायपुरक इस्पात टाइम्स रायपुर

श्री राजेश गुप्ता, भजुरखेड़ा रायपुर

प्रस्तावना -

प्रस्तावना— इस प्रस्त भर्ती की लिखित परीक्षा के विकल्प में लघु शोध प्रबंध प्रस्तुत करने की प्रतीता हेतु विद्यार्थी को हितीय सेमेस्टर में 60 प्रतिशत अंक अर्जित कर उत्तीर्ण होना आवश्यक है। तदनुसार विभाग की गतिविधि से किसी एक विषय पर शोधार्थी को शोध निर्देशक के बाहर रखने में मालिक रूप से तगड़ा 100 पूँछों का लघु शोध-प्रबंध तैयार करना होगा, जिसकी 05 मुद्रित / टकित प्रतीक्षा करना अनिवार्य विभाग में प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। चर्चुर्थ सेमेस्टर परीक्षा के चर्चुर्थ प्रस्त भर्ती के दिनांक तक परीक्षार्थी विभाग में प्रस्तुत करने अंतिक एवं वार्ष्य परीक्षा द्वारा लघु शोध-प्रबंध के मूल्यांकन के प्रदत्त अंकों को पृष्ठक-पृष्ठक गणनाक्रम से अनुभित करना आवश्यक है। जोड़ा जाना प्रस्तावित है।

जोड़ा जाना प्रस्तावित है।
लघु शोध प्रबंध के आंतरिक गृहन्यांकन/ सेमिनार/ मीटिंगों द्वारा विभाग द्वारा नियोजित
तिथियों में परीक्षण की उपस्थिति अनिवार्य है। लघु शोध-प्रबंध प्रस्तुति के लिए निम्नानुसार अंकवाचिक
निर्धारित है—

अंक विद्याज्ञ

ਕੁਲ ਅਫ-100

आंतरिक गृह्यांकन परीक्षा	10
सेनार	10
बाह्य परीक्षण	40
आंतरिक परीक्षण	40

अध्ययन-गेंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर
विषय विशेषज्ञ : → →

१. डॉ. राजेश दुबे,

प्राद्युम्न

2. डॉ. चित्तरेण के,

प्राचीन भारतीय
संस्कृत लेख

१ लोकविनाय कृपार पाठ्यका

१. डॉ. विनोद हिन्दी, अध्यात्म-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
पूर्व विभागाध्यक्ष-हिन्दी, अंग्रेजी-छत्तीसगढ़ी राजभाषा आयोग
च.ग.शासन, रायपुर

विभागीय सदस्य :
 1. डॉ. मीनकंतन प्रधान—प्रधायापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी : अव्यय
 2. डॉ. (श्रीमती) रघुनंद चौधे—सहायक प्रधायापक हिन्दी : सदस्य
 3. सुश्री लक्ष्मेश्वरी चूर्णे—सहायक प्रधायापक हिन्दी : सदस्य
 4. डॉ. बैठियार सिंह शाह—अतिथि वाराणसा हिन्दी : सदस्य
ओचोगिक / लिपम संघ :
 मै जानी न जानतेगमका : सदस्य

મૂત્રપૂર્વ વિધાયકી (સ્નાતકોત્તર હિન્દી સત્ર 2014-15) :
શ્રી રાજીવ ગુરૂના, ઘુહારઢેર રાયગઢ

परियोजना कार्य के अंतर्गत विधार्थी को पाठ्यक्रमेतर किसी एक विषय/अश विशेष पर लगभग 20 पृष्ठों का शोध आलेख तैयार करना होगा। शोधार्थी को शोध-निर्देशक के मार्गदर्शन में अध्ययन, कैन्ट्र-कार्य, संप्रहण, सर्वेक्षण आदि परियोजने पर केन्द्रित आलेख की रूचि हस्त लिखित प्रति विभाग

1. सायगढ़ जिले के साहित्यकारों से सक्षात्कार।
 2. जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्यकारों की खबनाओं पर शोधप्रक लेख।
 3. इटरेस्ट-माध्यम से किसी एक साहित्यिक लॉग का विशेषण।
 4. किसी किल्न/रेडियो नाटक/टी बी धारावाहिक/वृत्तचित्र के लिए पटकथा लेखन।
 5. अनुवाद : छत्तीसगढ़ी /हिंदी/उडिया का प्रारम्भिक अनुवाद।
 6. छत्तीसगढ़ के राम्बा में लागवग 25 विज्ञापन तैयार करना।
 7. प्रश्नात्य काव्यशास्त्र के पाठ्येतर किसी एक विचारक/सिद्धांत/वाद की समीक्षा /तुलनात्मक अध्ययन।
 8. छायाचारोंतर /इवेकीसर्वी सदी के किसी एक हिंदी/छत्तीसगढ़ी/उडिया/अन्य भाषा के कवि/काव्य-कृति का साहित्यिक मूल्यांकन।
 9. आकाशवाणी रायगढ़ से प्रसारित काव्यक्रमों की समीक्षा।
 10. रायगढ़ जिले के छत्तीसगढ़ी साहित्य का इतिहास।
 11. छत्तीसगढ़ी साहित्य के विशेष रघानाकार।
 12. संरक्षित सामग्रिक एवं प्रासादिक अन्य विषय (विवाहार्थी संस्कृति से) विभाजन : कुल अंक - 50, शोध आलेख -30 अंक एवं मौखिकी : 20 अंक यन-मंडल के सदस्यों के हस्ताक्षर :
 13. विशेषज्ञ :

अन्य भाषा के प्रमुख/वाद की

१. डॉ. राजेश दुबे.
प्राचार्य
शासनवीन महाविद्यालय खरोण, रायपुर (छ.प.)
२. डॉ. वित्तरजन कर,
पूर्व विभागाध्यक्ष भाषा विज्ञान
प्राचार्य

४५ वेन नार्थेश्वर-हन्दी, अध्यक्ष-ज्ञातोसंगठो राजभाषा आयोग
छ.ग.शासन, रायपुर

1. डॉ. मीनकेतन प्रधान—प्रध्यापक एवं विभागाध्यक्ष—हिन्दी :	अध्यापक
2. डॉ. (श्रीमती) रघुनाथ चौधे—साहप्रक प्राध्यापक हिन्दी :	सदस्य
3. मुखी लक्ष्मीबाई कुरुरे—साहप्रक प्राध्यापक हिन्दी :	सदस्य
4. डॉ. बोटियार सिंह साह—अतिथि व्याख्याता हिन्दी :	सदस्य

प्रधान सम्पादक इस्पत टाइम्स, रायगढ़
मुख्य प्रबन्ध विद्यार्थी (स्नातकोत्तर हिन्दी, सत्र 20
श्री राजेश गुप्ता, धनहारडे रायगढ़

4-15) : मुख्य सदस्य